@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 14 जनवरी 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 45 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

साधुओं पर हमला मामले में पुरुलिया में 12 गिरफ्तार

कोलकाता, 13 जनवरी। पुरुलिया में साधुओं पर हमला करने के मामले में पुलिस ने 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में अब सियासी बयानबाजी भी हो रही है। प्रदेश विधानसभा में मुख्य विपक्षी पार्टी-भाजपा ने पश्चिम बंगाल की कानून व्यवस्था को लेकर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को आड़े हाथों लिया है। विवाद राजनीतिक रंग अख्तियार कर रहा है, इसके संकेत इस बात से मिल रहे हैं कि टीएमसी ने भाजपा पर घटना को सांप्रदायिक मोड़ देने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। इस मामले में सोशल मीडिया पर वीडियो भी वायरल हो रही है। इसमें कथित तौर पर गंगासागर मेले के लिए जा रहे भिक्षुओं के साथ पुरुलिया के काशीपुर में अभद्रता की गई। वीडियो में लोगों का एक समूह साधुओं के साथ धक्का-मुक्की करते देखा जा सकता है। पुरुलिया पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म-एक्स पर बताया कि यह घटना गलतफहमी के कारण हुई। स्थानीय पुलिस ने तुरंत हस्तक्षेप किया और साधुओं को बचाया। पुरुलिया पुलिस अधीक्षक (स्क्) अविजीत बनर्जी ने बताया कि पुलिस ने इस संबंध एक विशेष मामले के आधार पर 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। शनिवार को आरोपियों को रघुनाथपुर सबडिविजनल कोर्ट में पेश किया गया।

खरगे ने विपक्षी दलों को भारत न्याय यात्रा में बुलाया

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 13 जनवरी। विपक्षी गठबंधन की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को गठबंधन का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं बैठक में बिहार सीएम और जदयू के नेता नीतीश कुमार ने संयोजक पद ठुकरा दिया। इसकी पुष्टि बिहार सरकार के मंत्री संजय झा ने भी की है। बैठक में नीतीश कुमार ने कहा कि उनकी संयोजक बनने की कोई इच्छा नहीं है बल्कि वह चाहते हैं कि गठबंधन जमीन पर मजबूत बने और बढ़ता रहे। विपक्षी गठबंधन की वर्चुअल बैठक में नीतीश कुमार ने सलाह दी कि कांग्रेस में से किसी को यह जिम्मेदारी लेनी चाहिए। गौरतलब है कि पिछली बैठक में भी टीएमसी चीफ ममता बनर्जी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाने की बात कही थी। विपक्षी गठबंधन (द्धह्लष्ठद्ब, द्यद्यद्बड्डठ्ठष्द्ग) के शीर्ष नेतृत्व की आज हुई बैठक करीब दो घंटे चली और इस बैठक में गठबंधन को मजबूत करने, सीट बंटवारे के लिए रणनीति बनाने और गठबंधन का संयोजक बनाने पर चर्चा हुई। यह बैठक वर्चुअली हुई, जिसमें 10 पार्टियों के नेता शामिल हुए। बैठक में नीतीश कुमार, एमके स्टालिन, शरद पवार, डी राजा, मल्लिकार्जुन खरगे, उमर अब्दुल्ला, राहुल गांधी, सीताराम येचुरी, लालू यादव-तेजस्वी यादव, अरविंद

केजरीवाल शामिल हैं। हालांकि बैठक से पहले ही विपक्ष को झटका लगा जब पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने इस बैठक में शामिल होने से मना कर दिया। साथ ही शिवसेना (यूबीटी) के नेता उद्धव ठाकरे और सपा नेता अखिलेश यादव भी विपक्षी गठबंधन की इस बैठक में शामिल नहीं हुए। ममता बनर्जी के बैठक में शामिल ना होने पर टीएमसी ने कहा कि उन्हें बैठक के लिए शॉर्ट नोटिस पर सूचना दी गई और साथ ही कांग्रेस ने बैठक के एजेंडे के बारे में भी कोई जानकारी नहीं दी। हाल के दिनों में यह दूसरी बार है जब टीएमसी ने कांग्रेस के साथ बैठक से इनकार किया है। गुरुवार को ही टीएमसी ने बंगाल में सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस के साथ बैठक से इनकार कर दिया था। दरअसल मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल में कांग्रेस को दो सीटें देने की पेशकश कर रही हैं और ज्यादा से ज्यादा तीन पर वह मान सकती हैं, लेकिन कांग्रेस इस पर सहमत नहीं है। विपक्षी गठबंधन के संयोजक पद के लिए बिहार के सीएम नीतीश कुमार के नाम की चर्चा थी। जदयू नेताओं के बयान से भी ऐसा लगा था कि पार्टी नीतीश के लिए संयोजक का पद चाहती है, लेकिन अब खुद नीतीश कुमार ने साफ कर दिया है कि उनकी संयोजक बनने में कोई रुचि नहीं है। बैठक में कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को लेकर भी चर्चा हुई। कांग्रेस की यह यात्रा रविवार यानी 14 जनवरी से मणिपुर से शुरू होगी। इससे पहले शुक्रवार शाम को कांग्रेस नेता मुकुल वासनिक के आवास पर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के नेताओं की भी बैठक हुई, जिसमें सीट बंटवारे पर चर्चा हुई।

पेपर लीक केस से जुड़े पांच आरोपियों को ईडी ने किया गिरफ्तार

जयपुर, 13 जनवरी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राजस्थान में शिक्षक भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। 11 जनवरी को सुरेश कुमार उर्फ सुरेश साव, विजय दामोर, पीराराम, पुखराज और अरुण शर्मा को पीएमएलए के के तहत गिरफ्तार किया गया। जयपुर की विशेष पीएमएलए अदालत ने पांचों आरोपियों को तीन दिन की ईडी की हिरासत में भेज दिया है। दरअसल, राजस्थान में वरिष्ठ अध्यापक द्वितीय श्रेणी प्रतियोगी परीक्षा 2022 के पेपर लीक मामले की जांच ईडी कर रही है। ईडी ने इस मामले में राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) के पूर्व सदस्य बाबूलाल कटारा, अनिल कुमार मीणा और भूपेन्द्र सरन समेत दो अन्य व्यक्तियों को पहले ही गिरफ्तार किया था। ईडी के अनुसार अरुण शर्मा ने प्रति उम्मीदवार 2 लाख रुपये के बदले अनिल कुमार मीणा को प्रतियोगी परीक्षा में शामिल हो रहे 29 उम्मीदवार उपलब्ध कराए थे। जिनके लिए लीक किए गए पेपर की व्यवस्था की गई थी। अरुण ने पेपर लेने के लिए अनिल मीणा को 10 लाख रुपये का भुगतान भी किया था। ईडी की जांच में सामने आया है कि पीराराम भी पेपर लीक में शामिल था, उसने सुरेश साव के निर्देश पर उम्मीदवारों को लीक हुए प्रश्न पत्र के सही उत्तर देने के लिए अपनी बस उपलब्ध कराई थी। वहीं, पुखराज ने उम्मीदवारों के रहने की व्यवस्था की और 21 दिसंबर 2022 को आयोजित परीक्षा में भी शामिल हुआ था। सुरेश साव ने उसे लीक पेपर भी दिया था।

क्यों चीन, भारतीय सेना को लद्दाख में 2000 वर्ग किमी क्षेत्र में जाने से रोक रहा है? जयराम रमेश

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 13 जनवरी। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के महासचिव एवं संसद सदस्य जयराम रमेश ने लद्दाख में भारत और चीन सीमा पर तनाव को लेकर 13 जनवरी को एक महत्वपूर्ण बयान दिया है। उन्होंने कहा, सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे 11 जनवरी को अपनी वार्षिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हमारा प्रयास 2020 के बीच से पहले जैसी स्थिति पर वापस जाने के लिए बातचीत (चीन के साथ) जारी रखने का है। बतौर जयराम, उनकी यह टिप्पणी याद दिलाती है कि घुसपैठ के लगभग चार साल बाद भी चीन के सैनिकों को लद्दाख में 2000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र तक जाने से रोक रहे हैं। उन्होंने कहा, राजौरी पुंछ में आतंकी गतिविधियों में बढ़ोतरी देखी गई है। सीमा पार से राजौरी पुंछ सेक्टर में आतंकवादी ढांचे को समर्थन जारी है। जयराम रमेश ने कहा, इससे साफ होता है कि सीमा पार से आतंकवाद का खतरा बरकरार है। नोटबंदी या जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा खत्म कर आतंकवाद को खत्म करने का दावा, पूरी तरह से गलत साबित हुआ

है। पांच अगस्त 2019 के बाद से जम्मू कश्मीर में हुए आतंकवादी हमलों में 160 से अधिक जवान मारे गए हैं। हमारे जवानों पर हाल ही में 12 जनवरी को पुंछ में हमला हुआ है। सौभाग्य की बात यह है कि इस बार कोई गंभीर नुकसान नहीं हुआ है। जयराम रमेश के मुताबिक, प्रधानमंत्री द्वारा 19 जून 2020 को चीन को दी गई क्लीन चिट, जब उन्होंने कहा था कि न कोई हमारी सीमा में घुस आया है, न ही कोई घुसा हुआ है, हमारे शहीद जवानों का अपमान था। उस क्लीन चिट की वजह से ही 18 दौर की वार्ता के बावजूद 2000 वर्ग किलोमीटर भारतीय क्षेत्र पर चीन का नियंत्रण जारी है। लेह के पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रस्तुत एक पेपर में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि भारत अब 65 पेट्रोलिंग प्वाइंट्स में से 26 तक नहीं जा सकता है। ये वे पेट्रोलिंग प्वाइंट्स हैं, जहां भारतीय सेना 2020 से पहले तक बिना किसी रोक टोक के पेट्रोलिंग करती थी। आज रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण देपसांग और डेमचोक जैसे क्षेत्र भी भारतीय सैनिकों की पहुंच से दूर हैं। जयराम रमेश ने कहा, राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति मोदी सरकार का संवेदनहीन रवैया, जिसे वह केवल चुनावी लाभ के चश्मे से देखती है, पूर्व सेना प्रमुख एम नवरणे की पुस्तक में हुए खुलासे में भी सामने आया था।

प्राण प्रतिष्ठा करने से पीएम मोदी को ही नुकसान होगा: मणिशंकर अय्यर

कोझिकोड, 13 जनवरी। कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने अपने एक बयान में कहा है कि राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा खुद करने से पीएम मोदी को ही नुकसान होगा। दरअसल शंकराचार्यों की कथित नाराजगी को लेकर मणिशंकर अय्यर ने यह बात कही। मणिशंकर अय्यर केरल लिटरेचर फेस्टिवल के सातवें संस्करण में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि मोदी द्वारा खुद राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होने और धार्मिक अनुष्ठान करने पर चार शंकराचार्यों ने नाराजगी जताई है। शंकराचार्यों का हिंदू धर्म में बहुत ऊंचा स्थान है। यह सब पीएम मोदी को ही नुकसान पहुंचाएगा। मणिशंकर अय्यर ने कहा कि अधिकतर हिंदुओं ने कभी भी हिंदुत्व के लिए वोट नहीं किया है। यह हमारा चुनाव कराने का तरीका है जो बीते 10 सालों से हिंदुत्ववादी सत्ता में हैं। अय्यर ने कहा कि हिंदू धर्म भारत का सबसे प्राचीन धर्म है और देश के बहुसंख्यक समाज द्वारा इसका पालन किया जाता है। वहीं हिंदुत्व एक राजनीतिक दर्शन है। दरअसल ऐसा दावा किया जा रहा है कि उत्तराखंड स्थित ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा है कि चारों शंकराचार्य अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे। उनका कहना है कि मंदिर का निर्माण कार्य पूरा होने से पहले ही प्राण प्रतिष्ठा की जा रही है, जो कि शास्त्रों के अनुसार ठीक नहीं है। उन्होंने दावा किया कि पूर्व पीएम राजीव गांधी पर बोफोर्स घोटाले में लगे सभी आरोप झूठे थे और उनका कोई आधार नहीं था। बोफोर्स घोटाले के आरोपों के चलते ही साल 1989 में राजीव गांधी की कांग्रेस सरकार को लोकसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था।

'प्रभु राम तो सबके हैं, भाजपा का कॉपी राइट तो नहीं': कीर्ति आजा

कौमी संवाददाता

दरभंगा, 13 जनवरी। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता व पूर्व सांसद कीर्ति झा आजाद ने दरभंगा स्थित आवास पर कहा कि राम मंदिर और भगवान राम किसी एक व्यक्ति के तो नहीं है, वे सबके लिए हैं। यह कोई जरूरी नहीं कि सभी आदमी 22 जनवरी को ही अयोध्या जाएं। यह लोगों कहना गलत है कि अगर 22 जनवरी को जो लोग अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में नहीं जाएंगे, वे सनातन धर्म के विरोधी हो जाएंगे। पूर्व सांसद कीर्ति झा आजाद ने कहा कि जिस दिन सुप्रीम कोर्ट का आदेश मंदिर के पक्ष में आया था, तब बड़ी प्रसन्नता हुई थी। सभी जानते हैं कि हम लोग मिथिला से आते हैं, यह माता सीता की जन्म स्थली है और प्रभु श्री राम का ससुराल है। इससे बढ़कर हमारे लिए और प्रसन्नता की बात क्या होगी कि भगवान राम का भव्य मंदिर बनकर तैयार हुआ है। उसमें भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा की जा रही है। तृणमूल नेता ने कहा कि जरूरी नहीं कि हम

22 तारीख को ही वहां जाएं। अगर हम 22 जनवरी को अयोध्या नहीं जाएंगे तो सनातन धर्म के हम विरोधी कहलाएंगे, ये तो लोगों का कहना गलत है। अभी तो दो शंकराचार्य ने भी कहा कि अभी मंदिर पूरा बना नहीं है, अधूरा है। उन लोगों ने भी आने से इनकार कर दिया है तो क्या वे सभी सनातन विरोधी हैं, ऐसा नहीं है। इसे राजनीतिक रंग नहीं देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब राम मंदिर पूरी तरह से तैयार हो जाएगा, मां सीता की तरफ से यहां से हम लोग लाखों की संख्या में अयोध्या जाएंगे और प्रभु श्री राम के दर्शन करेंगे।

भारत की संप्रभुता और अखंडता का उल्लंघन

नई दिल्ली, 13 जनवरी। इस्लामाबाद में ब्रिटेन की उच्चायुक्त जेन मैरियट ने विदेश कार्यालय के एक अधिकारी के साथ हाल ही में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर का दौरा किया। इस पर शनिवार को भारत ने कड़ी आपत्ति जताई। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि उसने इस मामले पर नई दिल्ली में ब्रिटिश उच्चायुक्त के सामने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। एमईए ने एक बयान में कहा, भारत ने बुधवार को पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में एक अधिकारी के साथ ब्रिटेन की उच्चायुक्त की अत्यधिक आपत्तिजनक यात्रा को गंभीरता से लिया है। भारत की संप्रभुता और अखंडता के उल्लंघन को स्वीकार नहीं किया जा सकता। मंत्रालय ने बताया कि विदेश सचिव ने इस पर भारत में ब्रिटेन के उच्चायुक्त के सामने कड़ा विरोध जताया है। मंत्रालय ने आगे कहा, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत का अभिन्न हिस्सा रहे हैं और हमेशा रहेंगे। इसी तरह, पिछले साल अक्तूबर में इस्लामाबाद में अमेरिकी राजदूत डोनाल्ड ब्लूम ने भी पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर का दौरा किया था।

सीएम मोहन यादव की सुरक्षा में बड़ी चूक

शहडोल, 13 जनवरी। सीएम डॉक्टर मोहन यादव के शहडोल पहुंचने से पहले उनकी सुरक्षा में एक बड़ी चूक का मामला सामने आया है। एक पीटीएस जवान शराब पीकर नशे की हालत में सुरक्षा जवानों के बीच तैनात था। वह दोपहर 12 बजे के आसपास उस प्वाइंट के पास खड़ा था, जहां से सीएम मोहन यादव को पॉलिटेक्निक मैदान में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रवेश करना था। बताया जा रहा है कि जिस गेट से सीएम यादव को प्रवेश करना था, उसी गेट से सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देने वाली लड़कियां प्रवेश कर रही थीं। उसी दौरान वह नशे की हालत में उनके बीच घुस गया और बात करने लगा। जब मीडियाकर्मियों ने पूछा की उक्त अज्ञात पुलिसकर्मी नशे की हालत में कैसे लड़कियों से बात कर रहा है, तभी वह भागने लगा। बड़ी बात ये थी कि अधिकारियों और पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में वह निकलकर भागने लगा, लेकिन किसी भी पुलिसकर्मी ने उसे नहीं पकड़ा। इधर, गेट के प्रभारी टीआई रघुवंशी ने बताया कि वह कौन था, उसकी हमें जानकारी नहीं है। मेरी टीम में 9 लोग हैं, उनमें वो शामिल नहीं है। उन्होंने कहा कि वह कौन था उसका पता लगवाते हैं। बताया जा रहा है कि उक्त व्यक्ति पुलिस प्रशिक्षण शाला पीटीएस उमरिया में पदस्थ आरक्षक सुभाष परस्ते है। जिसके मानसिक रूप से कुछ कमजोर होने की बात प्रारंभिक तौर पर पता चली है। फिलहाल इस बात की पुष्टि शहडोल पुलिस अभी नहीं करती है। मामले से संबंधित विस्तृत जानकारियां एकत्रित की जा रही हैं। फिलहाल उसे निलंबित कर दिया गया है।

भारत-चीन संबंध सामान्य नहीं: विदेश मंत्री जयशंकर

सौरभ शर्मा

नागपुर, 13 जनवरी। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने महाराष्ट्र के नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में दावा किया कि दुनिया में कोई भी बड़ा मुद्दा भारत के साथ परामर्श के बिना तय नहीं किया जाता है। उन्होंने कहा कि अब हम बदल गए हैं और हमारे प्रति दुनिया का नजरिया भी बदल गया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) से जुड़े बिंदु पर विदेश मंत्री ने कहा, संयुक्त राष्ट्र की इस इकाई में भारत की जरूरत पूरी दुनिया महसूस कर रही है। जयशंकर ने भारत और चीन के संबंधों पर भी जवाब दिया। नौवीं कक्षा के बच्चे भार्गव देशपांडे के सवाल पर कहा, उन्होंने अपने चीनी समकक्ष को समझाया है कि जब तक आप सीमा से जुड़े मुद्दे का कोई समाधान नहीं निकाल लेते, अगर सेनाएं आमने-सामने रहेंगी और तनाव रहेगा, तो आपको यह उम्मीद नहीं करनी चाहिए कि बाकी रिश्ते, मसलन बिजनेस और दूसरी चीजें सामान्य तरीके से चलेंगी। उन्होंने गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प का भी जिक्र किया। विदेश मंत्री ने कहा कि पिछले तीन साल से दोनों देशों के संबंध सामान्य नहीं हैं। तनाव बना हुआ है। इस बात को स्वीकार करने में उन्हे कोई हिचक नहीं है। उन्होंने कहा कि दोनों देश इस बात को जानते हैं कि सीमावर्ती इलाकों

में शांति और सामान्य हालात बनाए रखने में पड़ोसी देश की भूमिका अहम होती है। उन्होंने कहा कि सालों से बेहद स्पष्ट समझौतों का पालन किया जाता रहा है। हालांकि, 1962 के युद्ध के बाद कई वर्षों तक तनाव बना रहा। 14 साल बाद भारत ने बीजिंग में राजदूत भेजा। 1962 की लड़ाई के 26 साल बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री- राजीव गांधी चीन दौरे पर पहुंचे। बकौल जयशंकर, भारत और चीन के बीच सैन्य गतिविधियों पर भी समझौते हुए हैं। 2020 में चीन ने इसका उल्लंघन किया। गलवान में कोरोना महामारी के बावजूद बड़ी संख्या में सैनिकों को तैनात किया। उस समय से दोनों देशों की सेनाएं आमने-सामने हैं। बकौल जयशंकर, भारत ने समझौते का उल्लंघन नहीं किया है, लेकिन अपनी सुरक्षा के लिए पर्याप्त तैनाती करनी ही होगी। कूटनीतिक स्तर पर मंथन का दौर जारी है। कई बार जल्दबाजी में समाधान नहीं किए जा सकते। हालात सामान्य बनाने की कोशिशें जारी हैं। ह्रस्ट में भारत के लिए स्थायी सीट के सवाल पर विदेश मंत्री ने कहा कि हर गुजरते साल के साथ दुनिया को लगता है कि भारत को भी यूएनएससी का स्थायी सदस्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे विदेश मंत्री की हैसियत से दुनियाभर से मिल रहे इस समर्थन को महसूस कर सकते हैं। नागपुर में सार्वजनिक चर्चा सरीखे मंच- टाउनहॉल मंथन में विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि कई बार ऐसा होता है जब दुनिया आपको इतनी आसानी से कोई चीज नहीं देती है. कभी-कभी आपको इसके लिए लड़ना भी पड़ता है।

दिव्या पाहुजा का शव हरियाणा के इस शहर की नहर में मिला

गुरुग्राम, 13 जनवरी। मॉडल दिव्या पाहुजा हत्याकांड में दिव्या पाहुजा का शव हरियाणा के फतेहाबाद जिले के टोहाना इलाके की नहर में कूदनी हेड में फंसा मिला है। पीठ पर बने टैटू से दिव्या पाहुजा की बहन नैना पाहुजा ने शव की पहचान की है। गुरुग्राम पुलिस के डीसीपी क्राइम विजय कुमार ने इसकी पुष्टि की है। पुलिस के अनुसार, आरोपी बलराज गिल की निशानदेही पर ही डिस्ट्रीब्यूटर के पास पानी बंद होने पर सफलता मिली है। यह नहर पंजाब के भाखड़ा से निकलती है। पुलिस शव का डीएनए टेस्ट करा सकती है। आपको बता दें कि एनडीआरएफ का 25 सदस्यीय दल दिव्या की लाश की तलाश करने के लिए पटियाला पहुंचा था। गुरुग्राम और पंजाब पुलिस के साथ मिलकर एनडीआरएफ की टीम पटियाला से खनौरी बॉर्डर तक नहर में लाश की तलाश में जुटी थी, लेकिन दिव्या पाहुजा का शव हरियाणा के फतेहबाद जिले के टोहाना के कूदनी हेड में मिला है। नहर से लाश निकालने के बाद उसकी तस्वीरें पुलिस ने दिव्या के परिवार के पास भेजी थी। तस्वीर देखकर दिव्या की बहन ने शव की शिनाख्त की। इससे पहले, मुख्य आरोपी अभिजीत के साथी बलराज गिल को गुरुवार को पश्चिम बंगाल के एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया था। बलराज गिल देश छोड़कर बैंकॉक जाने की फिराक में था। दो जनवरी को गुरुग्राम के द सिटी पॉइंट होटल के रूम नंबर 111 में मॉडल दिव्या पाहुजा की गोली मारकर मर्डर किया गया था। होटल के मालिक अभिजीत सिंह ने इस वारदात को अंजाम दिया था। आरोपी अभिजीत ने दिव्या पाहुजा की हत्या करने के बाद होटल में साफ-सफाई और रिसेप्शन का काम करने वाले हेमराज व ओम प्रकाश के साथ मिलकर उसके शव को अपनी बीएमडब्ल्यू कार में रखवाया। इस काम को करने के लिए आरोपी ने दोनों कर्मचारियों को करीब 10 लाख रुपये देने का लालच दिया था। इसके बाद आरोपी अभिजीत ने अपने दो अन्य साथियों बलराज गिल और रवि बंगा को बुलाया और शव को ठिकाने लगाने के लिए अपनी कार उनको दे दी थी। मामले में पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार बलराज गिल से पूछताछ के बाद हरियाणा पुलिस को दिव्या का शव मिला। बलराज ने बताया था कि उसने दिव्या का शव हरियाणा के टोहाना नहर में फेंका था।

किसानों और महिलाओं के लिए अंतरिम बजट में हो सकता है बड़ा एलान

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 13 जनवरी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का अंतिम बजट 1 फरवरी 2024 को लोकसभा में पेश करेंगी। वित्त मंत्री सीतारमण इस बार छठवीं बार बजट पेश करेंगी। हालांकि इस साल आम चुनाव होने हैं इस लिए इस बार वित्त मंत्री की ओर से पेश किया जाने वाला बजट एक अंतरिम बजट होगा। आम चुनावों के बाद जब नई सरकार का गठन होगा, उसके बाद फिर से पूर्ण बजट पेश किया जाएगा। जानकारों का मानना है कि इस बार के अंतरिम बजट के जरिए सरकार अगले वित्त वर्ष में किए जाने वाले विकास का खाका पेश कर सकती है, ऐसे में देश के हर वर्ग के लोगों को बजट से काफी उम्मीदें हैं। इनमें गरीब, युवा, किसान, महिलाएं, कारोबारी और नौकरीपेशा तबका भी शामिल है। आर्थिक मामलों के जानकारों का मानना है कि इस साल होने वाले आम चुनावों को देखते हुए अंतरिम बजट 2024 किसानों और महिलाओं के लिए बहुत खास हो सकता है। उनके लिए इस बार के बजट में सरकार की ओर से अहम एलान किए जा सकते हैं। आइए जानते हैं उन अहम बदलावों के बारे में जिनका एलान मोदी सरकार अंतरिम बजट के दौरान कर सकती है। कृषि क्षेत्र के जानकारों का मानना है कि इस बार के बजट में सरकार किसान सम्मान निधि की राशि में बढ़ोतरी का एलान कर सकती है। किसान सम्मान निधि को वर्तमान के 6000 रुपये से बढ़ाकर 8000 से 9000 तक किया जा सकता है। इस बार के बजट में सरकार नेशनल पेंशन स्कीम यानी एनपीएस को आकर्षक बनाने का एलान कर सकती है। इस बार के अंतरिम बजट में सरकार का फोकस आम लोगों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को बढ़ावा देने पर हो सकता है। साल 2024 के अंतरिम बजट में मोदी सरकार किसानों के फसल के साथ-साथ स्वास्थ्य और

जीवन बीमा योजनाओं का भी प्रस्ताव ला सकती है। इस बार के अंतरिम बजट में महिलाओं के लिए भी बजट का आकार बढ़ाया जा सकता है। पिछले 10 वर्षों में महिलाओं से जुड़ी योजनाओं पर बजट खर्ज का दायरा 30त्न तक बढ़ा है। इस बार के अंतरिम बजट में सरकार डायरेक्ट कैश ट्रांसफर जैसी योजना का एलान कर सकती है। महिलाओं की कौशल विकास योजना का भी एलान किया जा सकता है। संभव है कि महिला किसानों के लिए सम्मान निधि के रूप में सालाना 12 हजार रुपये तक की राशि देने का एलान किया जाए। मनरेगा के लिए महिलाओं को विशेष आरक्षण और अधिक मानदेय देने की भी उम्मीद है। इसके लिए महिलाओं को ब्याज रहित लोन देने का भी प्रस्ताव लाया जा सकता है। सरकार अंतरिम बजट से पहले 31 जनवरी को आर्थिक सर्वेक्षण पेश कर सकती है। इस बार संसद का बजट सत्र 31 जनवरी से शुरू होगा और 9 फरवरी तक चलेगा। 31 जनवरी को राष्ट्रपति का अभिभाषण होना है। इस दिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू संसद के दोनों सदनों को संयुक्त रूप से संबोधित करेंगी। राष्ट्रपति के संबोधन के बाद इसी दिन आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट भी पेश किया जाएगा। आर्थिक सर्वे सरकार का वह लेखा-जोखा होता है जिसमें देश के पिछले एक साल के हिसाब-किताब के आधार पर अगले साल का बजट तैयार करने की रूपरेखा बनाई जाती है। आर्थिक सर्वे से यह पता चलता है कि पिछले एक साल से अंदर देश की अर्थव्यवस्था ने कैसा प्रदर्शन किया। आर्थिक मोर्चों पर नफा या नुकसान हुआ इसका पता भी आर्थिक सर्वेक्षण से ही चलता है।

जापान ने उत्तर कोरिया पर नजर रखने के लिए रॉकेट एच2ए लॉन्च किया

टोक्यो। जापान ने उत्तर कोरिया की सैन्य गतिविधियों पर नजर रखने और प्राकृतिक आपदाओं पर प्रतिक्रिया में सुधार करने के अपने मिशन पर सरकारी खुफिया जानकारी एकत्र करने वाले उपग्रह को ले जाने वाला एक रॉकेट एच2ए लॉन्च किया। यह जानकारी स्थानीय समाचार पत्र जापान टुडे की रिपोर्ट में दी गई। जापान टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, इसका प्रक्षेपण मित्सुबिशी हैवी इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने किया। यह टोक्यो के टोही प्रयास के हिस्से के रूप में ऑप्टिकल कोगाकु-8 उपग्रह को लेकर दक्षिण-पश्चिमी जापान के तनेगाशिमा अंतरिक्ष केंद्र से रवाना हुआ। यह उपग्रह खराब मौसम में भी तस्वीरें खींच सकता है। 1988 में उत्तर कोरियाई मिसाइल के जापान के ऊपर से उड़ान भरने के बाद जापान ने खुफिया जानकारी एकत्र करने वाला उपग्रह कार्यक्रम शुरू किया था। इसका लक्ष्य संभावित मिसाइल प्रक्षेपणों का पता लगाने और प्रारंभिक चेतावनी देने के लिए 10 उपग्रहों का एक नेटवर्क स्थापित करना है। जापान टुडे के अनुसार यह प्रक्षेपण अगर उपग्रह को उसकी इच्छित कक्षा में स्थापित कर देता है तो यह इस संशोधन के लिए 42वां सफल प्रक्षेपण होगा। इससे एच2ए की सफलता दर 97.9 प्रतिशत हो जाएगी।

ताइवान की राष्ट्रपति साई-इंग-वेन ने डाला वोट, जनता से की ये अपील

ताल्लिन। ताइवान में अगले राष्ट्रपति के चुनाव के लिए मतदान शुरू हो गया। कुल एक करोड़ 90 लाख लोग इस मतदान में हिस्सा ले रहे हैं। इनमें 10 लाख मतदाता पहली बार वोटिंग प्रक्रिया का हिस्सा बनेंगे। यह वोटिंग कुल 18,000 मतदान केंद्रों में आयोजित कराई गई है। ताइवान की राष्ट्रपति साई-इंग-वेन ने शनिवार को लोगों से मतदान करने की अपील की। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी की नेता न्यू ताइपे सिटी के मतदान केंद्र शियुलांग एलिमेंटरी स्कूल में अपना वोट दिया। उप-राष्ट्रपति उम्मीदवार साओ बी खिम भी वहां मौजूद थे। साई-इंग-वेन ने कहा, 'लोकतांत्रिक देश के नागरिक एक वोट से देश का भविष्य तय कर सकते हैं।' उन्होंने लोगों से पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करने के लिए आवश्यक दस्तावेजों को साथ लाने का भी अनुरोध किया है। चीन के साथ बढ़ते तनाव के बीच ताइवान में राष्ट्रपति चुनाव हो रहे हैं। पूरी दुनिया की नजर फिलहाल इस चुनाव पर टिकी हुई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पिछले आठ वर्षों में ताइपे पर चीन के हमले की धमकियों ने ताइवान की चिंता बढ़ा दी है। राष्ट्रपति चुनाव में 40 से 49 उम्र के बीच करीब तीन लाख 88 हजार मतदाता वोट देंगे। वहीं 50-59 उम्र के बीच करीब तीन लाख 53 हजार लोग वोट डालने के लिए तैयार हैं। इस बार 20 से 29 उम्र के बीच करीब दो लाख 84 हजार मतदाता अपना वोट डालेंगे।

सोमालिया की तट से अमेरिकी नौसेना के दो नाविक लापता, तलाशी अभियान जारी

सोमालिया। सोमालिया की तट पर शाम को ऑपरेशन के दौरान अमेरिकी नौसेना के दो नाविक लापता हो गए। अमेरिकी सेना ने एक बयान जारी करते हुए इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नाविकों को ढूंढने के लिए तलाशी अभियान चलाया गया। यूएस सेंट्रल कमांड ने कहा, 'इन नाविकों की अमेरिकी नौसेना के पांचवें बेड़े में तैनाती हुई थी, जिसके तहत सैनिकों को कई अभियानों को अंजाम देना होता है।' बयान में यह भी कहा गया कि जब तक तलाशी अभियान पूरा नहीं हो जाता, तब तक अतिरिक्त जानकारी नहीं दी जाएगी। सोमालिया के तट से ही हाइजैक हुआ था जहाज, क्रू में 15 भारतीय भी थे बता दें कि हाल ही में सोमालिया की तट से ही एक जहाज को हाइजैक कर लिया गया था। इस जहाज में 15 भारतीय नागरिक शामिल थे। झंडे पर लाइबेरिया का झंडा लगा था। जब यह जहाज अरब सागर से गुजर रहा था, तब 5-6 हथियारबंद अज्ञात लोग जहाज पर चढ़े और जहाज को अगवा करने का प्रयास करने लगे। घटना की जानकारी पाकर भारतीय नौसेना ने अपने युद्धक जहाज आईएनएस चेन्नई को रवाना किया था। सोमालिया हॉर्न ऑफ अफ्रीका पर स्थित है, जिसके एक तरफ भारतीय महासागर और दूसरी तरफ अदन की खाड़ी है।

चीन में कोयला खदान में विस्फोट, आठ की मौत

बीजिंग। चीन में हेनान प्रांत के पिंगडिंगशान की एक कोयला खदान मे अपराह्न करीब तीन बजे हुए विस्फोट में आठ लोगों की मौत हो गई। इस दौरान आठ अन्य व्यक्ति लापता हो गए। स्थानीय समाचार पत्र चाइना डेली की रिपोर्ट के अनुसार स्थानीय अधिकारियों ने हादसे की पुष्टि की है।

चाइना डेली की रिपोर्ट के अनुसार, विस्फोट के वक्त कोयला खदान में 425 लोग मौजूद थे। इनमें से आठ की मौत हो गई और आठ लापता हो गए। बाकी सभी लोग सुरक्षित हैं। यह

विस्फोट तियानान कोल माइनिंग कंपनी लिमिटेड की कोयला खदान में हुआ है। कोयला खदान के कुछ कर्मचारियों को सार्वजनिक सुरक्षा अधिकारियों ने हिरासत में लिया है।

यमन में हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर हमले आत्मरक्षा के लिए किये गये : सुनक

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा कि यमन में हूती विद्रोहियों के ठिकानों के खिलाफ अमेरिका के साथ संयुक्त हवाई हमला आत्मरक्षा के लिए आवश्यक था। लाल सागर में नवंबर 2023 से अंतरराष्ट्रीय जहाजों को निशाना बना रहे हूती के खिलाफ अमेरिका के नेतृत्व वाला यह पहला हमला है। सुनक ने ईरान समर्थित समूह पर ब्रिटेन के जहाजों को धमकी देने का आरोप लगाया। अमेरिकी वायुसेना ने कहा कि यमन में हूती द्वारा इस्तेमाल किए गए 16 स्थानों पर 60 से अधिक ठिकानों पर हमला किया गया। सुनक ने कहा, अंतरराष्ट्रीय समुदाय की बार-बार चेतावनियों के बावजूद, हूती ने लाल सागर में हमले जारी रखा है, जिसमें इस सप्ताह ब्रिटेन और अमेरिकी युद्धपोतों पर हमले भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, इसे सहन नहीं किया जा सकता। ब्रिटेन नौ-परिवहन की स्वतंत्रता और मुक्त व्यापार के लिए हमेशा खड़ा रहेगा। हमने आत्मरक्षा के लिए कार्रवाई की है।

ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय (एमओडी) ने कहा कि हूती पर दो हमले किये गये और हमलों के विस्तृत परिणामों का आकलन किया जा रहा है। ब्रिटेन, अमेरिका, बहरीन, कनाडा, डेनमार्क, जर्मनी, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड और कोरिया गणराज्य की सरकारों के एक संयुक्त बयान में दोहराया गया कि कड़ी चेतावनियों के बावजूद, अमेरिका और ब्रिटेन के जहाजों सहित लाल सागर में जहाजों के खिलाफ कई मिसाइल और एकतरफा हमले जारी थे। इसमें कहा गया है कि इन हमलों का उद्देश्य वैश्विक व्यापार और दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण जलमार्गों में से एक में अंतरराष्ट्रीय नाविकों के जीवन को खतरे में डालने के लिए हूती द्वारा इस्तेमाल किये जाने वाले ठिकानों को नष्ट करना था। हूती अधिकारियों ने जवाबी प्रतिक्रिया में ब्रिटेन और अमेरिका को चेतावनी दी है कि उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

बांग्लादेश में आग से झुलसी महिला और बच्चे की मौत, ठंड का कहर

16 बच्चों ने अस्पताल में दम तोड़ा

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी में आज तड़के एक झुग्गी बस्ती में आग लगने से झुलसी एक महिला और एक बच्चे की मौत हो गई। इस दौरान ठंड भी कहर बरपा रही है। पिछले छह दिनों में एक अस्पताल में भर्ती तीन सौ से ज्यादा बच्चों में से 16 ने दम तोड़ दिया।

स्थानीय समाचार पत्र द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, राजधानी ढाका के कारवां बाजार में आज तड़के एक झुग्गी बस्ती में आग लगने से एक महिला और एक बच्चे की मौत हो गई और कई अन्य झुलस गए। मृतकों की पहचान तत्काल नहीं हो सकी है।

फायर सर्विस और सिविल डिफेंस के मीडिया सेल के गोदाम निरीक्षक अनवारुल इस्लाम ने कहा, आग फिल्म विकास निगम (एफडीसी) के पास मोल्लाबारी झुग्गी में लगभग 2:23 बजे लगी। सूचना पर 13 दमकल गाड़ियों ने सुबह करीब 5:50 बजे आग पर काबू पा लिया। बाद में दमकलकर्मियों ने दो शव बरामद किए।

इस दौरान कम से कम 300 झोपड़ियां जल गईं। ढाका ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, रंगपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में पिछले छह दिनों में शनिवार तक ठंड संबंधित बीमारियों से कम से कम 16 बच्चों की मौत हो गई है। इसके अलावा 300 से ज्यादा बच्चे अभी भी यहां भर्ती हैं।

गाजा में मरने वाले फलस्तीनियों की संख्या 24 हजार हुई

यरुशलम। इजराइली सेना की गाजा में ताजा हमले में काफी संख्या में हमास लड़ाकों के मारे जाने की सूचना है। इजराइली सेना ने कहा है कि खान यूनिस में हवाई हमले में हमास के नुखबा फोर्स का कमांडर मारा गया है। यह कमांडर इजराइली शहरों पर सात अक्टूबर को

हुए हमले में शामिल था। इन हमलों के साथ गाजा में मरने वालों की कुल संख्या 24 हजार तक पहुंच गई जबकि 60 हजार से ज्यादा घायल हुए हैं। गाजा के मध्य और दक्षिण भाग में चल रही इजराइली कार्रवाई में बड़ी संख्या में हमास लड़ाके मारे जा रहे हैं। मेघाजी में इजराइली सैनिकों की कार्रवाई में 20 लड़ाके मारे गए हैं। इनमें तीन लड़ाकों को सैनिकों ने आमने-सामने की लड़ाई में मारा।

अमेरिका ने हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर फिर किया हवाई हमला

सना (यमन)। अमेरिकी सेना ने देररात ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के खिलाफ फिर हवाई हमला किया। अमेरिकी सेना ने हूती नियंत्रित यमन में ताबड़तोड़ रॉकेट और मिसाइल दागे। एक दिन पहले अमेरिकी और ब्रिटिश सैनिकों ने ईरान समर्थित इस समूह पर बड़े पैमाने पर हमला शुरू किया था। हूती विद्रोही पिछले कुछ समय से लाल सागर में वाणिज्यिक शिपिंग यातायात पर कहर बरपा रहे थे। द वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी अधिकारियों ने कहा है कि ताजा हमले में हूती की रडार साइट को निशाना बनाया गया। इस साइट को समुद्री यातायात के लिए खतरा माना जाता है। यमन की राजधानी सना में भी एक विस्फोट की आवाज सुनी गई है। हमलों से पहले नौसेना ने जहाजों को लाल सागर में यमन के आसपास के क्षेत्रों से बचने की चेतावनी दी। ताजा हमले

से कुछ घंटे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने चेतावनी दी थी कि हूती को और भी हमलों का सामना करना पड़ सकता है। राष्ट्रपति ने कहा कि हूती को माकूब जवाब दिया जाएगा। द वाशिंगटन पोस्ट के अनुसार, ताजा हमले से पहले अमेरिकी और ब्रिटिश सैनिकों ने 28 अलग-अलग स्थानों पर बमबारी की और 60 से अधिक हूती के ठिकानों को नष्ट कर दिया। पेंटागन में ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल डगलस ए. सिम्स ने कहा कि अमेरिकी और ब्रिटिश युद्धक विमानों ने 30 से 60 मिनट के भीतर हमले किए। इन हमलों में टॉमहॉक मिसाइलों का प्रयोग भी किया गया। सिम्स ने कहा कि यह स्पष्ट नहीं सका है कि हूती के कितने विद्रोही मारे गए।

अमेरिकी वैज्ञानिकों का निष्कर्ष, दवाओं के लिए मारिजुआना पर लगा प्रतिबंध हटा दिया जाना चाहिए

वाशिंगटन। अमेरिका के वैज्ञानिकों का मत है कि दवाओं के लिए मारिजुआना पर लगे प्रतिबंध को हटा देना चाहिए। संघीय वैज्ञानिकों ने निष्कर्ष निकाला है कि मारिजुआना उतना जोखिम भरा नहीं है, जितना आंका गया है। न ही अन्य कड़ाई से नियंत्रित पदार्थों की तरह इसके दुरुपयोग की संभावना है। इन वैज्ञानिकों का निष्कर्ष है कि इसके संभावित चिकित्सीय लाभ हैं। इसलिए देश की दवाओं की सबसे प्रतिबंधात्मक श्रेणी से इस अब बाहर कर देना चाहिए।

रिपोर्ट के अनुसार, टेक्सास के वकील मैथ्यू जोर्न ने मारिजुआना पर लगे प्रतिबंध के संबंध में संघीय स्वास्थ्य अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। मैथ्यू ने मांग की है कि यह प्रतिबंध हटाया जाए। उन्होंने इस संबंध में 250 पेज की रिपोर्ट दाखिल की है। इस रिपोर्ट में

ही मारिजुआना पर किया गया वैज्ञानिक अध्ययन शामिल है। इसका ऑनलाइन प्रकाशित किया। एक एचएचएस अधिकारी ने दस्तावेज की प्रामाणिकता की पुष्टि की है। अखबार के अनुसार, 1970 से अमेरिका में मारिजुआना पर प्रतिबंध लगा हुआ है। इस प्रतिबंध मेंहेरोइन भी शामिल है। यह प्रतिबंध यह कहते हुए लगाया गया था कि इससे निर्मित दवाओं का कोई चिकित्सीय उपयोग नहीं है और इसके दुरुपयोग की अत्यधिक संभावना है। मैथ्यू की रिपोर्ट में खाद्य एवं औषधि प्रशासन और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑन ड्रग एब्यूज के वैज्ञानिकों ने सिफारिश की है कि ड्रग इनफोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन मारिजुआना को केटामाइन और टेस्टोस्टेरोन जैसी दवाओं के साथ अनुसूची तीन में शामिल दवाओं की श्रेणी में शामिल कर दे। उल्लेखनीय है कि मारिजुआना पर अमेरिका बहस चलती रहती है। दिसंबर, 2020 में हाउस ऑफ रिप्रेसेंटेटिव्स ने मारिजुआना (गांजा) को कानून के दायरे से बाहर करने के लिए मतदान किया था।

लंदन के मेयर पद के लिए चुनाव मैदान में उतरेंगे भारतीय मूल के दो कारोबारी

लंदन। लंदन के मेयर पद के लिए भारतीय मूल के दो प्रत्याशी मैदान में उतर रहे हैं। दो मई को होने वाले चुनाव के लिए भारतीय मूल के दो कारोबारी निवर्तमान मेयर सादिक खान को चुनौती देने के लिए स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में उतर गए हैं। व्यवसायी तरुण गुलाटी (63) ने पिछले साल के अंत में भारत की यात्रा के दौरान अपना मेयर पद का चुनावी अभियान शुरू किया था वहीं, 62 वर्षीय उद्यमी श्याम भाटिया के चुनाव में ताल ठोंकने से लगभग एक दर्जन उम्मीदवार मैदान में हैं।

गुलाटी का चुनावी नारा ''विश्वास और विकास'' है, जबकि बत्रा ने ''आशा के दूत'' का नारा दिया है। गुलाटी ने से कहा, ऐसी धारणा बढ़ रही है कि मौजूदा सत्ताधारी ने समर्थन खो दिया है और पार्टी के एक अन्य प्रमुख दावेदार से भी मतदाता बहुत खुश नहीं हैं। उन्होंने कहा, मैं लंदन का अगला मेयर बनने के लिए एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में खड़ा हूं क्योंकि मैं पार्टी विचारधारा और पूर्वाग्रह के बिना विचारों और नीतियों के मुक्त प्रवाह को प्रोत्साहित करना चाहता हूं। मैं लोगों के विचार जान रहा हूं और उसके अनुसार निर्णय लेने की प्रक्रिया में जहां

भी संभव होगा, लोगों को शामिल करने के लिए काम करूंगा।'' भारत में अपना मेयर पद का अभियान शुरू करने के फैसले के बारे में पूछे जाने पर गुलाटी ने कहा, ''भारत मेरी जन्मभूमि है, जहां मेरा जन्म हुआ और लंदन मेरी कर्मभूमि है, जहां मैं काम करता हूं। मेरे लिए बड़ों, माता-पिता, परिवार और शुभचिंतकों का आशीर्वाद पाना बहुत महत्वपूर्ण था। इसीलिए मैंने लंदन के मेयर पद के लिए अपना अभियान भारत में शुरू करने का फैसला किया। बत्रा ने कहा, ''मैं शहर के मौजूदा हालात से काफी चिंतित हूं। यह देखकर मुझे दुख होता है कि निष्क्रिय नीतियों से निवासियों को प्रताड़ित किया जा रहा है। मैं बेहतर के लिए काम करना चाहता हूं।

अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में इजराइल ने फलस्तीनियों के नरसंहार के आरोपों को नकारा

द हेग। इजराइल ने संयुक्त राष्ट्र के न्यायालय में फलस्तीनियों का नरसंहार करने के आरोपों को नकारते हुए कहा कि गाजा में युद्ध देशवासियों की न्यायसंगत रक्षा करने के लिए लड़ा जा रहा है। इसके साथ इजराइल ने यह भी कहा कि हमास आतंकी नरसंहार के दोषी हैं।

इजराइल ने दक्षिण अफ्रीका द्वारा लगाए गए आरोपों को पाखंडपूर्ण बताया और कहा कि अंतरराष्ट्रीय अदालत के सामने आए आये इस मामले ने बदली हुई दुनिया को प्रदर्शित किया है। इजराइली नेताओं ने हमास के 7 अक्टूबर के हमले के न्यायसंगत जवाब के रूप में गाजा में किये गए अपने हवाई और जमीनी हमले का बचाव किया। इजराइल

पर हमास आतंकियों के हमले में लगभग 1,200 लोग मारे गए थे और लगभग 250 को बंधक बना लिया गया। इजराइली कानूनी सलाहकार ताल बेकर ने हेग के पैलेस ऑफ पीस के खचाखच भरे सभागार में कहा कि देश एक ऐसा युद्ध लड़ रहा है, जिसे उसने शुरू नहीं किया था और न ही चाहता था। उन्होंने कहा, इन परिस्थितियों में, इजराइल के खिलाफ नरसंहार के आरोप से अधिक झूठा और अधिक द्वेषपूर्ण आरोप शायद ही कोई हो सकता है। दक्षिण अफ्रीका के वकीलों ने एक दिन पहले, अदालत से 23 लाख की आबादी वाले तटीय क्षेत्र गाजा पट्टी में इजराइल के सैन्य अभियानों को तत्काल रोकने का आदेश जारी करने का अनुरोध किया था।

राम मंदिर उद्घाटन के दिन मॉरीशस में विशेष छुट्टी, हिंदू कर्मियों को उत्सव मनाने की मंजूरी

मॉरीशस। अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर के उद्घाटन को लेकर दुनियाभर में उत्साह है। इस बीच, मॉरीशस सरकार ने हिंदू सरकारी कर्मचारियों के लिए 22 जनवरी को दो घंटे की विशेष छुट्टी देने की घोषणा की है। इस फैसले से मॉरीशस में हिंदू सरकारी कर्मचारी 22 जनवरी को रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के साक्षी बन सकेंगे। यह विशेष छुट्टी दोपहर दो बजे से दो घंटे तक रहेगी। मॉरीशस में 48.5त्न आबादी हिंदू है। मॉरीशस के पीएम प्रविंद जुगनाथ ने कहा कि यह भावनाओं और परंपराओं के सम्मान का छोटा सा प्रयास है।प्रधानमंत्री प्रविंद जुगनाथ के नेतृत्व में मॉरीशस कैबिनेट ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि भारत के अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन को देते हुए कैबिनेट ने सोमवार 22 जनवरी 2024 को दोपहर दो बजे से दो घंटे की विशेष छुट्टी देने पर सहमति जताई है। यह एक ऐतिहासिक घटना है, क्योंकि यह अयोध्या में भगवान राम की वापसी की तरह है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 जनवरी को अयोध्या में नवनिर्मित भव्य राम मंदिर के गर्भगृह में रामलला की मूर्ति की स्थापना में शामिल होंगे। राम मंदिर के उद्घाटन समारोह के लिए सभी क्षेत्रों के कई नेताओं और हस्तियों को आमंत्रित किया गया है। प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में 50 से अधिक देशों के गणमान्य व्यक्तियों के भी शामिल होने की उम्मीद है।

कांची के शंकराचार्य विजयेंद्र ने प्राण प्रतिष्ठा का किया समर्थन

कांची कामकोटि मठ के शंकराचार्य विजयेंद्र सरस्वती ने कहा कि भगवान राम के आशीर्वाद से ही प्राण प्रतिष्ठा समारोह होने जा रहा है। इस दौरान यज्ञशाला का पूजन होगा। काशी के 100 से अधिक विद्वान यज्ञशाला के पूजन और हवन का कार्य शुरू करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि पीएम भारत के तीर्थस्थलों के विकास पर विशेष भरोसा रखते हैं। पीएम ने केदारनाथ और काशी विश्वनाथ मंदिरों के परिसरों को भी भव्य आकार रूप दिया है।

नामचीन शख्सियतों के साथ 300 श्रमिक व भिक्षुक होंगे मेहमान

रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में समाज के हर विशिष्ट व सामान्य वर्ग का प्रतिनिधित्व होगा। सात हजार से कुछ अधिक मेहमानों में चार हजार धर्माचार्यों के अलावा तीन हजार से अधिक गृहस्थ विभिन्न श्रेणियों में वर्गीकृत किए गए हैं। बड़ी संख्या में नामचीन शख्सियतों के साथ ही मंदिर के सृजन में सहभागी 300 श्रमिक व दान देने वाले भिक्षुक भी अतिथि के तौर पर मौजूद रहेंगे।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

दिल्ली पुलिस के एएसआई ने रात की ड्यूटी के दौरान खुद को गोली मारकर दी जान

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के एक ऑन ड्यूटी सहायक उप-निरीक्षक (एएसआई) ने दक्षिण दिल्ली में अपनी सर्विस रिवॉल्वर से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। मृतक की पहचान हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के मूल निवासी रामअवतार के रूप में हुई है, जो 1993 में दिल्ली पुलिस में शामिल हुए थे।

पुलिस के मुताबिक, शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात को एएसआई रामअवतार सब-इंस्पेक्टर प्रेम सिंह के साथ बी.पी. मार्ग पर नाइट पिकेट ड्यूटी पर तैनात थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, 'लगभग तीन बजे, रामअवतार ने अपने साथी सब इंस्पेक्टर को 10 मिनट के लिए आराम करने के लिए कहा और अपनी कार में बैठने चले गए, जो बैरिकेड के पास खड़ी थी।' अधिकारी ने कहा, 'जब एसआई प्रेम कुछ देर बाद उसे देखने गए, तो उन्होंने पाया कि एएसआई रामअवतार ने अपनी सर्विस पिस्तौल से खुद को गोली मार ली थी और वह मृत पाए गए।'

भारत में रहने-बसने का दावा नहीं कर सकता विदेशी नागरिक, बांग्लादेशी की याचिका पर दिल्ली HC का बड़ा फैसला

नई दिल्ली। भारत में विदेशी नागरिकों के रहने और बसने को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि भारतीय संविधान किसी विदेशी नागरिक को भारत में निवास करने और बसने के अधिकार का दावा करने की अनुमति नहीं देता है। उसने कहा कि विदेशियों का मौलिक अधिकार जीवन और स्वतंत्रता के अधिकार तक सीमित है। दिल्ली हाईकोर्ट ने उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें दावा किया गया था कि अजल चकमा नामक व्यक्ति की हिरासत अवैध और बिना अधिकार के थी।

भारत में बसने का अधिकार

न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत और न्यायमूर्ति मनोज जैन की पीठ ने कहा कि हम यह भी संज्ञान में ले सकते हैं कि विदेशी नागरिक यह दावा नहीं कर सकता कि उसे भारत के संविधान के अनुच्छेद 19 (1) (ई) के अनुसार भारत में निवास करने और बसने का अधिकार है।

जीवन और स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार

उन्होंने कहा कि ऐसे किसी भी विदेशी या संदिग्ध विदेशी का मौलिक अधिकार भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत घोषित, यानी जीवन और स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार तक ही सीमित है और ऐसा कुछ भी नहीं है जो यह सुझाव दे कि उसकी स्वतंत्रता को अवैध या गैरकानूनी तरीके से कम किया गया है।

अपने दुखों के लिए खुद दोषी

बांग्लादेशी अजल चकमा के मामले में सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने कहा कि अपने दुखों के लिए खुद दोषी हैं क्योंकि वह यह बताने में विफल रहे हैं कि जब वह बांग्लादेशी पासपोर्ट पर देश छोड़कर चले गए थे तो वह भारत वापस कैसे आए।

मोनीश गैंग सरकार का करीबी शूटर आर के पुरम से पकड़ा

नई दिल्ली। तिहाड़ जेल के अंदर से ही मोबाइल फोन से वीडियो बनाकर हरियाणा गाने से मिक्स करके यूटयूब पर अपलोड करने वाले एमजी सरकार गैंग के वांछित बदमाश मुस्ताक उर्फ साहिल को अपराध शाखा ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से दो पिस्टल,पांच कारतूस और स्कूटी बरामद की है। आरोपी आधा दर्जन वारदातों में शामिल रहा है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पिछले साल दिसंबर महीने में 23/24 की रात को मोहन गार्डन के गांधी चौक पर फायरिंग की वारदात हुई थी,जिसमें आरोपी मुस्ताक उर्फ साहिल ने शिकायतकर्ता पर कई राउंड फायरिंग की थी और कई लोगों के साथ मारपीट की थी। वारदात में तीन आरोपी पकड़े गए थे। जबकि मुस्ताक उर्फ साहिल फरार था। एएसआई राम किशन को आरोपी के आर के पुरम में आने की जानकारी मिली थी। डीसीपी अंकित सिंह द्वारा एसीपी नरेश सोलंकी की निगरानी में इंस्पेक्टर गोविंद चौहान के नेतृत्व में एसआई अनुराग त्यागी, एएसआई राम किशन, हेड कांस्टेबल राजीव सहरावत,रवि दत्त और अरविंद को आरोपी को पकडने का जिम्मा सौंपा गया। जिसको मौके पर घेराबंदी करके गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ करने पर पता चला कि उसकी गर्लफ्रेंड द्वारका में इवेंट मैनेजमेंट का बिजनेस चलाती है।

जांच से भाग कर ईडी को कानूनी कार्रवाई का न्योता दे रहे हैं केजरीवाल-वीरेंद्र सचदेवा

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जांच एजेंसी ईडी द्वारा चौथा समन भेजे जाने जाने के बाद उन पर बड़ा हमला बोलते हुए भाजपा ने आरोप लगाया है कि वह हर बार जांच से भागने के लिए बहाना बनाते हैं।

भाजपा ने यह भी कहा है कि हर बार जांच से भाग कर केजरीवाल ईडी को कानूनी कार्रवाई करने का न्योता दे रहे हैं ताकि जांच एजेंसी उनके दरवाजे तक पहुंचे और वो विक्टिम कार्ड खेल सकें। भाजपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल हर बार जांच से भागने के लिए बहाना ढूंढते है, जांच से बचने का रास्ता ढूंढते हैं और अब ईडी का चौथा समन आने के बाद उन्होंने कहा है कि वे गोवा के दौरे पर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केजरीवाल राजनीतिक पर्यटन करेंगे लेकिन जांच से भागेंगे, यह अफसोसजनक है।

सचदेवा ने आरोप लगाया कि केजरीवाल जांच एजेंसी से इसलिए भाग रहे हैं क्योंकि उन्हें मालूम है कि उन्होंने शराब घोटाला किया है, चोरी की है और इसलिए उन्हें जांच एजेंसी के सवालों का जवाब देने से डर लगता है।

लेकिन वह कब तक भागेंगे और अगर चौथे समन के बाद भी केजरीवाल जांच एजेंसी के सामने पेश नहीं होते तो वे स्वयं ईडी को आगे की कानूनी कार्रवाई करने का न्योता दे रहे हैं। वहीं दिल्ली भाजपा की प्रदेश सचिव बांसुरी स्वराज ने भी जांच से बचने के लिए अरविंद केजरीवाल पर अजीब-अजीब से बहाने करने का आरोप लगाते हुए कहा कि अगर वह कट्टर ईमानदार हैं तो फिर जांच से क्यों भाग रहे हैं। स्वराज ने कहा कि केजरीवाल को यह मालूम होना चाहिए कि ईडी के समन पर पेश होना जरूरी होता है और ऐसा नहीं कर वो ईडी को अपने दरवाजे पर आने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं ताकि विक्टिम कार्ड खेल सकें। स्वराज ने कहा कि चौथे समन के बाद अरविंद केजरीवाल को 18 जनवरी को ईडी के सामने जाना ही चाहिए। बताया जा रहा है कि ईडी ने शराब घोटाले के मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को चौथा समन जारी कर उन्हें 18 जनवरी को एजेंसी के सामने पेश होने के लिए कहा है।

नोएडा में किशोरियों को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने वाले 2 गिरफ्तार

नोएडा । थाना फेस -3 पुलिस ने एक किशोरी को बहला-फुसलाकर अगवा करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना फेस- 3 के प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार ने बताया कि 6 जनवरी को एक व्यक्ति ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी नाबालिक बेटी को भारत लाल उर्फ संजू बहला फुसलाकर अगवा कर ले गया है। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही थाना पुलिस ने किशोरी को बरामद कर उसे अगवा करने वाले भारत लाल को गिरफ्तार कर लिया है।

एक अन्य किशोरी को भी बहला-फुसलाकर अगवा करने के मामले में फरार चल रहे आरोपी को थाना सेक्टर 63 पुलिस से आज गिरफ्तार किया है। थाना सेक्टर 63 के प्रभारी निरीक्षक अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि दिसंबर माह में एक 17 वर्षी किशोरी को इमरान पुत्र सलीम बहला-फुसलाकर अगवा कर ले गया था। उन्होंने बताया कि मामले की जांच कर रही थाना सेक्टर 63 पुलिस ने आज इमरान पुत्र सलीम को गिरफ्तार कर लिया है।

इसके अलावा बाल श्रम रोकने के उद्देश्य से आज गौतम बुद्ध नगर

पुलिस के एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग पुलिस, कुछ सामाजिक संस्थाएं, चाइल्डलाइन आदि की टीम ने एक संयुक्त कार्रवाई करते हुए विभिन्न जगहों पर छापेमारी कर 11 बाल श्रमिकों को मुक्त करवाया है। पुलिस सहायक श्रीमती लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि बाल श्रम को रोकने के उद्देश्य पुलिस उपायुक्त महिला सुरक्षा के नेतृत्व में आज बाल श्रम उन्मूलन अभियान चलाया गया, जिसमें 18 वर्ष से कम उम्र के बाल श्रमिकों को अभियान के दौरान बाल श्रम से मुक्त करवाया गया। उन्होंने बताया कि नोएडा के हरौला गांव तथा ओखला पक्षी विहार की फर्नीचर मार्केट में विशेष करके बाल श्रम करते हुए श्रमिक पाए गए। उन्होंने बताया कि बाल श्रम करवाने वालों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। थाना जारचा पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के मामले में वांछित चल रहे एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। थाना जारचा के प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि गैंगस्टर एक्ट के मामले में फरार चल रहे राहुल पुत्र जगदीश निवासी जनपद बुलंदशहर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि यह चोरी की वारदाते करने के लिए कुख्यात है। थाना सेक्टर 63 पुलिस ने गस्त के दौरान एक युवक को गिरफ्तार कर उसके पास से एक किलो 100 ग्राम गांजा बरामद किया है। थाना सेक्टर 63 के प्रभारी निरीक्षक अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी का नाम हिमांशु पासवान पुत्र रमेश निवासी जिला लोहारदगा झारखंड है। उन्होंने बताया कि आरोपी के ऊपर इससे पूर्व पांच मुकदमे दर्ज हैं।

नोएडा में कोहरे का कहर, इस्टर्न पेरीफेरल पर पांच वाहन टकराये, कई घायल

नोएडा। दिल्ली एनसीआर में सर्द हवाओं के साथ चल रहे घने कोहरे के बीच थाना दादरी क्षेत्र के ईस्टर्न पेरीफेरल हाईवे पर आज सुबह को 5 वाहन सीरीज में टकरा गए। इस घटना में कई वाहन चालक घायल हो गए हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराकर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। थाना दादरी के प्रभारी सुजीत उपाध्याय ने बताया कि आज सुबह को घने कोहरे के चलते ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर कंटेनर, ट्रक आपस में टकरा गए। पीछे से आ रहे दो अन्य वाहन भी उनसे टकरा गए। उन्होंने बताया कि जब पुलिस घायलों को निकाल रही थी तब भी एक वाहन पीछे से आकर टकरा गया।

जिसमें पुलिसकर्मी बालबाल बच गए। उन्होंने बताया कि हाइड्रा से खिंचवाकर कंटेनर में फंसे चालक को बाहर निकाला गया। थाना प्रभारी ने बताया कि घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। ईस्टर्न पेरीफेरल हाईवे पर सुबह को हुए हादसे के चलते वाहनों की लंबी कतारे लग गई। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को क्रेन की सहायता से वहां से हटाकर यातायात सुचारू रूप से संचालित किया गया है।

सड़क हादसे की एक अन्य घटना में थाना सूरजपुर क्षेत्र के नवादा गोल चक्कर के पास एक व्यक्ति की कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। इस घटना में उसकी मौत हो गई है। थाना सूरजपुर के प्रभारी निरीक्षक पुष्पराज सिंह ने बताया कि प्रतीक नैथानी (34 वर्ष) पुत्र हरीश नैथानी अपनी स्कोडा कार में सवार होकर नोएडा से ग्रेटर नोएडा आ रहे थे।

नवादा गोल चक्कर के पास उनकी कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। इस घटना में प्रतीक की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गाजियाबाद में पैसा डबल करने का लालच देकर धोखाधड़ी करने वाले गैंग की महिला समेत 5 गिरफ्तार

गाजियाबाद। गाजियाबाद पुलिस ने पैसा डबल करने के नाम पर लोगों के साथ धोखाधड़ी कर उनसे ठगी करने वाले गैंग की महिला समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। दरअसल, 4 जनवरी को सेवानगर निवासी सतेंद्र त्यागी ने नंदग्राम थाने में धोखाधड़ी कर 4 लाख रुपए हड़पने का मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने इस घटना का संज्ञान लेते हुए कई टीमों का गठन किया। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी गई। सर्विलांस और लोकल इनपुट के आधार पर आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है। पुलिस ने गैंग की महिला समेत लोकेश उर्फ अनिकेत, सचिन, देवराज बंसल और गौरव उर्फ राहुल उर्फ अनुराग को गिरफ्तार किया। इनसे पुलिस ने 2 लाख 35 हजार रुपए, 500 के नोटों की नकली गड्डी, तीन नकली आधार कार्ड, आई ट्वेंटी कार, तीन फर्जी नंबर प्लेट, 11 मोबाइल और नेपाल के दो सिम कार्ड बरामद किए हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि हम लोगों को पैसा डबल करने का लालच देते थे। गैंग का मेंबर गौरव सिंह उर्फ राहुल ऐसे लोगों को ढूंढकर लाता था। इसके बाद गैंग बताता था कि हम नेपाल से नोट लेकर आते हैं और सप्लाई करते हैं। लोगों को यकीन हो जाए, इसलिए गैंग मेंबर नेपाली मोबाइल नंबर पर कॉल करके बातचीत करते थे। इसके बाद गैंग कस्टमर से कुछ पैसा लेकर उसको नकली नोटों की ज्यादा गड्डियां थमा देते थे। इसमें ऊपर और नीचे का नोट 500 का असली होता था, जबकि, बीच में सफेद कागज की गड्डियां लगी होती थी।

नोएडा में स्कॉर्पियो की छत पर युवकों ने की आतिशबाजी, वीडियो वायरल

नोएडा। थाना फेस-2 क्षेत्र के गेझा गांव में अपने दोस्त की बेटी के जन्मदिन मनाने गए युवकों ने मंगरौली गांव निवासी रोहित की स्कॉर्पियो की छत पर पटाखे रखकर आतिशबाजी की। इसकी वीडियो वायरल हो गई। सोशल मीडिया पर 25 से अधिक लोगों ने कमिश्नरेट पुलिस को टैग कर आरोपियों पर कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस ने स्कॉर्पियो जब्त कर ली। सोशल मीडिया पर वायरल हुए 16 सेकंड के वीडियो में चलती स्कॉर्पियो की छत से कुछ लोग आतिशबाजी

करते दिख रहे हैं। वायरल वीडियो सेक्टर-93 गेझा गांव का है। जिस स्थान पर आरोपी कार से पटाखे चला रहे हैं वहां काफी भीड़भाड़ दिख रही है। कार से आतिशबाजी की वजह से आसपास के लोगों को परेशानी होती दिख रही है। थाना प्रभारी विंध्याचल तिवारी ने बताया कि वायरल वीडियो की जांच के बाद कार जब्त कर ली गई है। कार मंगरौली गांव निवासी लोकेश चौहान के नाम पर पंजीकृत है। पुलिस छानबीन में पता चला है कि कार को मंगरौली गांव निवासी रोहित चला रहा था या कोई अन्य।

शिव हरी मीणा नोएडा के अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था बने, गणतंत्र दिवस को लेकर सतर्कता शुरू

नोएडा । गौतम बुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट में तैनात हुए अपर पुलिस आयुक्त शिव हरी मीणा को कानून एवं व्यवस्था का अपर पुलिस आयुक्त बनाया गया है। पुलिस आयुक्त श्रीमती लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि गौतम बुद्ध नगर में तैनात अपर पुलिस आयुक्त शिव हरी मीणा को प्रशासनिक आवश्यकताओं तथा कानून व्यवस्था के मद्देनजर अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था के पद पर तैनात किया गया है। इस पद पर तैनात एस आनंद कुलकर्णी के तबादला होने के बाद उन्होंने आज गौतम बुद्ध नगर में ज्वाइन किया है। इसी बीच गणतंत्र दिवस

के दृष्टिगत गौतम बुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट पुलिस ने विभिन्न जगहों पर सतर्कता से गश्त और चेकिंग करनी शुरू कर दी है। मीडिया प्रभारी ने बताया कि शाम को गौतम बुद्ध नगर पुलिस ने आगामी गणतंत्र दिवस के मद्देनजर महत्वपूर्ण स्थानो पर सघन चेकिंग की तथा डॉग स्क्वायड और बमनिरोधक दस्ता, तथा क्षेत्रीय अभिसूचना इकाई की सहायता से विभिन्न जगहों पर चेकिंग की। उन्होंने बताया कि यहां के विभिन्न मेट्रो स्टेशन, जगत फार्म मार्केट व कई महत्वपूर्ण स्थानो पर चेकिंग अभियान चलाया गया।

इंडिया की बैठक में शामिल होंगे अरविंद केजरीवाल, सीट शेयरिंग पर हो सकती है डील

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर सीट बंटवारे को लेकर आज होने वाली आईएनडीआई गठबंधन की बैठक में दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल भी शामिल होंगे। बताया जा रहा है कि इस बैठक में सीट शेयरिंग एजेंडा, गठबंधन के संयोजक के चुनाव व अन्य मामलों पर विचार-विर्मश होगा।

हुई थी मुकुल वासनिक के घर पर आप-कांग्रेस की बैठक- बताया जा रहा है कि कांग्रेस नेता मुकुल वासनिक के घर पर कांग्रेस और आप के नेताओं के बीच दो घंटे तक बैठक चली थी। इस बैठक में दोनों पार्टियों के बीच सीट-शेयरिंग को

लेकर चर्चा हुई। पार्टी के एक सूत्र के अनुसार दोनों पार्टियों के नेताओं ने इस बैठक को सकारात्मक बताया है।कांग्रेस के जनरल सेक्रेटरी जयराम रमेश ने जानकारी दी थी कि गठबंधन की बैठक में सहयोगी पार्टियों के भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होने पर भी चर्चा होगी, जो 14 जनवरी को मणिपुर से शुरू होगी।

जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट डाल जानकारी दी कि इस मीटिंग की शुरुआत सीट शेयरिंग के मुद्दे पर चर्चा से होगी। फिर इसमें तमाम जरूरी मुद्दों के साथ ही भारत जोड़ो न्याय यात्रा को लेकर भी बात होगी।

जल्द ही टूट जाएगा ये गठबंधन- दिलीप घोष

वहीं इस पर भाजपा नेता दीलीप घोष ने शनिवार को कहा कि इंडी गठबंधन सिर्फ बैठक करता है, कुछ काम नहीं करता। इससे कुछ नहीं होगा और जल्द ही यह गठबंधन टूट जाएगा।

बता दें कि इंडी गठबंधन इन दिनों बंगाल में ही मुश्किलें झेल रहा है जहां कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने गठबंधन पार्टी टीएमसी को भी ईडी अधिकारियों पर हमले के लिए जनता के बीच में ब्लेम किया।

बंगाल में गठबंधन में खटपट- छह जनवरी को अधीर रंजन चौधरी ने कहा, भारत में कहीं भी ऐसा कुछ नहीं हुआ है जैसा संदेशखाली में हुआ। गुंडों की इस वक्त कितनी हिम्मत बढ़ गई है, ये उसका उदाहरण था। यह घटना दिखाती है कि पुलिस और शासन कर रही पार्टी के बीच कैसा रिश्ता है।

गणतंत्र दिवस की परेड में 'मेड इन इंडिया' पर जोर, इन स्वदेशी हथियारों पर रहेंगी नजरें

गाजियाबाद। राजपथ पर इस साल गणतंत्र दिवस की परेड में मेड इन इंडिया हथियार आकर्षण का मुख्य केंद्र रहेंगे। परेड के दौरान स्वदेशी हथियार जैसे एलसीएच प्रचंड हेलीकॉप्टर, पिनाका मल्टी बैरल रॉकेट लॉन्चर और एंटी टैंक मिसाइल नाग का प्रदर्शन किया जाएगा। एलसीएच प्रचंड हेलीकॉप्टर देश का पहला स्वदेशी मल्टी रोल कॉम्बैट हेलीकॉप्टर है, जिसे हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा डिजाइन किया गया है।

एलसीएच प्रचंड हेलीकॉप्टर और नाग मिसाइल सिस्टम पर रहेंगी नजरें

एलसीएच प्रचंड ग्राउंड अटैक और हवाई हमले में सक्षम है। यह हेलीकॉप्टर आधुनिक स्टील्थ तकनीक से लैस है,

जिसमें आर्मर प्रोटेक्शन और रात में हमला करने की भी क्षमता मौजूद है। इसमें आधुनिक नेविगेशन सिस्टम, और हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलें लगाई गई हैं। नाग मिसाइल सिस्टम को डीआरडीओ द्वारा विकसित किया गया है। दुश्मनों के टैंकों को तबाह करने में यह मिसाइल काफी कारगर है और खास बात ये है कि यह मिसाइल सिस्टम दिन और रात दोनों समय हमले करने में सक्षम है। यह मिसाइल टॉप अटैक क्षमताओं और ऑटोमैटिक तरीके से अपने लक्ष्य को भेदने में सक्षम है। नाग मिसाइल का कैरियर NAMICA बीएमपी-2 पर आधारित सिस्टम है और इसे जमीन के साथ ही पानी की सतह से भी फायर किया जा सकता है।

इन मेड इन इंडिया हथियारों का भी किया जाएगा प्रदर्शन

गणतंत्र दिवस की परेड के दौरान आधुनिक बख्तरबंद गाड़ियां और अन्य विशेषज्ञ वाहन भी प्रदर्शित किए जाएंगे। इस साल गणतंत्र दिवस की परेड में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रां मुख्य अतिथि होंगे। मेड इन इंडिया हथियारों में टी-90 टैंक, बीएमपी-2 इंफेंट्री कॉम्बैट वाहन, ड्रोन जैमर्स, एडवांस्ड सर्वत्र ब्रिज, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें और मल्टी फंक्शन रडार आदि का भी प्रदर्शन किया जाएगा।

आप नेता संजय सिंह, एनडी गुप्ता और स्वाति मालीवाल बने राज्यसभा सांसद, चुने गए निर्विरोध

नई दिल्ली। दिल्ली में आम आदमी पार्टी से राज्यसभा के लिए तीनों उम्मीदवार चुने गए। आम आदमी पार्टी के तीनों उम्मीदवार संजय सिंह, एनडी गुप्ता और स्वाति मालीवाल राज्यसभा के लिए चुने गए। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट से इजाजत लेकर सिविल लाइंस जीत का सर्टिफिकेट लेने के लिए संजय सिंह पहुंचे थे। इस अवसर आप समर्थकों ने इन तीनों उम्मीदवारों को जोरदार स्वागत किया और नारेबाजी की।

दिल्ली के राज्यसभा चुनाव के लिए आप आदमी पार्टी के इन नेताओं ने सोमवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 9 जनवरी थी, जबकि नामांकन की जांच 10 जनवरी को हुई थी। उम्मीदवारों का

नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख 12 जनवरी थी।

आम आदमी पार्टी ने अपनी सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, 'संसद में गूंजेगी देश के आम आदमी की आवाज़?? राज्यसभा के लिए AAP के वरिष्ठ नेता संजय सिहं, एनडी गुप्ता और दिल्ली की पूर्व महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल निर्विरोध राज्यसभा के सांसद चुने गए। अधिकारियों ने कहा कि दिल्ली में आप के राज्यसभा उम्मीदवारों स्वाति मालीवाल, संजय सिंह और एनडी गुप्ता का निर्विरोध चुन लिया गया, क्योंकि किसी अन्य पार्टी के किसी भी उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल नहीं किया था। आप सांसद संजय सिंह, एन डी गुप्ता और सुशील कुमार गुप्ता का छह साल का कार्यकाल 27 जनवरी को समाप्त हो रहा था।

आप के तीनों उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित

जबकि आप ने संजय सिंह और एन डी गुप्ता को दूसरे कार्यकाल के लिए फिर से नामांकित किया था। उसने सुशील गुप्ता की जगह लेने के लिए दिल्ली महिला आयोग की पूर्व प्रमुख मालीवाल को नामित किया था। तीनों उम्मीदवारों का निर्विरोध राज्यसभा के लिए चुन लिया गया। राज्यसभा के आला अधिकारी ने उन्हें जीत का प्रमाणपत्र प्रदान किया।

5 हजार विद्यार्थी एक साथ करेंगे सवा लाख सूर्य नमस्कार

जींद। अयोध्या में भगवान राम की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में 22 जनवरी को डीएवी पब्लिक स्कूल में एक कार्यक्रम में 5 हजार विद्यार्थी सवा लाख सूर्य नमस्कार करेंगे शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए हरियाणा योग एसोसिएशन के चेयरमैन डॉ. धर्मदेव विद्यार्थी ने बताया कि हरियाणा योग आयोग के तत्वावधान में इस आयोजन में डीएवी पब्लिक स्कूल, डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल, जींद की सभी व्यायामशालाएं, योग संस्थाएं तथा आयुष विभाग सहित अनेक स्कूल, आर्य युवा समाज, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, धर्म संस्थानम और अनेक संस्थाएं भाग लेंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा योग आयोग के अध्यक्ष डॉ. जयदीप आर्य करेंगे। डॉ धर्मदेव विद्यार्थी ने कहा कि भगवान राम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत तथा पूजनीय हैं। इसलिए यह सभी का कार्यक्रम है। इसे सार्वजनिक रूप देने के लिए जींद की सभी संस्थाओं और व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया है उन्होंने बताया कि इस वर्ष आर्य जगत स्वामी दयानंद की 200वीं जयंती मना रहा है। इस श्रृंखला में भी यह कार्यक्रम महत्वपूर्ण रहेगा। इसके पश्चात सभी डीएवी संस्थाओं और आर्य समाजों में 12 फरवरी 2024 तक कार्यशालाओं, विचार गोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा।

राजनीति से ऊपर उठकर अयोध्या में श्री रामलला का उत्सव मनाएं : प्रवेश गाबा

करनाल। समाजसेवी प्रवेश गाबा ने कहा कि अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह भारत के लिए ऐतिहासिक पल है। इस पल को राजनैतिक मतभेद भुलाकर सभी को एक उत्सव के रूप में मनाना चाहिए। भगवान श्री राम किसी एक के न होकर बल्कि पूरे संसार के थे। जिन्होंने धर्म की खातिर अपने व्यक्तिगत सुखों का त्याग किया। भगवान राम से प्रेरणा मिलती है कि भाई के लिए त्याग किस तरह से किया जाता है, पिता की आज्ञा किस तरह मानी जाती है। भगवान श्री राम ने भाईचारे से रहने का पाठ पढ़ाया। भगवान श्रीराम के वनवास जाने के बाद खुद भरत गद्दी पर नहीं बैठे बल्कि उनकी खडाऊ को राज सिंहासन पर बिठाकर अपना कर्तव्य निभाया। भगवान श्री राम के जीवन से सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए। अयोध्या में भगवान श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा से सभ्यता ओर संस्कृति को बल मिलेगा। यह सभी के लिए गर्व का क्षण है। विश्व में भाईचारा और समरसता का संदेश मिलेगा। उन्होंने सभी से भेदभाव भूलकर मिलजुलकर 22 जनवरी को दीपावली की तरह उत्सव मनाने की अपील की।

राष्ट्र रत्न अवार्ड समारोह का आयोजन करेगा एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया

करनाल। एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया द्वारा ह्यूमन राइट्स इंटरनेशनल फेडरेशन के सहयोग से राष्ट्र रत्न अवार्ड समारोह का भव्य आयोजन किया जायेगा, कार्यक्रम को लेकर एक बैठक का आयोजन नेशनल सुप्रीमो नरेंद्र अरोड़ा की अध्यक्षता में हुआ। कार्यक्रम को लेकर अधिक जानकारी देते हुए नरेंद्र अरोड़ा ने कहा की एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया व ह्यूमन राइट्स इंटरनेशनल फेडरेशन द्वारा रविवार 28 जनवरी को डिवेंचर होटल में लाला लाजपत राय की जयंती पर राष्ट्र रत्न अवार्ड समारोह एंव लीडरशिप डेवलपमेंट सेमिनार का भव्य आयोजन किया जायेगा जिसमें फिल्म अभिनेता अमन वर्मा व फिल्म अभिनेत्री खुशी चौधरी चीफ सेलिब्रिटी के रूप में शिरकत करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ रणजोध सिंह करेंगे। उन्होंने कहा की इस अवसर पर देश के विभिन्न राज्यों की महान शख्सियतों को राष्ट्र रत्न अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। उन्होने कहा की इस विशेष अवार्ड के लिए अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली हस्तियां नॉमिनेशन कर सकते हैं। उन्होंने कहा की इस अवसर पर भ्रष्टाचार उन्मूलन के क्षेत्र में कार्य करने वाले व ह्यूमन राइट्स के लिए कार्य कर रही विभूतियों को राष्ट्र रत्न अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ़ इंडिया की अंतर्राष्ट्रीय निदेशक सावी चौधरी को उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

सफाई के नाम पर अरबों बहाए, फिर भी पिछड़ा प्रदेश : सैलजा

चंडीगढ़। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने जारी बयान में कहा कि बिना कुछ करे-धरे प्रदेश की भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार अपनी पीठ खुद थपथपाने में लगी रहती है। धरातल पर उसका कोई काम नजर नहीं आ रहा है। साफ-सफाई के नाम पर अरबों रुपये सालाना पानी की तरह बहा दिया जाता है पर सर्वे में हरियाणा औंधे मुंह गिरा हुआ है। पहले पांचवें स्थान पर रहा हरियाणा 14वें स्थान पर लुढ़का हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार इसे लेकर भी गंभीर नहीं है। सरकार ने कभी सफाई कर्मियों की भर्ती पर ध्यान नहीं दिया जो काम कर रहे हैं, उनमें से आधे अधिकारियों और सत्ता पक्ष के लोगों के घरों में लगे हुए हैं।

और सख्ती दिखाएंगे मुख्यमंत्री, जल्द ही अधिकारियों के साथ करेंगे बैठक

चंडीगढ़। साफ-सफाई के मामले में इस बार हरियाणा को निराशा हाथ लगी है। पिछले साल के स्वच्छ सर्वेक्षण के मुकाबले इस बार हरियाणा के नतीजे आशा अनुरूप नहीं रहे हैं। इन नतीजों ने शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता और विभाग की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पिछले दिनों जिस तरह से सफाई के मुद्दे पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल हरकत में आए थे, उससे अब स्पष्ट हो गया है कि मुख्यमंत्री को इस स्थिति का पहले ही आभास हो गया था। ऐसे में मुख्यमंत्री ने खुद ही मोर्चा संभाला।

कमल गुप्ता को निकाय मंत्री बने हुए दो साल से अधिक का समय हो चुका है, लेकिन इस अवधि में उनकी कोई भी बड़ी उपलब्धि सामने नहीं आई है। उनके खुद के गृह जिला हिसार के नगर निगम में हालात बद से बदतर हो चुके हैं। 2022 की रैंकिंग में हिसार नगर निगम देशभर में 115वें स्थान पर था। वहीं गत दिवस नई दिल्ली में जारी किए गए 2023 के नतीजों में हिसार अब 194वें पायदान पर जा पहुंचा है।

पिछले साल सफाई के मामले में हरियाणा देशभर में दूसरे नंबर पर था। वहीं इस बार प्रदेश चौदहवें स्थान पर पहुंच गया है। इतना ही नहीं, 2022 में राज्य के पांच शहर देशभर के टॉप-100 शहरों में शामिल

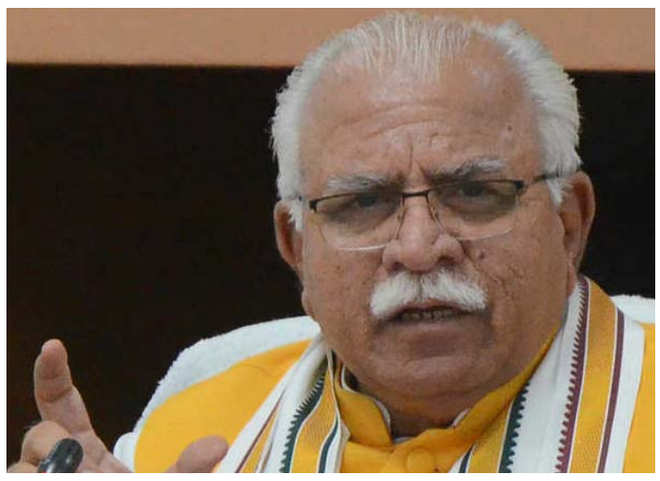

थे। इनमें रोहतक, करनाल, पंचकूला, गुरुग्राम व अंबाला नगर निगम शामिल थे। इस बार राज्य के एक भी शहर को टॉप-100 स्वच्छ शहरों में जगह नहीं मिली है। इन नतीजों ने हरियाणा को बड़ी निराशा हुई है। सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सर्वेक्षण नतीजों को काफी गंभीरता से लिया है। वे जल्द ही इस संदर्भ में राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। पिछले दिनों चंडीगढ़ में प्रशासनिक सचिवों व जिला उपायुक्तों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये बैठक करके मुख्यमंत्री ने सफाई के मुद्दे पर सख्त हिदायतें दी थी। सीएम विंडो पर भी सफाई व्यवस्था को लेकर शिकायतें बढ़ गई हैं। दो सप्ताह पहले गुरुग्राम दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने सफाई व्यवस्था जांचने के लिए बाइक पर शहर का दौरा किया था। सीएम को शहर में जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे नज़र आए।

इस पर कड़ा एक्शन लेते हुए सीएम ने गुरुग्राम नगर निगम के आयुक्त का पंद्रह तथा संयुक्त आयुक्त का एक महीने का वेतन काटने के आदेश दिए थे। गुरुग्राम राष्ट्रीय राजधानी ङ्क नई दिल्ली से बिल्कुल सटा हुआ है। बड़ी संख्या में मल्टी नेशनल कंपनियों के मुख्यालय यहां हैं। आईटी सेक्टर के मामले में गुरुग्राम काफी आगे है। इसलिए इसे मिलेनियम सिटी भी कहा जाता है, लेकिन इस शहर की सफाई व्यवस्था पर अधिकारियों का ध्यान ही नहीं है।

करोड़ों का ठेका फिर भी बिगड़े हालात

सफाई व्यवस्था के लिए निकाय विभाग ने अधिकांश बड़े शहरों में निजी कंपनियों को ठेका दिया हुआ है। इन कंपनियों को हर माह करोड़ों रुपये का भुगतान भी होता है, लेकिन फिर भी हालात बिगड़ते जा रहे हैं। सरकार ने फरीदाबाद और करनाल के स्मार्ट सिटी घोषित किया हुआ है। फरीदाबाद के हालात यह हैं कि 2022 में देशभर में 36वें नंबर पर शामिल इस शहर को अब 381वीं रैंकिंग हासिल हुई है। वहीं करनाल की रैंकिंग 2022 में 85 के स्थान पर इस बार 115 नंबर पर रही है।

लोगों से लिया जा रहा टैक्स

सबसे बड़ी बात यह है कि अधिकांश शहरों में डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन का प्रबंध सरकार ने किया हुआ है। इसके लिए बाकायदा लोगों से मासिक शुल्क भी लिया जा रहा है। प्रॉपर्टी टैक्स के साथ सफाई का मासिक बिल लोगों से लिया जा रहा है। कई शहरों में लोगों द्वारा इसका विरोध भी किया जा रहा है। विरोध इसलिए हो रहा है क्योंकि निकायों द्वारा गारबेज टैक्स के रूप में दोहरी वसूली लोगों से की जा रही है। अगर किसी व्यक्ति की शहर में दुकान है और वह दोमंजिला है तो दोनों ही मंजिलों का अलग-अलग टैक्स मांगा जा रहा है।

निर्देशों की नहीं हो रही अनुपालना

सफाई व्यवस्था के मामले में बड़े-बड़े दावे निकाय मंत्री करते रहे हैं। विधानसभा में भी जब यह मुद्दा उठता है तो वे अपने विभाग की पीठ थपथपाते हैं। इन नतीजों से साबित कर दिया है कि केवल बैठकों तक ही सफाई व्यवस्था सीमित है। बात अगर प्रदेश स्तर की रैंकिंग की करें तो एक लाख से कम आबादी वाले निकायों में गोहाना हरियाणा में नंबर-वन पर रहा है। वहीं दूसरे पर कालका, तीसरे पर बेरी, चौथे पर नीलोखेड़ी, पांचवें पर झज्जर, छठे पर फतेहाबाद, सातवें पर नारायणगढ़, आठवें पर घरौंडा, नौवें पर समालखा और दसवें पायदान पर सोहना शहर है।

करनाल में बनेगा श्रीनाथ द्वारा की तर्ज पर श्रीनाथ धाम : यदुनाथ जी महाराज

करनाल। वैष्णव संप्रदाय के चतुर्थ संप्रदाय वैदिक के तहत पुष्टिमार्ग के संत तथा महाप्रभु श्री वल्लभाचार्य महाराज के 70वें तथा श्री पुरुषोत्तम लाल जी महाराज की चौथी पीढ़ी के प्रतिनिधि श्री यदुनाथ जी महाराज ने कहा कि करनाल में हरियाणा का पहला श्रीनाथ द्वारा की तर्ज पर श्रीनाथ धाम मनाया जाएगा। इसका निर्माण अंसल सिटी में किया जा रहा है। यह अपनी तरह का देश का अनुठा धाम होगा। जहां श्री गोवर्धन नाथ जी की प्रतिष्ठा होगी। गुजरात से आए यदुनाथ जी महाराज ने कहा कि इस साल से नये युग की शुरूआत हो रही है। भगवान श्री राम 500 साल बाद अयोध्या में फिर से विराजमान होंगे। यह पूरे विश्व के लिए ऐतिहासिक क्षण होगा। इस वर्ष को इतिहास में युग वर्ष के रूप में लिखा जाएगा। श्री यदुनाथ जी महाराज आज करनाल में हरियाणा और पंजाब की एकमात्र वैष्णव संप्रदाय के तहत पुष्टिमार्ग की हवेली

में पहुंचे थे। उन्होंने यहां पत्रकारों से बातचीत के बाद सत्संग को संबोधित किया। यहां पर अन्नकुट उत्सव के साथ-साथ भगवान श्री पुरुषोतम लाल जी महाराज का प्रकट उत्सव मनाया गया। इस मौके पर उन्होंने बताया कि दीपावली के बाद तथा बसंत पंचमी से पहले अन्नकूट का उत्सव मनाया जाता है। इसके साथ ही महाराज का प्रकट उत्सव भी मनता है। उन्होंने बताया कि भगवान के नाम पर यदि हम अपने आपको समर्पित कर दें तो फिर चिंता की बात नहीं है। भगवान खुद बेड़ा पार कर देते है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने एक अंगुली पर गोवर्धन पर्वत को उठा लिया था। गोवर्धन पर्वत प्रसंग यह शिक्षा देता है कि हमें अपने आपको समर्पित कर देना चाहिए। इस अवसर पर कमेटी के प्रधान विजय भाटिया, विनीत भाटिया, के.के भाटिया, राजेश भाटिया, कपिल भाटिया, घनश्याम दास भाटिया, रघुनाथ भाटिया, नरेश शर्मा, अशोक भाटिया, नवीन शर्मा, प्रवेश कुमार, भूपेन्द्र भाटिया, कृष्ण कुमार भाटिया सहित समाज के प्रबुद्धजन मौजूद थे।

आयुर्वेद को अपनायें-हरविंद्र कल्याण

करनाल। घरौंडा हलका के भाजपा विधायक हरविंद्र कल्याण ने लोगों से अपील की है कि वे आयुर्वेद को अपनायें। आयुर्वेद बीमारी को जड़ से खत्म करता है और इसका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं है। यह 5 हजार साल पुरानी चिकित्सा पद्धति है जो हमारी आधुनिक जीवन शैली को सही दिशा देने व स्वास्थ्य के लिए लाभकारी आदतें विकसित करने में सहायक है। श्री कल्याण आज विकसित भारत संकल्प यात्रा के गांव कलहेड़ी और जमालपुर पहुंचने पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने आयुष विभाग के स्टॉल से खुद खांसी की दवा ली जिससे उनके खराब गले भी को तुरंत आराम मिला। कलहेड़ी में एएमओ डॉक्टर वीनिता की टीम द्वारा 105 लोगों को जांच के बाद मुफ्त दवाई दी गई। विधायक ने सर्वप्रथम दोनों गांवों में विभिन्न विभागों की ओर से लगाए गए स्टॉल्स का अवलोकन किया और योजनाओं की जानकारी लेने पहुंचे ग्रामीणों से बातचीत की। इससे पहले हरियाणा के विकास पर बनाई गई लघु फिल्म दिखाई गई। आज युवा उत्सव पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का लाइव उद्बोधन भी एलईडी के माध्यम से सुनाया गया। गायक बिजेंद्र एंड पार्टी की ओर से विकासात्मक गीत प्रस्तुत किए गए। कलहेड़ी में पूर्व चेयरमेन रमेश बैरागी और जमालपुर में जगदीश राणा ने भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की शपथ दिलाई। कलहेड़ी में सरपंच विजेंद्र और जमालपुर में बलविंद्र ने विधायक का स्वागत किया और गांव में पिछले 9 सालों में कराए गए विकास कार्यों की जानकारी दी। विधायक श्री कल्याण ने राष्ट्रीय युवा दिवस पर स्वामी विवेकानंद जी को याद करते हुए कहा कि 1983 में शिकागो में विश्व धर्म संसद में दिया गया प्रेरक भाषण बहुत अधिक सराहा गया। उस समय विदेशी प्रतिनिधियों को भी स्वामी जी के भाषण से पता चला कि भारत की प्राचीन संस्कृति कितनी समृद्ध है। श्री कल्याण ने कहा कि देश की जिस प्राचीन संस्कृति को मुगलों और अंग्रेजों ने हजार साल तक तहस-नहस किया उसे भाजपा सरकार फिर से मजबूत करने में लगी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि अगले 23 सालों में भारत विकसित राष्ट्रों की सूची में शामिल हो। यह तभी संभव होगा जब हर जिम्मेदार व्यक्ति कर्त्तव्य का पूरी निष्ठा व ईमानदारी से निर्वहन करेगा। श्री कल्याण ने बताया कि यात्रा अब तक हलके की 72 पंचायतों को कवर कर चुकी है। अगले 10-12 दिनों में बाकी पंचायत को भी कवर कर लिया जाएगा। हर गांव में पेंशन, राशन कार्ड, आधार अपडेशन, बीपीएल, आयुष्मान कार्ड बनाने जैसे 50 से 100 लोगों के काम मौके पर हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों के समय योजनाएं तो बनती थीं। कर्ज व बिल माफी, गरीबी हटाने जैसे नारे भी खूब लगाए जाते थे पर जिन लोगों के लिए योजनाएं बनाई जाती थीं उन्हें इनका कभी फायदा नहीं हुआ। क्योंकि योजनाएं धरातल पर नहीं पहुंचती थी। एक समय था जब शिक्षक भी तबादलों के लिए विधायकों व मंत्रियों के आगे पीछे सचिवालय के गलियारों में चक्कर लगाते रहते थे लेकिन अब ऑनलाइन स्थानांतरण नीति ने शिक्षकों को सम्मान से नौकरी करने का अवसर दिया है।

आवा-पँजावा के मुद्दे का यदि सरकार ने समय रहते समाधान नहीं किया तो प्रजापति समाज सड़को पर उतरेगा : दर्शन लाडवा

कैथल। प्रजापति धर्मशाला कुरुक्षेत्र में वार्षिक बैठक का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता प्रधान दर्शन लाडवा ने की। बैठक में समस्त कार्यकारिणी पदाधिकारी व सदस्य और सभा के सदस्यों, आजीवन सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस दौरान कार्यकारिणी ने वर्ष का लेखा-जोखा भी प्रस्तुत किया। मंच संचालन सभा के महासचिव रामचरण किरमिच ने किया। बैठक में उप-प्रधान मोहन मिर्जापुर, कैशियर दर्शन कैथल, वरिष्ठ सदस्य शिवलाल सरवारा, रमेश फरल सहित पूर्व प्रधान रिटायर्ड बीडीपीओ बलबीर चौलिया, पवन कानूनगो, पूर्व प्रधान हुकुमचंद कोयर, पूर्व प्रधान बनारसी दास अरनैचा, बीपीएचओ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश सरोहा इंद्री, सतपाल पधाना, सरपंच रामलाल अरनैचा, मोहन सिंह किरमिच, कैथल जिलाध्यक्ष बलबीर नौच, सुभाष कुराड़, शीशन चौलिया (काला ढाबे वाला), राजपाल प्रजापति, जगदीश रंभा, बाबूराम राजौंद, सुरेश डाचर, रामफल डाचर, मीडिया प्रभारी कृष्ण टीक, सुरेश चीका, बलजीत चीका,

गुलाब सिंह, धनीराम लाडवा, आभे राम खनौदा, सीए अनंत राम, राजेंद्र कुरुक्षेत्र, प्रकाश कैथल, विनोद डीग, ओमप्रकाश मुआना, प्रेम सिंह माजरा, गुरनाम कैथल, कुरडिया राम, होशियार सिंह, रमेश कुमार आदि उपस्थित रहे। इस दौरान सम्बोधित करते हुए प्रधान दर्शन लाडवा ने कहा कि शिक्षण संस्थान के लिए खरीदी गई भूमि की चार दिवारी व सीएलयू लेने के साथ-साथ पास में करीब सवा एकड़ भूमि की खरीद के बारे में विचार-विमर्श किया गया। निर्माण कार्य हेतु समाज के लोगो से दान देने की अपील की गई। इस दौरान धर्मशाला के खिलाफ चल रही गतिविधियों में शामिल असामाजिक लोगों (जो कि विकास कार्यों में रोड़ा अटकाने का कार्य करते हैं और सभा के खिलाफ दुष्प्रचार करते हैं) उनको कड़े शब्दों में चेतावनी देकर समाज के अच्छे कार्यों में सहयोग देकर आगे बढ़ने की अपील की गई। इसके साथ-साथ सभा सदस्यों ने ऐसे असामाजिक लोगों से भविष्य में सख्ती से निपटने का निर्णय लिया। प्रधान ने बताया कि गुरु दक्ष प्रजापति चौक के निर्माण को लेकर 2 विभागों में (केडीबी व पीडब्ल्यूडी) चल रही खिंचतान के चलते अटका पड़ा था, अब जल्द ही मुख्यमंत्री की घोषणा को पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारी अमलीजामा पहनाएंगे और चौक तैयार होगा। उन्होंने कहा कि समाज की लंबित मुख्य मांग आवा-पँजावा के मुद्दे का यदि सरकार ने समय रहते समाधान नहीं किया तो प्रजापति समाज सड़को पर उतरेगा। दर्शन लाडवा ने कहा कि इसको लेकर धर्मशाला व प्रजापति समाज जल्द एक रैली का आयोजन करेगा।

हूडा विभाग ने शहर में पटियाला रोड पर अवैध खोखे तोड़े

गुहला चीका। शुक्रवार को हूडा विभाग के अधिकारियों ने चीका शहर के पटियाला रोड पर स्टे बैंक के सामने अवैध रूप से रखे गए कुछ खोखे व मीट की रेहड़ियों को तोड़ दिया। आज सुबह विभाग के अधिकारी जेसीबी मशीन के साथ मौके पर पहुंचे और वहां पर रखे बड़े बड़े अवैध खोखों को तोड़ दिया। इन खोखों में लोगों को अवैध रूप से शराब व मीट परोसा जाता था जिससे आसपास के दुकानदार व घरों में रहने वाले लोग काफी परेशान थे। आसपास के दुकानदारों ने बताया कि इन खोखों की वजह से दुकानों की तरफ आने वाले रास्ते तो अवरूद्ध हो ही रहे थे साथ ही इन खोखों में बैठाकर लोगों को अवैध रूप से शराब पिलाई जाती है, जिससे यहां का मौहल खराब हो रहा था। विभाग के अधिकारियों ने कहा कि किसी को भी अवैध रूप से सरकारी जमीन पर कब्जा करने नहीं दिया जाएगा और इस प्रकार की कार्रवाही भविष्य में भी जारी रहेगी।

अपराधियों के रेटिना और अंगुलियों के निशान कैप्चर कर रही पुलिस

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस ने अब पुलिस थानों व चौकियों में अत्याधुनिक तकनीक की शुरुआत की है। सभी पुलिस स्टेशनों को हाईटैक किया जा रहा है। थानों-चौकियों में विशेष उपकरणों की स्थापना से गिरफ्तारी के बाद दोनों ङ्क आरोपी व्यक्तियों और शिकायतकर्ताओं की पहचान का विवरण दर्ज किया जा रहा है। इतना ही नहीं, अदालती कार्यवाही से बाहर आरोपियों के रेटिना और उंगलियों के निशान को कैप्चर किया जा रहा है। पुलिस विभाग ने अपनी जरूरतों के हिसाब से प्रबंधन मॉड्यूल में भी सुधार किया है। पुलिस में आधुनिक सुविधाओं को लेकर शुक्रवार को यहां मुख्य सचिव संजीव कौशल की अध्यक्षता में सीसीटीएनएस और आईसीजेएस की 26वीं राज्य शीर्ष समिति ली। बैठक में बताया गया कि हरसमय पोर्टल ने अब उपयोगकर्ताओं को मोबाइल नंबर के माध्यम से ही शिकायतें दर्ज करवाने की निर्बाध सेवाएं शुरू की है। इस ओटीपी-आधारित शिकायत पंजीकरण प्रणाली का उद्देश्य सार्वजनिक शिकायतों को तुरंत संबोधित करने की सरकार की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हुए

प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना है। हरियाणा पुलिस हरसमय पोर्टल के माध्यम से नागरिक सेवाओं के लिए आरटीएस डैशबोर्ड पर लगातार अपनी उपलब्धियों की ओर बढ़ रही है। हरियाणा पुलिस ने हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित सीसीटीएनएस और आईसीजेएस में सर्वोत्तम कार्यों के वार्षिक सम्मेलन में लगातार दूसरे वर्ष ट्रॉफी हासिल की है। मुख्य सचिव ने पुलिस मामलों से संबंधित पुराने डेटा की जानकारी पुनः प्राप्त करने की आवश्यकता पर बल दिया। इसमें पंजीकरण, अदालती कार्यवाही, ई-एफआईआर, ई-चालान और जमानत आदि शामिल हैं। उन्होंने अधिकारियों से एक समर्पित समिति बनाने और महत्वपूर्ण जानकारी की डिजिटल पुनर्प्राप्ति के संकलन के लिए समयबद्ध योजना की रूपरेखा तैयार करने को कहा।

पुलिस अधिकारियों ने व्यापक आधुनिकीकरण प्रयासों के रूप में पिछले चार महीनों में 193 सीसीटीएनएस प्रशिक्षण प्राप्त किया है। इस प्रशिक्षण में एससीआरबी, कोर एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर, सामान्य सत्यापन मॉड्यूल और नागरिक पोर्टल हर समय 24 घंटे शामिल रहा।

बैठक में गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद, पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर, राज्य अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के निदेशक ओपी सिंह, गृह विभाग के विशेष सचिव मनीराम शर्मा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

ट्रिपल इंजन की सरकार होते हुए थानेसर का स्वच्छता सर्वेक्षण में पिछड़ना बेहद शर्मनाक : अशोक अरोड़ा

कुरुक्षेत्र। पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता अशोक अरोड़ा ने कहा कि धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में ट्रिपल इंजन की सरकार होते हुए नगर परिषद थानेसर का स्वच्छता सर्वेक्षण में बुरी तरह पिछड़ना बेहद शर्मनाक है। अपने निवास स्थान पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि पिछले लगभग 20 वर्ष से नगर परिषद थानेसर की अध्यक्षा सुभाष सुधा की धर्मपत्नी उमा सुधा हैं और सुभाष सुधा थानेसर के विधायक हैं। कुरुक्षेत्र के सांसद नायब सैनी भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष भी हैं। इस प्रकार ट्रिपल इंजन की सरकार होते हुए भी नगर परिषद थानेसर स्वच्छता सर्वेक्षण में पूरी तरह साफ हो गई है। उन्होने कहा कि एक ओर तो धर्मनगरी कुरुक्षेत्र को विश्व के पर्यटन पर लाने के दावे किए जा रहे हैं। करोड़ों रूपए विकास पर खर्च करने का प्रचार प्रसार किया जा रहा है। लेकिन स्वच्छता सर्वेक्षण रिपोर्ट आने से यह सारे दावे खोखले साबित हुए हैं।

थानेसर से चार बार विधायक रह चुके और पूर्व मँत्री अशोक अरोड़ा ने कहा कि शहर में गंदगी की भरमार है। जबकि करोड़ों रूपए सफाई व्यवस्था पर खर्च करने का दावा किया जाता है। उन्होने कहा कि राष्ट्रीय रैंकिंग में इस

वर्ष नप थानेसर 414 वें रैंकिंग पर आई है और पूरे प्रदेश में 20वें नंबर पर है, जोकि सरकार के दावों की पोल खोलती है। उन्होने कहा कि प्रदेश में जुमलों की सरकार है और जुमलेबाजी कर जनता को गुमराह करने का प्रयास किया जाता है। पिछले वर्ष की अपेक्षा स्वच्छता सर्वेक्षण में ओर पीछे आना यह साबित करता है कि नगर में सफाई व्यवस्था की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा। धर्मनगरी होने के बावजूद स्थान-स्थान पर कूडे के ढेर लगे पडे हैं। शहर में गंदगी का आलम है। इस मौके पर उनके साथ प्रदेश कांग्रेस के पूर्व संगठन सचिव सुभाष पाली, पूर्व सरपंच पाला राम, ओमप्रकाश हथीरा, पूर्व जिप सदस्य चंद्रभान वाल्मीकि, माला राम व संजय कौशल मौजूद रहे।

युवा महोत्सव पर कसा तंज

पूर्व मंत्री अशोक अरोड़ा ने स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर सरकार द्वारा थीम पार्क में आयोजित प्रदेश स्तरीय युवा महोत्सव पर तंज कसते हुए कहा कि प्रदेश का युवा तो रोजगार की तालाश में विदेशों मे जाकर मेहनत मजदूरी कर रहा है। गांव के गांव युवा शक्ति से खाली हो चुके हैं। सरकार की गलत नीतियों के कारण हरियाणा बेरोजगारी में नंबर वन हो गया है। ऐसे हालात में युवा महोत्सव आयोजित करना समझ से बाहर है। उन्होने कहा कि प्रदेश में युवा तो रहा ही नही, सरकारी बसों में गांवों से अधेड़ व बुजुर्गों को लाया गया। देखा गया कि अधिकतर बसों में 7 से 8 तक ही लोग बैठे थे। महोत्सव के दौरान कुर्सियां खाली पड़ी थी। युवा कहीं नजर नही आए, युवा महोत्सव पूरी तरह से फेल रहा।

21 जनवरी के कार्यक्रम का दिया न्यौता

अशोक अरोड़ा ने बताया कि उन्होने शुक्रवार को गांव पलवल, खेड़ी रामनगर, फतुहपुर, चंद्रभानपुर, खासपुर, अमीन, बीड अमीन, तिगरी, कंवारखेड़ी, ईशाकपुर, सुनहेडी, आलमपुर व खेड़ी ब्राह्मण में लोगों से जनसंपर्क करके लोगों को थानेसर अनाज मंडी में आयोजित 21 जनवरी में कांग्रेस द्वारा आयोजित कार्यक्रम का न्यौता दिया। इस कार्यक्रम को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष उदयभान, सांसद दीपेंद्र हुड्डा सहित प्रदेश कांग्रेस के अनेक नेता संबोधित करेंगें। अरोड़ा ने दावा किया कि कांग्रेस द्वारा आयोजित यह कार्यकर्ता सम्मेलन एक विशाल रैली का रूप धारण करेगा और इसमें भी जनसैलाब उमड़ेगा।

दिसंबर 2023 में यात्री वाहनों की थोक बिक्री चार फीसदी बढ़कर 2,86,390 इकाई रही

नई दिल्ली। पिछले साल दिसंबर में घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर चार फीसदी बढ़कर 2,86,390 इकाई रही। दिसंबर, 2022 में वाहन निर्माताओं ने कुल 2,75,352 यात्री वाहनों की आपूर्ति की थी। वाहन निर्माताओं के संगठन सोसाइटी

ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने जारी बयान में बताया कि दिसंबर में घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री चार फीसदी बढ़ी है। पिछले साल दिसंबर, 2022 में वाहन निर्माताओं ने 2,75,352 यात्री वाहनों की आपूर्ति की थी, लेकिन दिसंबर, 2023 में 2,86,390 वाहनों की आपूर्ति की गई है। आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री 16 फीसदी बढ़कर 12,11,966 इकाई रही, जो दिसंबर, 2022 में 10,45,052 इकाई रही थी। वाहन निर्माताओं के संगठन सियाम के मुताबिक दिसंबर, 2023 में तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री 50,537 इकाई रही, जबकि दिसंबर, 2022 में यह 38,693 इकाई रही थी।

ईडी ने महादेव एप धनशोधन मामले में दो और लोगों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली: प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी और गेमिंग एप मामले में धन शोधन की जांच के सिलसिले में दो और लोगों को गिरफ्तार किया है। ईडी के वकील सौरभ पांडे ने बताया कि नितिन टिबड़ेवाल और अमित अग्रवाल को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की विभिन्न धाराओं के तहत हिरासत में लिया गया और रायपुर में एक विशेष अदालत में पेश किया गया। उन्होंने बताया कि अदालत ने उन्हें 17 जनवरी तक ईडी की हिरासत में भेज दिया। टिबड़ेवाल पर मामले के एक आरोपी विकास चप्परिया का 'करीबी सहयोगी' होने का आरोप है। ईडी के सूत्रों ने बताया कि उन पर दुबई में कुछ 'अघोषित' संपत्तियां खरीदने और एक एफपीआई कंपनी में बहुलांश शेयरधारक होने का आरोप है। एजेंसी को संदेह है कि ये संपत्तियां महादेव ऐप के मुनाफे से उत्पन्न ÷अपराध की आय÷ का उपयोग करके खरीदी गई थीं। सूत्रों ने बताया कि अमित अग्रवाल मामले के एक अन्य आरोपी अनिल कुमार अग्रवाल का रिश्तेदार है। अमित अग्रवाल पर आरोप है कि उसने अनिल कुमार अग्रवाल से महादेव ऐप फंड प्राप्त किया था और कहा जाता है कि उसकी (अमित अग्रवाल की) पत्नी ने मामले के एक अन्य आरोपी अनिल दममानी के साथ मिलकर कई संपत्तियां खरीदी थीं। ईडी ने पिछले साल छप्परिया और अनिल अग्रवाल की दुबई स्थित दो अचल संपत्तियां, एक फ्लैट और एक भूखंड जब्त किया था, जिनकी कीमत 99.46 करोड़ रुपये है।

बीआरओ के लिए काम कर रहे दिहाड़ी मजदूरों को मिलेगा बीमा का लाभ, रक्षा मंत्री ने प्रस्ताव को दी मंजूरी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की ओर से विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए लगाए गए दिहाड़ी मजदूरों के लिए मियादी बीमा योजना शुरू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इस योजना के तहत, परियोजना कार्यों के दौरान किसी मजदूर की मृत्यु होने पर उसके परिजनों को 10 लाख रुपये की राशि दी जाएगी।

रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सीमा सड़क संगठन/जनरल रिजर्व इंजीनियर फोर्स द्वारा लगाए गए आकस्मिक वेतन भोगी मजदूरों (सीपीएल) के लिए चल रहे परियोजना कार्यों के लिए समूह (सावधि) बीमा योजना शुरू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। बयान में कहा गया है, ÷यह योजना सीपीएल के परिवार/परिजनों को किसी भी तरह की मृत्यु की स्थिति में बीमा के रूप में 10 लाख रुपये का बीमित मूल्य प्रदान करेगी। मंत्रालय ने कहा कि यह योजना देश के दूरदराज के क्षेत्रों में काम करने वाले सीपीएल के लिए एक सामाजिक सुरक्षा और कल्याणकारी उपाय के रूप में काम करेगी। बयान के अनुसार, 'खतरनाक कार्यस्थलों पर तैनात सीपीएल के जीवन के लिए गंभीर जोखिम, खराब मौसम, दुर्गम इलाके और व्यावसायिक स्वास्थ्य खतरों को ध्यान में रखते हुए और उनके काम के दौरान हुई मौतों को ध्यान में रखते हुए, मानवीय आधार पर बीमा कवरेज का प्रावधान एक बड़ा मनोबल बढ़ाने वाला साबित होगा।

पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर, कच्चा तेल 79 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के मूल्य में उतार-चढ़ाव जारी है। पिछले 24 घंटे में ब्रेंट क्रूड का मूल्य घटकर 79 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 73 डॉलर प्रति बैरल के करीब आ गया है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने शनिवार को पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है।

इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये, डीजल 90.08 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये, डीजल 94.27 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये, डीजल 92.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के

अंतिम दिन ब्रेंड क्रूड 0.88 डॉलर यानी 1.14 फीसदी की बढ़त के साथ 78.29 डॉलर प्रति बैरल पर टिका हुआ है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.66 डॉलर यानी 0.92 फीसदी उछलकर 72.68 डॉलर प्रति बैरल पर स्थिर है।

स्पाइसजेट की 21 जनवरी को दिल्ली से अयोध्या के लिए विशेष उड़ान

नई दिल्ली। बजट विमानन कंपनी स्पाइसजेट अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए 21 जनवरी को राजधानी दिल्ली से अयोध्या के बीच एक विशेष उड़ान संचालित करेगी। अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी की जाएगी।

कंपनी ने जारी एक विज्ञप्ति में बताया कि स्पाइसजेट 21 जनवरी को दिल्ली से अयोध्या के लिए एक विशेष उड़ान का संचालन करेगी, जो 22 जनवरी को श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में हिस्सा लेने वाले यात्रियों को सेवा देगी। साथ ही एयरलाइन अयोध्या से दिल्ली के लिए वापसी उड़ान का संचालन करेगी ताकि श्रद्धालुओं के लिए निर्बाध यात्रा का अनुभव मिले। एयरलाइन के मुताबिक यह विशेष उड़ान, 21 जनवरी को दोपहर 1:30 बजे

राजधानी दिल्ली से रवाना होगी और दोपहर 3 बजे तक अयोध्या पहुंचेगी। ये अगले दिन 22 जनवरी को राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या से शाम 5 बजे अयोध्या से वापस उड़ान भरेगा और शाम करीब साढ़े छह बजे दिल्ली पहुंचेगा। गौरतलब है कि यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक दिन पहले कहा था कि 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए अयोध्या महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर करीब 100 चार्टर्ड विमान के पहुंचने की उम्मीद है।

विदेशी मुद्रा भंडार 5.89 अरब डॉलर घटकर 617.3 अरब डॉलर पर

मुंबई/नई दिल्ली। विदेशी मुद्रा भंडार में फिर गिरावट आई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार पांच जनवरी को समाप्त हफ्ते में 5.89 अरब डॉलर घटकर 617.3 अरब डॉलर रह गया है। इससे पिछले हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार 2.76 अरब डॉलर बढ़कर 623.2 अरब डॉलर हो गया था, जो चालू वित्त वर्ष 2023-24 में अबतक का सर्वाधिक स्तर स्तर है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक पांच जनवरी को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 5.89 अरब डॉलर घटकर 617.3 अरब डॉलर रहा है। इससे पहले सात हफ्तों तक लगातार विदेशी मुद्रा भंडार में तेजी रहने के बाद इसमें गिरावट

आई है। आरबीआई के अनुसार चालू वित्त वर्ष 2023-24 में अबतक विदेशी मुद्रा भंडार में 55.72 अरब डॉलर की वृद्धि हुई है।आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 4.96 अरब डॉलर घटकर 546.65 अरब डॉलर रह गया। इसी तरह स्वर्ण भंडार का मूल्य 83.9 करोड़ डॉलर घटकर 47.48 अरब डॉलर हो गया है। वहीं, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) भी 6.7 करोड़ डॉलर घटकर 18.29 अरब डॉलर रहा।

इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास रखा देश का मुद्रा भंडार 2.6 करोड़ डॉलर घटकर 48.66 अरब डॉलर रह गया है। उल्लेखनीय है कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार अक्टूबर, 2021 में बढ़कर 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

देश का औद्योगिक उत्पादन नवंबर 2023 में 2.4 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली। देश का औद्योगिक उत्पादन पिछले साल नवंबर महीने में 2.4 फीसदी की दर से बढ़ा है। वर्ष 2022 की समान अवधि में यह 7.6 फीसदी बढ़ा था। हालांकि, इससे पिछले महीने अक्टूबर में यह दर 11.7 फीसदी रहा था। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने जारी आंकड़ों में बताया कि देश का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक

(आईआईपी) विनिर्माण क्षेत्र में नरमी आने से नवंबर 2023 में 2.4 फीसदी की दर से बढ़ा है। आंकड़ों के मुताबिक नवंबर में विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन 1.2 फीसदी बढ़ा है, जबकि खनन क्षेत्र का उत्पादन 6.8 फीसदी बढ़ गया। इस अवधि में देश का बिजली उत्पादन 5.8 फीसदी बढ़ा है। एनएसओ के मुताबिक चालू वित्त वर्ष 2023-24 के पहले आठ महीनों (अप्रैल-नवंबर) में देश का औद्योगिक उत्पादन 6.4 फीसदी की दर से बढ़ा है। एक साल पहले की समान अवधि में यह 5.6 फीसदी बढ़ा था। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक एक मासिक आर्थिक संकेतक है। इसकी गणना और प्रकाशन केंद्रीय सांख्यिकी संगठन (सीएसओ) मासिक आधार पर करता है।

टाटा ने नूडल्स और चाय बेचने वाली इन दिग्गज ब्रांड्स पर लगाया दांव, 7000 करोड़ रुपये में हुई डील

नई दिल्ली। टाटा कंज्यूमर लिमिटेड ने चिंग्स सीक्रेट, स्मिथ एंड जोन्स के मालिक कैपिटल फूड्स प्राइवेट लिमिटेड और फैबइंडिया समर्थित ऑर्गेनिक इंडिया को लगभग 7,000 करोड़ रुपये के दो अलग-अलग सौदों में खरीदने पर सहमति व्यक्त की है। कंपनी उच्च मार्जिन वाले व्यवसायों के अपने पोर्टफोलियो का विस्तार करना चाहती है। टाटा समूह की कंपनी ने अजय गुप्ता द्वारा स्थापित कैपिटल फूड्स को 5,100 करोड़ रुपये के उद्यम मूल्य पर चरणबद्ध तरीके से नकद सौदे के जरिए शेयर खरीद समझौता और शेयरधारकों के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।शुक्रवार को एक एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, बोर्ड की मंजूरी के बाद कंपनी शुरू में 75फीसदी हिस्सेदारी हासिल करेगी, और शेष 25फीसदी हिस्सेदारी तीन वर्षों में हासिल करेगी। फाइलिंग में यह कहा गया है कि यह अधिग्रहण कंपनी के खाद्य और पेय क्षेत्र में नई उच्च वृद्धि/आकर्षक मार्जिन श्रेणियों में प्रवेश करने के रणनीतिक इरादे के तहत किया जा रहा है। सौदे के अनुसार, 75त्न इक्विटी शेयरधारिता का अधिग्रहण 31 मार्च, 2024 को या उससे पहले पूरा होने की उम्मीद है। शेष 25फीसदी शेयरधारिता तीन साल के भीतर खरीदी जाएगी।

डायरेक्ट सेलिंग स्वयं का कारोबार करने वाले युवाओं के लिए एक बेहतर अवसर

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता मामले के सचिव रोहित कुमार सिंह ने कहा कि डायरेक्ट सेलिंग उन युवाओं के लिए एक बेहतरीन अवसर है, जो खुद का अपना कारोबार करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं की संतुष्टि, क्वालिटी और क्वान्टिटी का ख्याल रखते हुए बिजनेस करना और मुनाफा कमाना उचित है। उन्होंने कहा कि आज स्व-रोजगार के पर्याप्त अवसर और सुविधाएं मौजूद हैं। रोहित कुमार सिंह ने यहां कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के द्वारा कंस्टीट्यूशन क्लब में डायरेक्ट सेलिंग-उद्यमियों को सशक्त बनाना कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि युवाओं को 'जॉब सीकर' की तुलना में 'जॉब गिवर' बनना चाहिए। डायरेक्ट सेलिंग उन्हें यह मौका प्रदान करता है। उन्होंने महिला उद्यमियों के कार्य की सराहना भी

की। इससे पहले कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कैट के राष्ट्रीय महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि भारत में डायरेक्ट सेलिंग सेक्टर तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह स्व-रोजगार का एक महत्वपूर्ण स्रोत है, खासकर महिलाओं, युवा और उन व्यक्तियों के लिए, जो अपनी आजीविका में वृद्धि करना चाहते हैं। खंडेलवाल ने कहा कि वर्तमान में लगभग 50 हजार करोड़ के वार्षिक टर्नओवर के साथ इस क्षेत्र में सीधे 1.25 करोड़ से अधिक व्यक्तियों को स्व-व्यापार दिया जा रहा है और अन्य लाखों लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से लाभ एवं रोजगार भी मिल रहा है। कैट महामंत्री ने इस मौके पर ऐलान किया कि 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कैट डायरेक्ट सेलिंग एसोसिएशनों के साथ मिलकर दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में एक राष्ट्रीय महिला उद्यमिता महा-सम्मेलन आयोजित करेगा। इसमें देशभर से 25 हजार से अधिक महिला उद्यमी भाग लेंगी। इस सम्मेलन के उद्घाटन के लिए कैट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आमंत्रित करेगा। उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने ही देश में पहली बार इस क्षेत्र के महत्व को समझते हुए डायरेक्ट सेलिंग के नियम बनाये हैं। प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि डायरेक्ट सेलिंग भारत के खुदरा व्यापार का एक अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र स्वयं उद्यमिता को बढ़ावा देता है। इसके लिए सरकार द्वारा इस क्षेत्र में व्यापार वृद्धि के लिए और अधिक नियामक और नीति समर्थन देने से यह सेक्टर बेहद मजबूत होगा। कार्यक्रम में एसोसिएशन ऑफ डायरेक्ट सेलिंग एंटिटीज ऑफ़ इंडिया (एडीएसईआई) एवं फेडरेशन ऑफ़ डायरेक्ट सेल्कर्स एसोसिएशन (एफडीएसए) के 200 से अधिक स्वयं उद्यमियों, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाओं सहित दिल्ली के प्रमुख व्यापारी नेताओं ने भाग लिया।

खुदरा महंगाई दर दिसंबर में चार महीने के उच्चतम स्तर 5.69 फीसदी पर

नई दिल्ली महंगाई के मोर्चे पर आम आदमी को झटका देने वाली खबर है। दिसंबर महीने में खुदरा महंगाई दर चार महीने के उच्चतम स्तर 5.69 फीसदी पर पहुंच गई है। इससे पिछले महीने नवंबर में यह 5.5 फीसदी रही थी जबकि अक्टूबर में 4.87 फीसदी थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि दिसंबर में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई दर 5.69 फीसदी रही है। इससे पिछले महीने नवंबर में यह 5.5 फीसदी रही थी जबकि अक्टूबर में 4.87 फीसदी थी।

एक साल पहले दिसंबर 2022 में खुदरा महंगाई दर 5.72 फीसदी थी। एनएसओ के मुताबिक दिसंबर में खुदरा महंगाई दर बढ़ने की वजह खाद्य वस्तुओं की कीमत का उच्चतम स्तर पर होना है। आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर महीने में खाद्य वस्तुओं की खुदरा मुद्रास्फीति बढ़कर 9.53 फीसदी हो गई। इससे पिछले महीने यह 8.7 फीसदी और एक साल पहले इसी अवधि में 4.9 फीसदी थी।

उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने खुदरा महंगाई दर दो फीसदी से लेकर 6 फीसदी की रेंज तय की है। दिसंबर महीने में आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की समीक्षा में चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए महंगाई दर का लक्ष्य 5.4 फीसदी तय किया है।

विप्रो का मुनाफा तीसरी तिमाही में 11.7 फीसदी घट कर 2,694 करोड़ रुपये रहा

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा प्रदाता कंपनी विप्रो ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के नतीजे का ऐलान कर दिया है। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 11.74 फीसदी घट कर 2,694.2 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का मुनाफा 3,052.9 करोड़ रुपये रहा था।

कंपनी ने शुक्रवार को जारी बयान में बताया कि चालू वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में उसका मुनाफा 11.74 फीसदी घट कर 2,694.2 करोड़ रुपये रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष 2022-23 की समान तिमाही में

कंपनी का मुनाफा 3,052.9 करोड़ रुपये रहा था। इस दौरान विप्रो की एकीकृत आय भी 4.4 फीसदी घटकर 22,205.1 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 23,229 करोड़ रुपये रही थी। इसके अलावा कंपनी के आईटी सेवा खंड की आमदनी भी अक्टूबर-दिसंबर, 2023 तिमाही में 4.5 फीसदी घट कर 22,150.8 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 23,196 करोड़ रुपये रही थी। विप्रो ने कहा कि उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में आईटी सेवा कारोबार खंड से आमदनी 261.5 करोड़ डॉलर (करीब 21,845 करोड़ रुपये) से 266.9 करोड़ डॉलर (22,296 करोड़ रुपये) के बीच रहेगी।

नए शिखर पर शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी ने बनाया ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज जबरदस्त तेजी का गवाह बना। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने आज मजबूती के अपने सारे पिछले रिकॉर्ड तोड़ दिए। आज के कारोबार की शुरुआत पॉजिटिव सेंटिमेंट्स के साथ हुई थी। दिन के कारोबार में ज्यादातर समय खरीदारों का जोर बना रहा। हालांकि बाजार में यदा-कदा मुनाफावसूली भी होती रही, इसके बावजूद शेयर बाजार आज एक बार फिर रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच कर बंद होने में सफल रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.18 प्रतिशत और निफ्टी 1.14 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

आज दिन भर के कारोबार में रियल्टी, आईटी और पीएसयू बैंक सेक्टर के शेयरों में जोरदार खरीदारी होती रही। आईटी इंडेक्स आज 5 प्रतिशत की तेजी के साथ पिछले 42 महीने के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंचा। इसी तरह ऑयल एंड गैस तथा रियल्टी इंडेक्स भी 2 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज के कारोबार में हेल्थकेयर और ऑटोमोबाइल सेक्टर में बिकवाली होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.36 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.41 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आज बाजार की तेजी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 3 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 373.44 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 370.44 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.97 लाख करोड़ रुपये का फायदा हो गया।

आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 3,942 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,111 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,744 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 87 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,143 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,116 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान और 1,027 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 19 शेयर बढ़त के साथ और 11 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल शेयरों में से 31 शेयर हरे निशान में और 19 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स आज 426.89 अंक की मजबूती के साथ 72,148.07 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद से ही खरीदारों ने अपना जोर बना दिया, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। हालांकि कारोबार के दौरान यदा-कदा मुनाफावसूली के चक्कर में बिकवाली भी होती रही, जिसकी वजह से इस सूचकांक को मामूली झटका भी लगता रहा। लेकिन बाजार में खरीदारी का जोर इतना अधिक था कि ये सूचकांक लगातार ऊपर चढ़ता गया। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 999.78 अंक उछल कर अभी तक के सर्वोच्च स्तर 72,720.96 अंक तक पहुंच गया। हालांकि कारोबार के आखिरी दौर में हुई मामूली मुनाफावसूली के कारण सेंसेक्स रिकॉर्ड ऊंचाई से थोड़ा नीचे गिर कर 847.27 अंक की बढ़त के साथ 72,568.45 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एनएसई के निफ्टी ने आज 126.35 अंक की उछाल के साथ ऑल टाइम हाई ओपनिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 21,773.55 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद लगातार हो रही खरीदारी का सपोर्ट इस सूचकांक को भी मिला, जिसके कारण ये सूचकांक तेजी के रास्ते पर चलते हुए 281.05 अंक की बढ़त के साथ अभी तक के सर्वोच्च स्तर 21,928.25 अंक तक पहुंच गया। हालांकि आखिरी आधे घंटे के कारोबार में मुनाफावसूली के कारण हुई बिकवाली की वजह से निफ्टी ऊपरी स्तर से थोड़ा नीचे फिसल कर 247.35 अंक की मजबूती के साथ 21,894.55 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

चेहरे का निखार बढ़ाता है फेस मास्क, जानें किस स्किन टाइप के लिए कौन-सा है बेस्ट

शायद ही कोई ऐसा हो जो अपनी त्वचा को निखारना नहीं चाहता है। खूसबूरत दिखने के लिए लोग कई उपाय अपनाते हैं। इन्हीं उपायों में से एक फेस मास्क का इस्तेमाल है जिसे लोग अक्सर स्किन को निखारने के लिए करते हैं। हालांकि त्वचा को सॉफ्ट और ग्लोइंग बनाने के लिए सही फेस मास्क का चुनाव करना बेहद जरूरी है।

फेस मास्क से स्किन को कम समय में ही अधिक पोषण मिलता है और मास्क के प्रकार के हिसाब से स्किन को नमी मिलती है। इसके इस्तेमाल से चेहरा फ्रेश और साफ होता है। साथ ही स्किन और भी सॉफ्ट होती है और ग्लो करती है, लेकिन अगर फेस मास्क स्किन टाइप के हिसाब से हो, तभी इसका फायदा मिलता है। गलत फेस मास्क का इस्तेमाल करने के नुकसान भी हो सकते हैं। आइए जानते हैं कि किस स्किन के लिए कौन सा फेस मास्क बेहतर होता है-

क्रीम मास्क

ये मास्क हर प्रकार की स्किन के लिए उपयोगी है। सबसे ज्यादा यह ड्राइ स्किन के लिए बेस्ट है, क्योंकि यह स्किन को मॉइश्चराइज करता है और इसकी नमी लंबे समय तक बनाए रखता है।

क्ले मास्क

यह ऑयली स्किन के लिए बेस्ट होता है। जिस स्किन पर मुंहासे अधिक होते हैं, उनके लिए ये मास्क बहुत फायदेमंद है। यह तेल सोखता है और शाइन को कंट्रोल करता है।

चारकोल मास्क

यह मास्क ऑयली स्किन के लिए बेहतर है। यह स्किन को डी-क्लॉग करता है और इसे अंदर से साफ करता है, जिसे डीप क्लींजिंग कहते हैं।

शीट मास्क

यह हर तरह की स्किन के लिए बेस्ट है। यह स्किन को पोषण देता है, इसे नमी देता है और लंबे समय तक हाइड्रेटेड रखता है।

एंजाइम मास्क

ये भी हर तरह की स्किन के लिए बेहतर है। यह मृत कोशिकाओं को एक्सफोलिएट कर के निकालता है।

बबल मास्क

हर प्रकार की स्किन के लिए ये मास्क उपयोगी है। यह स्किन को ऑक्सिजिनेट करता है और उसे मुलायम बनाया है।

जेल मास्क

यह वैसे तो हर प्रकार की स्किन के लिए फायदेमंद होता है, लेकिन जिनकी सेंसिटिव स्किन होती है, उन्हें खास तौर पर ये फायदा पहुंचाता है। सेंसिटिव स्किन वाले किसी भी प्रकार के मास्क का इस्तेमाल नहीं कर पाते हैं। उनके लिए ये बेहतरीन इसलिए होता है क्योंकि यह स्किन को कूलिंग इफेक्ट देता है और साथ ही स्किन को बहुत मुलायम बनाने के साथ बहुत ही आराम पहुंचाता है।

एक्सफोलिएटिंग मास्क

यह सभी प्रकार की स्किन को सूट करता है, लेकिन जिनकी सेंसिटिव स्किन होती है, उन्हें इसका प्रयोग बच कर करना चाहिए।

कांग्रेस-वाम को सीटों के बंटवारे से कुछ राज्यों में लाभ संभव

कांग्रेस निश्चित रूप से इंडिया ब्लॉक की प्रमुख पार्टी है, तथा वामपंथियों सहित सभी भाजपाविरोधी ताकतों की लामबंदी से इसकी संभावनाएं और अधिक उज्ज्वल हो गई हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों में सांप्रदायिकता और अधिनायकवाद की ताकतों के खिलाफ लड़ाई में देश को आगे ले जाने के लिए कांग्रेस और वामपंथियों को एक ठोस कार्यक्रम के साथ गठबंधन का आधार तैयार करना होगा।इंडिया ब्लॉक के घटक दलों के बीच सीट बंटवारे को लेकर बातचीत जोर-शोर से शुरू हो गई है। कांग्रेस आलाकमान ने अंतत- प्रत्येक राज्य में राजनीतिक स्थिति की बारीकियों को ध्यान में रखते हुए भारत के साझेदारों के बीच समझौतों को शीघ्र पूरा करने की आवश्यकता को समझा है। यह एक स्वागत योग्य घटनाक्रम है।

शुरुआत करने के लिए, कांग्रेस और दो वामपंथी दल सीपीआई और सीपीआई (एम) केरल के साथ एक अलग स्तर पर व्यवहार करने पर सहमत हुए हैं, जहां सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाला वाम मोर्चा और कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट लड़ेंगे। 20 लोकसभा सीटों के लिए वहां दोनों आपस में ही चुनाव लड़ेंगी परन्तु जो भी जितनी भी सीटें जीतेगी वह इंडिया ब्लॉक की ही जीत होगी क्योंकि वहां भाजपा उनके लिए कोई खतरा नहीं है। फिर बात बंगाल की है जहां वाम मोर्चा बेहद कमजोर स्थिति में है और उसने राज्य में भाजपा और तृणमूल कांग्रेस दोनों से लड़ने का फैसला किया है। अगर कांग्रेस तृणमूल के साथ गठबंधन करने का फैसला लेती है, तो वामपंथी छोटे सहयोगी आईएसएफ के साथ लोकसभा चुनाव अकेले लड़ेंगे।इसके अलावा चार राज्य हैं, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, बिहार और झारखंड जहां इंडिया गुट एक साथ काम कर रहा है और कांग्रेस प्रमुख राजनीतिक पार्टी नहीं बल्कि साझेदारों में से एक है। इनमें से पहले से ही द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन के तहत तमिलनाडु में सीपीआई और सीपीआई (एम) के पास दो-दो सीटें हैं। उम्मीद है कि यह पैटर्न 2024 के चुनावों में भी जारी रहेगा। अन्य तीन राज्यों में, बिहार में, सीपीआई एक सीट के लिए बातचीत कर रही है, जबकि अधिक शक्तिशाली सीपीआई (एमएल) लिबरेशन न्यूनतम दो सीटों के लिए बातचीत कर रही है। जद (यू) और राजद दोनों को अंतत- यह स्वीकार करना पड़ सकता है।अब, ऐसे राज्य हैं, जहां कांग्रेस भाजपा या गैर-इंडिया गठबंधन वाली क्षेत्रीय पार्टी से लड़ने वाली इंडिया ब्लॉक की मुख्य पार्टी है। साथ ही, सीपीआई और सीपीआई (एम) के पास भी अपने छोटे आधार हैं जो इंडिया गठबंधन के उम्मीदवारों की जीत में प्रभावी योगदान दे सकते हैं। ये राज्य हैं असम, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, राजस्थान और छत्तीसगढ़।असम में लोकसभा की 14 सीटें हैं। वर्तमान में नौ भाजपा के पास, तीन कांग्रेस के पास, एक एआईयूडीएफ के साथ और एक निर्दलीय हैं। इंडिया ब्लॉक में प्रमुख पार्टी के रूप में कांग्रेस सीपीआई (एम) और सीपीआई को एक-एक सीट देने पर विचार कर सकती है। दोनों पार्टियों का विशिष्ट आधार है और उनके पास पहले भी लोकसभा में सदस्य थे।

असम को मुख्यमंत्री डॉ. हिमंतबिस्वा शर्मा के नेतृत्व वाले एनडीए का मुकाबला करने के लिए एक मजबूत इंडिया ब्लॉक के संयोजन की आवश्यकता है।फिर ओडिशा में 21 सीटें हैं जिनमें से 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेडी को 12, भाजपा को 8 और कांग्रेस को एक सीट मिली थी। इंडिया गठबंधन को भाजपा और बीजद दोनों से लड़ना है। दोनों को प्रभावी ढंग से टक्कर देने के लिए कांग्रेस आसानी से सीपीआई और सीपीआई (एम) को एक-एक सीट दे सकती है। दोनों पार्टियों का जिलों में सीमित आधार है और वामपंथी जन संगठनों के सक्रिय समर्थन से कांग्रेस को अत्यधिक लाभ होगा।जहां तक आंध्र प्रदेश की बात है तो यह राज्य कभी कम्युनिस्टों का गढ़ था, लेकिन अब यहां जगनमोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआरसीपी का दबदबा है। 2019 के चुनाव में राज्य की 25 सीटों में से वाईएसआरसीपी को 22 और टीडीपी को दो सीटें मिली थीं, जबकि भाजपा और कांग्रेस को कोई सीट नहीं मिली। जगन की बहन के कांग्रेस में शामिल होने से प्रदेश कांग्रेस थोड़ी मजबूत हुई है, परन्तु यह पर्याप्त नहीं है। ऐसे कुछ निर्वाचन क्षेत्र हैं जहां वामपंथियों का समर्थन आधार दस प्रतिशत से अधिक है। टीडीपी भाजपा के साथ जा सकती है, इसलिए कांग्रेस और दोनों कम्युनिस्ट पार्टियों का संपूर्ण गठबंधन अच्छी चुनावी टक्कर दे सकता है। सीपीआई और सीपीआई (एम) दोनों को कांग्रेस एक से दो सीटें दे सकती है।

इसी तरह राजस्थान में चार सीटों पर सीपीआई (एम) का मजबूत आधार है। हालांकि पार्टी पिछले विधानसभा चुनाव में अपनी सीटें हार गई, लेकिन वह राज्य की एक सीट से चुनाव लड़ने और जीतने की क्षमता रखती है। चुनावी गठबंधन को मजबूत करने के लिए कांग्रेस को राजस्थान में सीपीआई (एम) को एक सीट देने पर विचार करना अच्छा रहेगा। कांग्रेस को समाजवादी पार्टी से भी बातचीत करनी होगी क्योंकि पार्टी का राज्य में चार से पांच लोकसभा क्षेत्रों में अच्छा जनाधार है।

संक्षेप में, इस चुनावी लड़ाई में इंडिया ब्लॉक का उद्देश्य घटक राजनीतिक पार्टियों की संगठनात्मक शक्ति का इष्टतम उपयोग करना होना चाहिए। कांग्रेस निश्चित रूप से इंडिया ब्लॉक की प्रमुख पार्टी है, तथा वामपंथियों सहित सभी भाजपाविरोधी ताकतों की लामबंदी से इसकी संभावनाएं और अधिक उज्ज्वल हो गई हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों में सांप्रदायिकता और अधिनायकवाद की ताकतों के खिलाफ लड़ाई में देश को आगे ले जाने के लिए कांग्रेस और वामपंथियों को एक ठोस कार्यक्रम के साथ गठबंधन का आधार तैयार करना होगा।

संपादकीय

लोकतंत्र की रक्षा का विकल्प

महाराष्ट्र में जून 2022 से चल रहे राजनैतिक प्रहसन में 10 जनवरी को फिर एक नया मोड़ आया। विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर ने शिवसेना में दो फाड़ करने वाले एकनाथ शिंदे और उनके गुट के सभी विधायकों की अयोग्यता पर अपना फैसला सुना दिया। अनुमान के मुताबिक फैसला शिंदे गुट के पक्ष में ही आया। राहुल नार्वेकर ने 1999 के शिवसेना के संविधान को मान्य कहते हुए शिंदे गुट को ही असली शिवसेना माना है। इससे पहले शिवसेना के नाम और निशान लड़ाई में भी चुनाव आयोग ने भी शिंदे गुट के पक्ष में फैसला सुनाया था। महाराष्ट्र का मामला इससे पहले सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच चुका है, जहां अदालत ने शिंदे सरकार को बने रहने के निर्देश दिए थे लेकिन विधानसभा अध्यक्ष को विधायकों की अयोग्यता पर फैसला सुनाने कहा था।अदालत ने श्री नार्वेकर को 31 दिसंबर तक फैसला सुनाने का निर्देश दिया था, लेकिन फिर भी समय सीमा 10 दिन बढ़ा दी गई। इस फैसले को सुनाने में चाहे लंबा वक्त लिया गया हो, लेकिन सभी को अहसास था कि भाजपा के राज में किसी भी तरह उद्धव गुट को जीत नहीं मिलेगी। अब फैसले के पीछे चाहे जो तर्क दिए जाएं, यह तो जाहिर ही है कि भाजपा के सहयोग से एक पार्टी में फूट डालकर, उसके मंत्रियों और विधायकों को खरीदकर भाजपा को सत्ता में लाया गया। पिछले चुनावों में महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी की सरकार बनी थी, जिसमें भाजपा को विपक्ष में बैठना पड़ा था, लेकिन 2022 में भाजपा ने आपरेशन लोटस चलाया और सत्ता में आ गई। उसके बाद से शिवसेना में नाम, निशान और सत्ता की लड़ाई चली, जिस पर बुधवार को उद्धव गुट को एक और मात मिली है। बुधवार का फैसला आने से पहले स्पीकर श्री नार्वेकर और मुख्यमंत्री श्री शिंदे की मुलाकात भी हुई थी, जिस पर उद्धव गुट ने सवाल उठाए थे, लेकिन अब इंसाफ की लड़ाई में नीयत और नैतिकता के सवाल हाशिए पर धकेले जा रहे हैं।फ्रेंच भाषा का एक शब्द है-देजा वू, यानी ऐसी कोई घटना या बात जिसे देख-सुनकर महसूस हो कि ऐसा पहले भी हुआ है। बस याद नहीं आता कि कब और कहां। महाराष्ट्र के ताजा प्रकरण को देखकर देजा वू जैसा अनुभव तो हुआ है, लेकिन जरा सा याददाश्त पर जोर डालें तो याद आ जाएगा कि लोकतंत्र का मखौल उड़ाने वाली ऐसी एक नहीं कई घटनाएं पिछले 10 सालों में देश में हुई हैं। जैसे राम मंदिर-बाबरी मस्जिद विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने माना कि बाबरी मस्जिद को तोड़ना गलत था, लेकिन फिर भी राम मंदिर उसी जगह बनाने की अनुमति भी दे दी।

गलती करने वालों को कोई सजा भी अब तक नहीं हुई और राम मंदिर का राजनैतिक उद्घाटन करने की तैयारी हो गई है। इसी तरह महाराष्ट्र मामले में भी 11 मई 2023 को अपने अहम फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने उद्धव ठाकरे की सरकार बहाल न करने का फैसला सुनाया था, क्योंकि श्री ठाकरे ने मुख्यमंत्री पद से खुद ही इस्तीफा दिया था। मगर इसके साथ ही इस पूरे प्रकरण में यह भी माना था कि शिवसेना के दूसरे गुट के व्हिप को मान्यता देकर विधानसभा अध्यक्ष ने गलत किया। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा था कि राज्यपाल ने फ्लोर टेस्ट करने का जो आदेश सुनाया था, वह गलत था। विधानसभा अध्यक्ष और राज्यपाल ने जो गलत किया, वो सही कैसे होगा, इसका कोई सूत्र अदालत के फैसले से नहीं मिला। अलबत्ता उद्धव ठाकरे को अपने एक साथी द्वारा दिए गए धोखे के बाद इस्तीफा देने की सजा सत्ता से बाहर होकर चुकानी पड़ी।अरुणाचल प्रदेश, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, गोवा, महाराष्ट्र, बिहार, पिछले 10 सालों में इन राज्यों में भाजपा का किसी न किसी तरह सत्ता में आना, राजनीति शास्त्र के विद्यार्थियों के लिए अध्ययन और शोध का विषय हो सकता है। विश्व में लोकतंत्र की सर्वाधिक प्रचलित परिभाषा है, जनता का, जनता के लिए, जनता द्वारा शासन। लेकिन भारत में भाजपा के छत्र चले एक नयी परिभाषा और अध्याय लोकतंत्र के नाम पर लिखा जा चुका है। जिसमें तंत्र गाढ़े अक्षरों में लिखा हुआ है, और लोक को हाशिए पर धकेल दिया गया है। महाराष्ट्र में शिवसेना के प्रकरण के बहाने देश की अदालत और चुनाव आयोग जैसी स्वायत्त संस्था के पास सुनहरा मौका था कि वे लिखे हुए नियमों और कानूनों पर आंख मूंदकर चलने की जगह नैतिकता पर बल देते हुए गलत और सही के बीच के भेद को उजागर करते। इससे आईदा कोई भी राजनैतिक दल कानून की कमजोरियों और अपनी ताकत का इस्तेमाल कर लोकतंत्र के अपहरण की गुस्ताखी नहीं करता। मगर ऐसा नहीं हुआ।अब महाराष्ट्र फिर उस मोड़ पर पहुंच गया है, जहां शिवसेना और समूचे लोकतंत्र के लिए एक नयी लड़ाई का रास्ता खुल गया है। उद्धव ठाकरे ने बुधवार को फैसला आने से पहले ही कह दिया था कि- %यह वह मामला है जो साबित करेगा कि देश में लोकतंत्र बचेगा या नहीं।% यह देश में लोकतंत्र के लिए निर्णायक कारक बनने जा रहा है। उद्धव ठाकरे अब शायद सुप्रीम कोर्ट जाने का फैसला लें।

राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का बहिष्कार कर कांग्रेस ने एक बड़े मौके को गंवा दिया

देश के पूर्व प्रधानमंत्री और जीवन भर कांग्रेस में रहने वाले पीवी नरसिम्हा राव ने कहा था कि, ÷हम बीजेपी से लड़ सकते हैं लेकिन भगवान राम से कैसे लड़ सकते हैं?÷ लेकिन ऐसा लगता है कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के आमंत्रण को ठुकरा कर कांग्रेस ने कुछ ऐसी ही गलती कर दी है। कांग्रेस ने राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में नहीं जाने के अपने फैसले को सही ठहराने के लिए चाहे जो भी तर्क दिए हों या आने वाले दिनों में पार्टी के नेता चाहे जो भी तर्क दें, एक बात तो शीशे की तरह साफ है कि देश का बहुसंख्यक हिंदू जनमानस उसे स्वीकार नहीं करेगा। दरअसल, आजादी के पहले से ही कांग्रेस बहुसंख्यक समाज यानी हिंदुओं के हितों को लेकर थोड़ी कंफ्यूज रही है। देश के विभाजन और भारत की आजादी के बाद भी कांग्रेस के अंदर यह कंफ्यूजन बरकरार रहा। उस जमाने में भी कांग्रेस के ज्यादातर नेता हिंदुओं के हितैषी थे और धर्म के आधार पर हुए देश के विभाजन के बाद मुस्लिमों को किसी भी सूरत में रियायत देने के पक्ष में नहीं थे। लेकिन सरदार वल्लभ भाई पटेल की मृत्यु होने के बाद कांग्रेस में ऐसी सोच रखने वाले नेता किनारे होते चले गए और कांग्रेस धीरे-धीरे मुस्लिमों के पक्ष में पूरी तरह से झुकती चली गई।कांग्रेस की छवि देश में किस हद तक मुस्लिम परस्त पार्टी की बन गई, इसका अंदाजा कांग्रेस के अपने वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री एके एंटनी की रिपोर्ट से लगाया जा सकता है। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी से बुरी तरह हारने के बाद कांग्रेस की तत्कालीन अध्यक्षा सोनिया गांधी ने हार के कारणों का विश्लेषण करने के लिए एके एंटनी की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया था। इस कमेटी ने यह माना था कि देश के अधिकांश हिंदुओं ने कांग्रेस को मुस्लिमों की पार्टी मान कर वोट नहीं किया।हालांकि इसके बाद कांग्रेस ने फिर से सॉफ्ट हिंदुत्व की तरफ लौटने का प्रयास भी किया। गुजरात में 2017 में हुए विधानसभा चुनाव में राहुल गांधी ने सॉफ्ट हिंदुत्व की तरफ लौटकर भाजपा को जबरदस्त टक्कर दी और उस चुनाव में भाजपा बहुत ही मुश्किल से अपनी सरकार बचा पाई थी लेकिन इसके बाद कांग्रेस फिर से अपने उसी पुराने ढर्रे पर लौट गई।कांग्रेस की दुविधा लगातार बढ़ती जा रही है। जिस कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और कमलनाथ अपने-अपने राज्य में भगवान राम को सर-माथे लगाकर भाजपा की हिंदुत्व की राजनीति को काटने का प्रयास करते रहे हैं और कमलनाथ तो आज भी अपने प्रयास में जुटे हुए है उसी कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व ने रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के निमंत्रण को ठुकरा दिया है। अब यह कहा जाने लगा है कि राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का बहिष्कार कर कांग्रेस ने एक बड़े मौके को गंवा दिया है। देश की राजनीति में नरेंद्र मोदी के दौर की शुरुआत होने के बाद से ही लगातार अल्पसंख्यकवाद और तुष्टिकरण की राजनीति पीछे होती जा रही है और कांग्रेस भी इसी बखूबी समझ रही है। कांग्रेस के ज्यादातर नेताओं को इस बात का अहसास है कि अब देश के बहुसंख्यक समाज हिंदुओं को साथ लिए बिना सिर्फ अल्पसंख्यकों की राजनीति करके भाजपा को हराना मुश्किल ही नहीं बल्कि नामुकिन भी है। वास्तव में राम मंदिर का यह कार्यक्रम कांग्रेस के लिए एक बड़ा मौका था जब वह एक नई राजनीति की शुरुआत करते हुए देश के बहुसंख्यक समाज को यह भरोसा दिला सकती थी कि कांग्रेस अब बिना किसी भेदभाव के सबको साथ लेकर आगे चलने को तैयार है लेकिन दुर्भाग्य से कांग्रेस ने इस बड़े मौके को गंवा दिया है और अब अपने राजनीतिक स्टाइल के मुताबिक भाजपा आक्रामक प्रचार अभियान के जरिए कांग्रेस को हर स्तर पर घेरने और बेनकाब करने की कोशिश करेगी जिसका सामना कर पाना या जवाब दे पाना कांग्रेस नेताओं के लिए आसान नहीं होगा। देश के राजनीतिक माहौल को देखते हुए यह भी कहा जा सकता है कि बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक दोनों को साधने का प्रयास कर रही कांग्रेस की हालत अंत में %न माया मिली न राम वाली% हो सकती है।

शरबती आंखों की कैसे करें सुरक्षा

आधुनिकता के बढ़ते दौर के कारण आज रोज-मर्रा की जिंदगी में कई मशीनों ने जगह बना ली है और इन सबमें सबसे आम है कम्प्यूटर। आज अधिकांश लोग दिन के 24 घंटों में से 10-12 घंटे कम्प्यूटर के सामने ही बिता रहे हैं।

दिनभर ऑफिस में काम करते हुए तो कम्प्यूटर स्क्रीन आंखों के सामने रहती ही है और घर में इसका स्थान टीवी ले लेती है। ऑफिस जाने वाले लोगों की तो मजबूरी है कि उन्हें इतने समय कम्प्यूटर पर काम करना पड़ता है क्योंकि आज अधिकांश कार्यालयों में बिना कम्प्यूटर के काम ही नहीं होता, लेकिन स्कूल, कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों के लिए तो यह इतना अहम हो गया है कि इसके बिना वे अपने आप को असहाय महसूस करने लगते हैं। अगर वे कम्प्यूटर से हटते तो मोबाइल में लग जाते।

स्वभाविक सी बात है कि इतना समय कम्प्यूटर, टीवी, मोबाइल के सामने बिताना आपकी आंखों के लिए अच्छा नहीं है। आपकी आंखों पर इसका बुरा असर पड़ना लाजमी है। लेकिन अपनी आदतों में सुधार कर आप आंखों को इसके प्रभावों से बचा सकते हैं। नीचे दिए कुछ उपयोगी टिप्स अपनाएं और आंखों को स्वस्थ रखें।

▶ आपकी आंखों की सेहत के लिए जरूरी है कि आपके कम्प्यूटर की जमावट सही हो। मॉनीटर, कीबोर्ड का सही जगह होना बेहद जरूरी है। ध्यान रहे मॉनीटर की आपकी आंखों से दूरी एक हाथ बराबर हो और वह आंखों के लेवल से 20 डिग्री नीचे हो। कीबोर्ड भी ऐसी जगह होना जाहिए जहां आपको टाइप करने में कोई भी दुविधा न हो।

▶ आप जहां बैठे हैं उस कमरे का प्रकाश फैला हुआ होना चाहिए। आपके सिस्टम पर प्रकाश सीधे नहीं पड़ना चाहिए। अपने सिस्टम के कलर, कंट्रास और ब्राइटनेस को अपने अनुसार सेट करें जो आपकी आंखों के लिए सहज हो।

▶ आप अपने चश्मे के लेंस पर एंटी-रिफ्लेक्टिव पर्त लगवा सकते हैं जो आपकी आंखों को कम्प्यूटर से निकलने वाली हानिकारक किरणों से बचाएगा। इसके अलावा आप आंखों के डॉक्टर से कन्सल्ट कर एक खास चश्मा बनवा सकते हैं जो विशेषकर उन लोगों के लिए बनाया जाता है जो कम्प्यूटर का अधिक इस्तेमाल करते हैं।

▶ हमेशा 20-20-20 नियम याद रखें। इन तीन स्टेप्स को अपनाकर आप आंखों की हिफाजत बखूबी कर सकते हैं।

● कम्प्यूटर पर काम करते हुए हर 20 मिनिट बाद अपने सिर को घुमाएं और ऐसी किसी वस्तु पर नजर डालें जो कम से कम आप से 20 फीट दूर हो। ऐसा करने से आपकी आंखों की फोकस दूरी बदलेगी जो आंखों को स्वस्थ रखने में मदद करेगी।

● छोटा-सा ब्रेक लें और उसमें अपनी पलकों को लगातार 20 बार झपकाए। ऐसा करने से आंखों की नमी बरकरार रहेगी।

● एक ही पोजीशन में बैठे रहने से अच्छा है कि आप हर 20 मिनिट में उठकर 20 कदम चलें। ऐसा करना आपकी आंखों के साथ-साथ पूरे शरीर के लिए लाभप्रद है। इससे आपके पूरे शरीर में रक्त का प्रवाह आसानी से होगा। अन्यथा एक ही जगह बैठे रहने से रक्त प्रवाह में रुकावट आ जाती है।

▶ हम औसतन एक मिनिट में 12 बार पलक झपकाते हैं, लेकिन क्या आपको पता है जब हम कम्प्यूटर पर काम करते हैं तो एक मिनिट में सिर्फ 5 बार ही पलकें झपकती हैं। जिस कारण हमारी आंखों की नमी कम हो जाती है। और यही कमी हमारी असहजता का कारण बन जाती है। इससे बचने के लिए जरूरी है कि आप पलक झपकाना न भूलें और आंखों को नम बनाए रखने के लिए जेल या कृत्रिम आंसुओं का उपयोग करें।

▶ काम करते समय हमेशा तनकर बैठे ताकि आपका मेरूदंड सीधा रहे। अपनी हथेलियां आपस में तब तक रगड़ें जब तक कि वे थोड़ी गर्म न हो जाएं। हथेलियों की यह गर्माहट आपक?ी थकी हुई आंखों को आराम पहुंचाएगी। अपनी इन गर्म हथेलियों को हल्के से आंखों पर रखें और 60 सेकेण्ड तक आराम करें। अपने मन में ये 60 सेकेण्ड गिनें और जब भी आपकी आंखे थक जाएं तब कम से कम दो से तीन बार इस एक्सरसाइज को करें।

▶ ब्रेक के दौरान अपने चेहरे और आंखों को सादे पानी से धोएं। ऐसा करने से आप फ्रेश फील करेंगे।

▶ सुबह ऑफिस आने से पहले उपयोग किए गए दो टी-बैग्स फ्रिज में रखना न भूलें और जब आप घर जाएं तो इन टी-बैग्स को आंखों पर कुछ मिनिटों के लिए रखें। यह आपकी थकी हुई आंखों को आराम देने के साथ-साथ उनकी सूजन भी कम करेगा।

▶ आंखों को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी है उचित खान-पान। अपने रोजाना के खाने में विटामिन ए, सी और ई से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करें। हरी पत्तेदार सब्जियां, टमाटर, चिकन और दुग्ध उत्पादों को भी अपने आहार में शामिल करें। अगर आप अपनी आंखों को स्वस्थ रखना चाहते हैं तो इन टिप्स को अपनाने के साथ समय-समय पर आंखों की जांच कराना न भूलें।

सर्द मौसम में महिलाएं रखें सावधानी

बदलते मौसम का अर्थ ढेरों बीमारियों को बुलावा। ऐसे में महिलाओं को अपना विशेष ध्यान रखना होता है। महिलाओं को कई प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बीमारी उन्हें जब तक पूरी तरह से न पकड़ ले, वे चिकित्सक के पास जाना पसंद नहीं करती हैं। लापरवाही के कारण कभी-कभी बीमारियां इतनी गंभीर हो जाती हैं कि इलाज असंभव हो जाता है। पहले महिलाएं अज्ञानता के चलते ऐसा करती थीं। आज महिलाएं शिक्षित और समझदार हैं लेकिन आज भी सिर्फ ध्यान न देने की वजह से बीमारियां ने गंभीर रूप ले लेती हैं। महिलाओं को चाहिए कि अपनी सेहत का विशेष ध्यान रखें और समय-समय पर डॉक्टरी परामर्श लेते रहें। * व्यायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लें। व्यायाम ज्यादा पकाऊ न हो, इसके लिए रोज कुछ नया करने का प्रयास करें। जैसे सोमवार को सैर, मंगलवार को योग, बुधवार को एक्सरसाइज आदि। *व्यायाम करते समय अपनी पसंद का म्यूजिक सुनना बहुत जरूरी होता है। इससे मन प्रसन्न होता है, और शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। * खाने में हरी सब्जी, फल, सलाद और जूस का नियमित सेवन करें। तेल-घी का ज्यादा उपयोग न करें। महिलाएं एक गिलास दूध प्रतिदिन पिएं। कैल्शियम और सोयायुक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें। * बदलते मौसम में मॉइश्चराइजर का उपयोग करें। त्वचा को स्वस्थ रखने के लिए एलोवेरा का उपयोग भी कर सकते हैं। दिनभर में लगभग 18 से 20 गिलास पानी पीने से आधी से ज्यादा बीमारियां दूर रहती हैं। * विटामिन, एंटीऑक्सीडेंट दवाइयों का सेवन करें। महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर और बच्चादानी के कैंसर की समय-समय पर जांच कराती रहें। साथ ही अन्य चेकअप भी कराती रहें। * जो भी खाएं और पकाएं, हमेशा धोकर खाएं। कफ कोल्ड वाले इंसानों से दूर रहें। जितना हो सके बीमारियों से बचकर रहें।

ठंड से बचाएं अपने नन्हे से दिल को

जाड़े की दस्तक के साथ ही मौज-मस्ती का सिलसिला शुरू हो रहा है। क्रिसमस से लेकर पूरे जनवरी महीने तक बेफिक्री का आलम रहेगा। रंग में भंग डालने की मेरी कोई मंशा नहीं है लेकिन मौज-मस्ती के अपने धांसू आइडिया के साथ अपने दिल की खैरियत के खयाल की गठरी भी बांध लें तो बेहतर होगा। इस दौरान दिल की तरफ से बेतकल्लुफ हो जाना खतरे से खाली नहीं है। ब्रिटेन के चर्चित कवि टीएस इलियट की तर्ज पर कहें तो दिल की परवाह नहीं की तो ये महीने सबसे निर्दयी साबित हो सकते हैं। खाने-पीने का दौर ही नहीं, जाड़े की ठिठुरन भी घातक साबित होती है। सीधे कहें तो इन महीनों में दिल के दौरे का खतरा बहुत बढ़ जाता है। उच्च रक्तचाप से पीड़ित लोग तो खास खयाल रखें। हृदय रोगों के लिए ये महीने सबसे घातक होते हैं। ठंडे मौसम का हृदय रोगों से गहरा संबंध होता है। हृदय एवं रक्त संचार कई तरह से प्रभावित होते हैं। गाढ़ा हो जाने से रक्त का लसलसापन बढ़ जाता है। पतली रक्त नलिकाएं और संकरी हो जाती हैं। इससे रक्त का दबाव बढ़ जाता है, दिल की धड़कन बढ़ जाती है। यह स्थिति दिल के मरीजों के लिए तो ठीक नहीं ही है, उनके दिलों के लिए भी घातक हैं जो मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा एवं कोलेस्ट्रॉल जैसे जोखिम कारकों से लैस हैं। इस मौसम में श्वसन से संबंधित बीमारियां होती हैं जो दिल पर बुरा असर डालती हैं। जाड़े में लोग शराब का अधिक सेवन करते हैं। उच्च रक्तचाप एवं खून को पतला करने सहित अन्य जरूरी दवाइयों से बचते हैं। मस्ती के दौरान उन लक्षणों को गंभीरता से नहीं लेते जो दिल के दौरे की तरफ इंगित करते हैं। छाती के दर्द तक को गैस या अपच के कारण हुआ समझने की भूल करते हैं। जाड़े में अधिक समय तक ठंड में रहने और खुली जगह में शारीरिक मेहनत करने से बचें तभी आपके दिल की गर्मजोशी बरकार रहेगी।

आहार जो दे आपको सर्दियों में गर्मी

सर्दी को हमारे यहां सेहत बनाने का मौसम माना जाता है। खूब सारे फल आते हैं, पाचन-शक्ति अच्छी होती है और खूब भूख भी लगती है। कहा जाता है कि इस मौसम में पत्थर भी पचाए जा सकते हैं। ऐसे में जो लोग जिम जाकर बॉडी बनाना चाहते हैं, उनके लिए भी यह मौसम बड़े काम का है।

इस मौसम में स्वस्थ रहने और सर्दी से बचने के लिए बाहरी उपायों के अतिरिक्त हमारे यहां खान-पान पर भी जोर दिया जाता है। इस मौसम में सर्दी-जुकाम होने की आशंका ज्यादा रहती है, ऐसे में अपने शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए एक्सपर्ट अपने खाने में नेचुरल एंटीऑक्सीडेंट्स को शामिल करने का सुझाव देते हैं। ठंड के मौसम में अपने खाने में आंवले को शामिल करें। सीधे नहीं खा सकते हैं तो या तो मुरब्बे के तौर पर या फिर किसी और तरह से हर दिन के खान-पान में इस्तेमाल करें। यदि आप डाइट चार्ट का पालन कर रहे हैं तो फिर आंवला मुरब्बा लेने की बजाय किसी और रूप में लें। इसके साथ ही अजवाइन भी शरीर को गर्मी देने का अच्छा स्रोत है। इससे भी आप कोल्ड एंड फ्लू से बचाव कर सकते हैं। गुड़ और शहद भी सर्दियों के दिनों में अच्छा माना जाता है। तिल्ली और गुड़ के लड्डू सर्दी से बचाव के लिए बेहतरीन उपाय माना जाता है। ठंड के मौसम में सूखे मेवे, बादाम आदि का सेवन भी लाभदायक होता है। या तो इन्हें भिगोकर खाएं या दूध में मिलाकर या फिर सूखे मेवों का दरदरा पावडर-सा बना लें और इसे दूध में मिलाकर प्रोटीन शेक-सा बना लें। पारंपरिक तौर पर सर्दियों के लिए मेवे के लड्डू बनाए जाते हैं। आटे, बेसन या फिर उड़द या मूंग की दाल के आटे से लड्डू बनाए जाते हैं। गुजरात में उड़द की दाल के आटे से बने लड्डुओं को अड़दिया कहा जाता है, जबकि पंजाब में इन्हें दाल की पिन्नियों के नाम से जाना जाता है। डाइट एक्सपर्ट यह मानते हैं कि सर्दियों में देशी घी का उपयोग किया जाना चाहिए। यदि आप किसी डाइट चार्ट को फालो नहीं कर रहे हैं तो घी इस मौसम में अच्छा रोग प्रतिरोधक माना जाता है। यदि आप शक्कर और घी से परहेज करते हैं तो मौसमी फलों का सेवन करें। ताजी सब्जियों और मौसम के फलों के साथ गर्म दूध भी सर्दियों के लिए अच्छा माना जाता है।

सूर्य-किरण थेरेपी क्या है?

वैज्ञानिकों की मान्यता है कि विविध रंगों का मानव के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर बड़ा प्रभाव पड़ता है और प्रत्येक रंग के अपने विशेष आरोग्यकारक गुण होते है। रंग असंतुलन अर्थात रंगों की कमी या अधिकता के कारण मनुष्य के शरीर में कई प्रकार के रोग उत्पन्न हो जाते हैं। सामान्य रूप से देखने पर सूर्य का प्रकाश सफेद ही दिखाई देता है पर वास्तव में वह सात रंगों का मिश्रण होता है। कांच के त्रिपार्श्व से सूर्य की किरणों को गुजारने पर दूसरी ओर इन सात रंगों को स्पष्ट देखा जा सकता है। किसी विशेष रंग की कांच की बोतल में साधारण पानी, चीनी, मिश्री, घी, ग्लिसरीन आदि तीन-चौथाई भरकर सूर्य की किरणें दिखाने से या धूप में रखने से उस कांच द्वारा सूर्य के प्रकाश से उसी रंग की किरणों को ग्रहण किया जाता है और उसी रंग का तत्व और गुण पानी आदि वस्तु में उत्पन्न हो जाता है और वह सूर्यतप्त (सूर्य किरणों द्वारा चार्ज की गई वस्तु रोग-निवारण गुणों और स्वास्थ्यवर्धक तत्वों से युक्त हो जाती है। इन सूर्यतापित वस्तुओं के उचित भीतरी और बाहरी प्रयोग से मनुष्य के शरीर में रंगों का संतुलन कायम रखा जा सकता है और अनेक प्रकार के रोगों को सहज ही दूर किया जा सकता है। यही सूर्य किरण चिकित्सा है। सूर्य की किरणों में सर्वरोगनाशक अद्भुत शक्ति है, यह बात हमारे ऋषि-मनीषी हजारों साल पहले अच्छी तरह जानते थे, परन्तु आधुनिक युग में सूर्य किरण चिकित्सा और रंग-चिकित्सा का अनुसंधान और विकास कार्य विदेशों में हुआ। अब सूर्य-किरण-चिकित्सा भारत में भी निरंतर लोकप्रिय होती जा रही है।

यस बॉस

कामकाजी लोगों का ज्यादातर वक्त दफ्तर में गुजरता है। ऐसे में अगर उनके बॉस तुनक मिजाज हैं, तो उनका ऑफिस का जीवन हो सकता है तनाव भरा। अलग-अलग मिजाज वाले बॉस से कैसे किया जा सकता है सामना और रखा जा सकता है खुद को व ऑफिस के माहौल को फिट।

उलझे व्यक्तित्व के बॉस

ऐसे मिजाज वाले बॉस से प्रशंसा पाना पत्थर में से पानी निकालने के बराबर होता है। आप अकेले होकर कितना भी बड़ा खिताब क्यों न जीत लें पर वे उसमें से भी खामी निकालने में नहीं चूकेंगे।

क्यों होते हैं ऐसे

वे लोग जो दूसरों में दोष निकालते हैं, वे खुद में भी कमियां महसूस करते हैं। वे सोचते हैं कि उनका छोटी-छोटी बातों पर आलोचना करना अधीनस्थ कर्मचारियों के लिए मददगार साबित होता है। ऐसे बॉस इस बात से चिंतित रहते हैं कि अगर वे आपकी प्रशंसा करते हैं, तो आप अपनी उन्नति से संतुष्ट हो जाते हैं और ठहर जाते हैं।

नुकसान

प्रशंसा और प्रोत्साहन के बिना कर्मचारियों का मनोबल कम हो जाता है और उनके उत्साह में कमी आ जाती है।

यूं कीजिए सामना

बॉस की ओर से प्रशंसा कभी नहीं मिलेगी, तो फिर इसकी उम्मीद छोड़ दें। किसी भी बड़े काम के बाद अपने बॉस से मीटिंग करें व कुछ सवाल पूछें जैसे कि क्या चीज सही रही इस क्षेत्र में मेरा सहयोग कैसा रहा यह आपके लिए सकारात्मक फीडबैक उत्पन्न करता है, जो कि आपको सही ढंग से काम करने में फायदा देता है।

बड़े बॉस

इस तरह के मिजाज वाले बॉस के दरवाजे पर हमेशा डू नॉट डिस्टर्ब की तख्ती लगी रहती है। वे रूखे स्वभाव के होते हैं, उन्हें चाय की पूछने के लिए भी आपको मानसिक तौर पर तैयार होना पड़ता है।

क्यों होते हैं ऐसे

उन्हें सदा अपनी खामियां उजागर होने का भय सताता है। मनोचिकित्सकों का मानना है कि वे हमेशा असमंजस में रहते हैं, यहां तक कि उन्हें अपनी उन्नति पर भी विश्वास नहीं होता।

नुकसान

इससे डरा देने वाली स्थिति बन जाती है। एक समस्या के बाद दूसरी समस्या पैदा हो जाती है।

यूं कीजिए सामना

आप अगर ऐसे बॉस के पास कोई भी समस्या लेकर जाते हैं, तो याद रखें कि उसका हल भी आप ही साथ ले जाएं, इस प्रकार के बॉस ऊपरी भावों से प्रभावित हो जाते हैं। इसलिए जब भी आप उनसे बात करें, तो केवल कॉन्सेप्ट व उसके फायदे के बारे में ही करें। विषय की गहराई तक न जाएं।

दोस्त या बॉस

बेस्ट फ्रैंड बॉस महिला कर्मचारियों पर विशेष ध्यान रखते हैं। उनका मकसद सिर्फ लोकप्रियता हासिल करना होता है, बजाय कामकाज के।

क्यों होते हैं ऐसे

ऐसे बॉस सभी कर्मचारियों को खुश रखने में माहिर होते हैं। उन्हें सभी पसंद करते हैं। वे किसी भी बात के लिए इंकार नहीं करते और न ही किसी तरह के कोई मतभेद पैदा करते हैं।

नुकसान

काम से जी चुराने वाले कर्मचारी मजे करते हैं और मेहनती कर्मचारी काम में उलझे रहते हैं।

यूं कीजिए सामना

उनके निर्णयों के लिए उन्हें ही जिम्मेदार ठहराएं। जैसे ही वे किसी बात के लिए मान जाएं, तो पहले अच्छी तरह से उनसे कहें कि मैं जो सोच रहा हूं इससे आप सहमत हैं और फिर उसे लिख लें। ऐसा करने से वे पीछे नहीं हटेंगे। फिर एक लिस्ट बनाएं, जिसमें पूरे काम का विवरण हो और ये भी नोट करें कि किस काम के लिए कौन जिम्मेदार है। अगर आप काम समय सीमा में व सही तरह से खत्म करना चाहते हैं, तो बेहतर रहेगा कि आप खुद ही सभी के पीछे पड़कर काम करवाएं, बजाए बॉस पर निर्भर रहने के।

सनकी बॉस

इनिशिएटिव व क्रिएटीविटी इस तरह के बॉस के लिए बुरे शब्द हैं। उनके पास न केवल आइडिया है, साथ ही उन्हें लागू भी कर लेंगे।

क्यों होते हैं ऐसे

साधारण तौर पर ये बॉस पूर्णतावादी होते हैं। वे चाहते हैं कि हर काम उनकी क्षमता अनुसार ही किया जाए। हर समय हताश रहने वाले ये बॉस खुद कुछ भी नहीं कर पाते।

नुकसान

जब भी आपकी रचनात्मकता को रोका जाएगा आप ऊबने लगेंगे और आपको निराशा हाथ लगेगी। अगर आपको कुछ नया सीखने का मौका नहीं मिला, तो आप आगे कैसे बढ़ेंगे।

यूं कीजिए सामना

आपको उनसे मुकाबला करना चाहिए, लेकिन भाषा पर काबू रखना जरूरी है। तुम ऐसे हो, तुमको व कभी नहीं का इस्तेमाल न करें। रिजॉल्विंग कॉनफ्लिक्ट के लेखक शेए मेकोनन कहते हैं कि अगर आप अपने बॉस से कहते हैं कि आपने मुझे कोई जिम्मेदारी नहीं दी है, तो सबसे पहले वे खुद को बचाने की कोशिश करेंगे फिर अपना स्पष्टीकरण देंगे, यह आपके लिए बेकार होगा। इसकी जगह अगर आप कहें कि मैं निर्णय लेने में शामिल होना चाहता हूं तो यह वाक्य आपकी जरूरत पर फोकस करेगा न कि बॉस के व्यवहार पर।

अपनाएं सही तरीका बालों की सफाई का

सिल्की, मुलायम, काले घने बाल मिनटों में नहीं बन जाते। उन्हें ऐसा बनाने के लिए, उनकी देखभाल के लिए पूरा समय निकालना होता है। अगर आप अपने बालों की देखभाल सही तरीके से करती हैं तो उन्हें बस कुछ ही मिनट में अपना मनचाहा स्टाइल दे सकती हैं। इसके लिए आपको ध्यान रखना है उनकी सफाई के सही तरीके पर। आजमाइए ये टिप्स –

- बालों को धोने के बाद अधिक देर तौलिए में लपेटे न रखें। अकसर लंबे बालों वाली स्त्रियां अपने बालों को धोने के बाद तौलिए से घुमाकर बालों को उसमें लपेट देती हैं। गीले बालों को संभालने का यह तरीका आपके लिए सुविधाजनक जरूर हो सकता है, लेकिन बालों के लिए खतरनाक। गीले बालों में अधिक देर तक तौलिया लपेटने से वे कमजोर हो जाते हैं और टूटते भी हैं। ऐसा करने से बचें।
- जरूरत से ज्यादा बालों को न धोएं। गर्मी में बालों का धोना रोज आवश्यक हो तो बेशक धोएं, लेकिन रोज शैंपू न लगाएं।
- बालों में सीधे शैंपू न लगाएं। थोडे से पानी में घोल कर गर्दन के पीछे पहले लगाएं, फिर ऊपर की तरफ हाथ करते हुए बालों में लगाएं।
- कंडीशनर का इस्तेमाल जब करें, तब कंघी की सहायता से पूरे बालों में उसे फैलाएं, ताकि कोई भी बाल छूटने न पाए।
- अपने बालों को ब्लो ड्राई न करें। अगर आप रात में बालों को धोती हैं, तब भी ब्लो ड्राई न करें। चाहें तो अपने तकिये पर मुलायम तौलिया रखकर सोएं।

टेबल सेटिंग

आप डायनिंग टेबल को दो तरह से सेट कर सकती हैं। एक वेस्टर्न स्टाइल दूसरा इंडियन।

वेस्टर्न स्टाइल

टेबल क्लॉथ

अगर टेबल का टॉप ग्लास या मार्बल का है, तो ढकने की जरूरत नहीं है। टेबल क्लॉथ का इस्तेमाल करना चाहती हैं तो व्हाइट या पेस्टल कलर्स का ही चयन करें। ऐसा बैकग्राउंड भोजन को एलिगेंट और सिम्पल लुक देता है।

टेबल मैट्स

टेबल क्लॉथ या मैट्स में से किसी एक का ही इस्तेमाल करना ठीक रहता है। हालांकि आजकल दोनों का ही प्रयोग किया जा रहा है ताकि टेबल क्लॉथ अनचाहे दागों से बचा रहे। टेबल के किनारे और कुर्सी के सामने मैट्स को रखें। मैट्स में समान दूरी रखें।

डिनर प्लेट्स

प्लेट को मैट के ठीक बीच में रखें जिस व्यक्ति को खाना खाना है उसके बिल्कुल सामने। टेबल के किनारे से 2.5 से.मी. की दूरी पर। बाकी के बर्तन प्लेट के अनुसार ही रखें।

कटलरी

कटलरी को कैसे सजाना है यह आपकी पसंद और आपका भोजन किस तरह का है उस पर निर्भर करता है। चाकूऔर चम्मच प्लेट के राइट साइड में रखे जाते हैं और फोक लेफ्ट में। नाइफ का तेज किनारा अंदर की ओर घुमा कर रखा जाता है। कटलरी प्लेट से 1.5 से.मी. की दूरी पर होना चाहिए और वह भी सीधी लाइन मे। डेजर्ट कैसा है उसी के मुताबिक डेजर्ट कटलरी का चयन करें। इस प्लेट के ऊपरी हिस्से में सामने की ओर रखें।

गिलास

रंगीन गिलासों का प्रयोग न करें। नाइफ से ऊपर की ओर इसका मतलब पानी का गिलास लेफ्ट साइड में।

नेपकिन्स

नेपकिन्स को प्लेट की लेफ्ट साइड में रखें चाहें तो प्लेट के ऊपर या फिर गिलास के अंदर भी रख सकती हैं।

इंडियन स्टाइल

प्लेट

हालांकि भारतीय भोजन में चपाती रसेदार सब्जी के साथ खाई जाती है इसलिए एक साइड प्लेट का होना जरूरी है। इसे डिनर प्लेट के लेफ्ट साइड में रखें। ध्यान रखें मैट पर डिनर प्लेट बीच में रहनी चाहिए। एक सीध में प्लेट्स होनी चाहिए। हाथ से खाने के कारण पानी के गिलास को प्लेट के लेफ्ट साइड में रखें।

बाउल

एक बड़ा बाउल जिसमें सब्जी होती है और छोटी कटोरियों में रायता डाला जाता है। इन्हें डिनर प्लेट के राइट साइड में रखा जाता है। भारतीय भोजन में केवल एक चम्मच, एक नाइफ और एक फोक का ही इस्तेमाल किया जाता है बजाय वेस्टर्न के। चाकू और चम्मच को प्लेट के राइट साइड में रखें और फोक को लेफ्ट पर। अगर सूप भी सर्व कर रही हैं, तो सूप बाउल को राइट साइड में रखें।

पोटैटो काठी रोल्स

सामग्री: 8 रोटी भर के लिए गेहूं का आटा, दूध, नमक स्वादानुसार, 1 टीस्पून शक्कर, चुटकीभर इलायची पाउडर।

टॉपिंग के लिए: दही, हरी धनिया.

फिलिंग के लिए: 4-5 उबले हुए आलू, 1 टीस्पून जीरा, 2 टीस्पून कद्दूकस किया हुआ अदरक, 1-2 कटी हुई हरी मिर्च, 1 कटी हुई शिमला मिर्च, 3-4 कटे हुए टमाटर, नमक व काली मिर्च पाउडर स्वादानुसार, गरम मसाला, कसूरी मेथी।

विधि: आटे में शक्कर, इलायची, नमक और दूध मिलाकर गूंध लें। आटे की लोई बना लें। पतली-पतली रोटियां बेलकर सेंक लें। फिलिंग के लिए आलू को छीलकर टुकड़ों में काट लें। फ्राइंगपैन में तेल गरम करके जीरा, हरी मिर्च और अदरक डालें। अब इसमें टमाटर, नमक और काली मिर्च मिलाएं। कटी हुई शिमला मिर्च, कसूरी मेथी, गरम मसाला, हरी धनिया और आलू के टुकड़े डालें। रोटी में उपरोक्त मिश्रण को भरकर लपेट कर रोल कर लें। दही के साथ गरमा गरम सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर करेंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधनों में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। आलस्य का त्याग करे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-1-4-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-2-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-3-5-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि व अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिलेगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): समाज में मान-सम्मान मिलेगा। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-1-3-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें। संतान की उन्नति के योग हैं। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रही अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-1-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सुख-आनंददायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए समय अच्छा रहेगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 1956

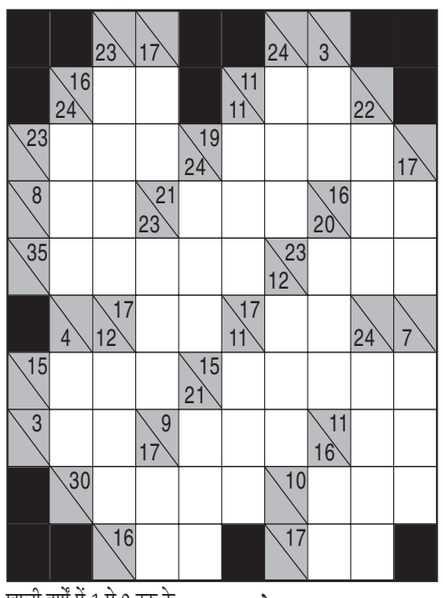

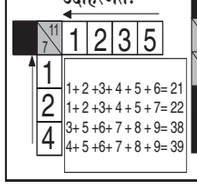

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 1955 का हल

लॉफिंग ज़ोन

विवाह के बाद प्रेमी ने प्रेमिका से कहा कि देखो अब हमारी शादी हो चुकी है।

तुम्हारी कुछ बातें ऐसी हैं, जो मुझे पसंद नहीं आतीं... और मैं तुम्हें वह सब बता देना चाहता हूँ। तुम चाहो तो इन्हें अपनी कमजोरियाँ समझ सकती हो।

प्रेमिका- रहने दो! मुझे अपनी सारी कमजोरियाँ मालूम हैं। आखिर उन्हीं के कारण तो मैं अच्छा पति नहीं पा सकी। इसका मुझे बेहद अफसोस है।

एक मोहल्ले में चल रहे कवि सम्मेलन के दौरान एक कवि मंच पर हाजिर हुआ तो नीचे बैठे श्रोताओं ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका स्वागत किया।

कवि बहुत ज्यादा उत्सुक था, उसने कहा- मेरे प्यारे श्रोताओं! अब मैं तुम्हे जो कविता आपको सुनाने जा रहा हूँ उसका शीर्षक है- पानी, आग और धुआँ।

भीड़ में से एक श्रोता चिल्लाया- अरे, तो सीधे-सीधे क्यों नहीं कहते कि हुक्का है।

फिल्म वर्ग पहेली - 1956

बायें से दायें:-

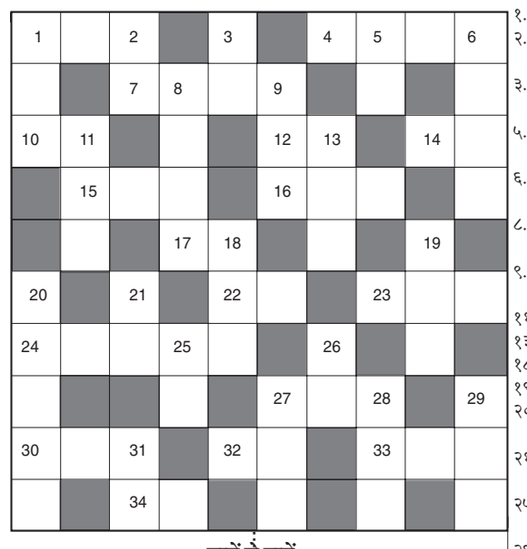

१. 'तू सामने जब आता' गीत वाली शाहरूख, माधुरी की फिल्म-३
४. शाहरूख, ट्विंकल की 'आशिक हूँ मैं कातिल भी' गीतवाली फिल्म-४
७. 'आके चली बांके चली' गीत वाली संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर, शबाना आजमी की फिल्म-४
१०. 'दिल चीज क्या है' गीत वाली 'उमराव जान' की नायिका-२
१२. राजेंद्र कुमार, माला की 'जिसके सपने हमें' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'मैं तुझ से मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२
१५. अक्षयकुमार, रवीना की 'टिप टिप बरसा पानी' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'संभाला है मैं ने' गीत वाली मिथुन, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१७. जैकी, रति अग्निहोत्री की 'छोड़ो मुझे छोड़ों' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'हुतूतू' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी?-२
२३. 'ये रेशमी जुल्फे' गीत वाली राजेश, मुमताज की फिल्म-१,२
२४. मिथुन, चंकी, रितुपर्णा, सोमी अली की १९९४ की एक फिल्म-३,२
२७. 'बनाके क्यूँ बिगाड़ा रे' गीत वाली अमिताभ, जया की फिल्म-३
३०. जीतेंद्र, रामेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीतवाली फिल्म-३
३२. 'एक लड़की जिसके होठों' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा की फिल्म-२
३३. सनी, संजय, रवीना, दिव्या की 'दिल ना किसी का' गीत वाली फिल्म-३
३४. 'तू प्यार का सागर है तेरी इक बूंद के प्यासे हम' गीत वाली बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'तन्हा तन्हा दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. 'कहना है तुमसे कहना' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-२
३. फिल्म 'मिलन' में मनीषा कोईराला के साथ नायक का नाम-२
५. 'दिल ही दिल में' गीत वाली विवेक ओबेराय, दिया की फिल्म-२
६. बॉबी, अक्षय, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-४
८. 'ठहरो तो सही सोचो तो' गीत वाली गोविंदा, मनीषा की फिल्म-४
९. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिलरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
११. राजेश खन्ना, धर्मेंद्र, वहीदा की फिल्म-३
१३. 'हसीना गोरी गोरी' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'खानदान' की नायिका कौन थी-३
१९. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३
२०. 'हम साथ साथ हैं' में सोनाली के पिता की भूमिका किसने की थी?-३,२
२१. 'इन आँखों को आशिक' गीत वाली राजेश, सुलक्षण की फिल्म-२
२५. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की एक सस्पेंस फिल्म-२
२६. 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२७. फरदीन, उर्मिला की फिल्म-३
२८. 'गोरी जो मटके' गीत वाली फिल्म-३
२९. सनी, मीनाक्षी की 'सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-३
३१. संजीवकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की १९८१ की एक फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 1955

कु	बॉ	न	■	व	जू	द	■	आ	शा
बॉ	■	सी	मा	■	ही	रा	■	शि	■
नी	ल	म	■	ग	■	र	क्ष	क	■
■	म्हे	■	खु	दा	र	■	त्रि	■	अ
स	■	ग	द	र	■	ज	य	रा	ज
हे	मा	■	ग	■	सो	मी	■	जा	न
ली	■	क	र्ज	■	■	र	वि	■	बी
■	ज	या	■	म	धु	■	दा	ग	■
बा	■	म	र्या	दा	■	भा	ई	■	जू
जी	न	त	■	री	■	भी	■	डो	ली

सूडोकु -1956

					1	4		
						5	8	
			7	2				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6						
		9	3					

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1955 का हल

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9

शब्द पहेली - 1956

बाएँ से दाएँ

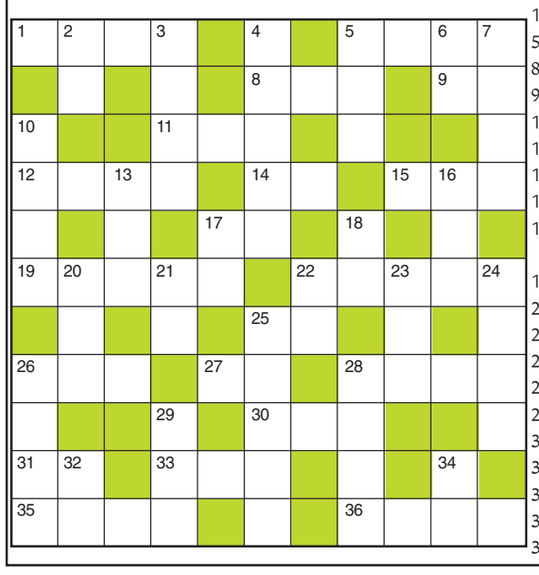

1.उथल-पुथल, कोलाहल-4
5.अस्पताल-4
8.पक्षाघात-3
9.मिट्टी, धूल-2
11.पुष्प, फूल, सुमन-3
12.बुरे कार्य करनेवाला-4
14.जादू, तंत्र-मंत्र-2
15.सौत, सपत्नी-3
17.साड़ी के किनारे पर लगाया जानेवाला लंबा कपड़ा-2
19.नगर में रहनेवाले-5
22.गणपति, गणेश-5
25.बागवान-2
26.जुदा, पृथक्-3
27.जी, इच्छा-2
28.पहरेदार-4
30.सिसकना-3
31.रहस्य-2
33.सोना,धतूरा-3
35.हृदयगति, स्पंदन-4
36.फिल्म 'मैंने प्यार किया' में सलमान की मां का किरदार निभानेवाली अभिनेत्री-2,2

ऊपर से नीचे

2.उद्देश्य,गंतव्य-2
3.राम-सीता के पुत्र-2,2
4.टालना-2,3
5.स्याही रखने का पात्र-3
6.क्षार-2
7.सुंदरी (उर्दू-4)
10.जबरदस्ती-4
13.होशियार-3
16.पुत्र,बेटा-3
17.रस्सी के फंदे पर लटकाना-2
18.जान,जीवन-2
20.जहर, विष-3
21.अदालत में प्रस्तुत वाद-2
22.छोटा रास्ता, कूचा-2
23.अपवित्रता (उर्दू-3)
24.पक्षियों का शोर-4
25.मानसिक सोच-5
26.गुनाह,जुर्म-4
28.रखवाली करना-4
29.मुर्गा-3
32.मूल, पेड़ का वह हिस्सा जो जमीन में रहता है-2
34.आमिर खान, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-2

शब्द पहेली - 1955 का हल

■	त	था	क	थि	त	■	क	या	म	त
ना	प	■	ह	■	र	का	बी	■	त	र
मु	■	त	वा	य	फ	■	ला	वा	■	खा
ना	पा	क	■	■	दा	नी	■	दा	म	न
सि	■	दी	■	प	र	■	सा	■	हि	■
ब	ह	र	हा	ल	■	नि	रा	ला	प	न
■	र	■	नि	■	आ	शा	■	ज	■	ज
अ	म	र	■	अ	तं	■	■	वा	न	र
मा	■	मा	न	■	क	र	त	ब	■	बं
न	या	■	ज	ल	वा	■	ना	■	क	द
त	क	दी	र	■	द	शा	व	ता	र	■

साधुओं पर हमले से भड़के राम मंदिर के पुजारी, ममता बनर्जी को बताया- मुमताज खान

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में भीड़ द्वारा साधुओं पर हमला करने का मामला सामने आया है। यह घटना पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले में हुई। जिसमें उन्हें काफी चोटें आई है। ये साधु उत्तर प्रदेश के थे। यह मामला काफी तेजी से फैलने लगी। साधुओं पर हुए हमले पर राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।पश्चिम बंगाल में साधुओं पर कथित हमले पर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के मुख्य पुजारी, आचार्य सत्येंद्र दास ने ममता बनर्जी पर कटाक्ष किया है। आचार्य सत्येन्द्र दास ने राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की आलोचना की और आरोप लगाया कि जब भी बंगाल की मुख्यमंत्री 'भगवा' रंग देखती हैं तो वह क्रोधित हो जाती हैं। आचार्य सत्येन्द्र दास ने कहा, ममता बनर्जी को किसी ने मुमताज खान नाम दिया था क्योंकि उनकी सहानुभूति मुसलमानों के प्रति है। हिंदुओं पर सबसे ज्यादा हमले पश्चिम बंगाल में होते हैं।

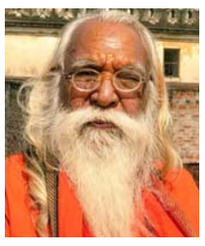

सचिन तेंदुलकर को राम मंदिर के 'प्राण प्रतिष्ठा' में शामिल होने का निमंत्रण मिला

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर को 22 जनवरी को उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर के 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह में शामिल होने का निमंत्रण मिला। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियां काफी तेजी से चल रही हैं। अयोध्या में सात दिनों तक वृहद स्तर पर अनुष्ठान चलेगा, जिसकी शुरुआत 16 जनवरी से होगी। 22 जनवरी को श्रीरामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा होगी। 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करकमलों से श्रीराम अपने दिव्य-भव्य मंदिर में विराजमान होंगे। कार्यक्रम के मद्देनजर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ निरंतर अयोध्या दौरा कर रहे हैं। 2 दिसंबर व 21 दिसंबर को अयोध्या पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ निरंतर राम मंदिर निर्माण कार्य का अपडेट ले रहे हैं। इस कार्यक्रम में देश-विदेश से काफी संख्या में आगंतुक उपस्थित रहेंगे।

राहुल गांधी को न्याय यात्रा की जगह ज्ञान यात्रा करनी चाहिए- गिरिराज सिंह

रायपुर। राज्य के तीन दिवसीय दौरे पर रायपुर पहुंचे केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि राहुल गांधी को न्याय यात्रा की जगह ज्ञान यात्रा करनी चाहिए। किसी न किसी गांव में उन्हें किसी से ज्ञान जरूर मिलेगा। एयरपोर्ट पर उनका स्वागत उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने किया। केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने राज्य की पूर्ववर्ती बेघल सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि यहां के ग्रामीणों को पुरानी सरकार ने जिस ढंग से लूटा, उसे ठीक करने आया हूं। छत्तीसगढ़ सरकार कैसे बेहतरी के काम करे उसके लिए सबके साथ बैठक करके आगे की कार्यवाही की जाएगी। कांग्रेस नेताओं के अयोध्या न जाने पर गिरिराज सिंह ने कहा कि कांग्रेस हिंदू विरोधी रही है। कांग्रेस के डीएनए में हिंदू विरोध है। कांग्रेस ने 70 साल तक लटकाने और भटकाने का काम किया।

बारामूला नियंत्रण रेखा के पास ऑपरेशनल कार्य के दौरान जवान बलिदान, सेना ने दी श्रद्धांजलि

बारामूला। सेना ने शनिवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में नियंत्रण रेखा के पास अग्रिम क्षेत्र में एक ऑपरेशनल कार्य करते समय 24 वर्षीय एक सैनिक बलिदान हो गया। सेना के सभी रैंकों के अधिकारियों ने बलिदानी गनर गुरप्रीत सिंह को शनिवार को श्रद्धांजलि दी। सेना की चिनार कोर ने शनिवार को कहा कि बारामूला सेक्टर में आगे के क्षेत्र में परिचालन कार्य करते समय गनर गुरप्रीत सिंह बलिदान हो गया। सेना ने कहा कि दुख की इस घड़ी में भारतीय सेना शोक संतप्त परिवार के साथ एकजुटता से खड़ी है और उनके परिवार की भलाई के लिए प्रतिबद्ध है।

एकता और अखंडता की मजबूत प्रहरी थीं सोनल मां : पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार आई श्री सोनल मां को याद करते हुए हा कि श्री सोनल मां देश की एकता और अखंडता की एक मजबूत प्रहरी थीं। भारत विभाजन के समय जब जूनागढ़ को तोड़ने की साजिशें चल रही थीं, तो उसके खिलाफ श्री सोनल मां चंडी की तरह उठ खड़ी हुई थीं और इसका मुंह तोड़ जबाव दिया था। पीएम मोदी ने यह बातें आई श्री सोनल मां के जन्म शताब्दी समारोह में कहीं।

जन्म शताब्दी समारोह में शामिल हुए मोदी

प्रधानमंत्री मोदी शनिवार को जूनागढ़ के मधाडा में आई श्री सोनल मां के जन्म शताब्दी समारोह को संबोधित किया। इस समारोह में मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये जुड़े। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि कई वर्षों के संघर्ष के बाद आज जब अयोध्या में 22 जनवरी को रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है तो इससे श्री सोनल मां कितनी प्रसन्न होंगी। इस समारोह से पीएम मोदी ने देश वासियों से एक बार फिर से श्री राम ज्योति जलाने की अपील की। मोदी ने कहा कि आज मैं आप सभी से

22 जनवरी को अपने घरों में श्री राम ज्योति प्रज्वलित करने का आग्रह करूंगा।

समाज में शिक्षा के लिए अद्भुत काम किया

उन्होंने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले देश का प्रत्येक मंदिर स्वच्छ हो, इस अभियान की शुरुआत कल से हो गई है। देश के लोगों के आग्रह करता हूं कि भारत का हर मंदिर स्वच्छ अभियान में अपनी आहूति दें, ताकि जब 22 जनवरी को अयोध्या में प्रभु श्री राम अपने घर में विराजमान हों, तो देश के सारे मंदिर चमचामते हुए दिखाई दें।

इससे प्रभु श्रीराम खुश होंगे। उन्होंने कहा कि श्री सोनल मां ने भारत में शिक्षा के लिए अद्भुत काम किया।

उन्होंने, व्यसन और नशे के अंधकार से समाज को निकाल कर नई रोशनी दी। सोनल मां समाज को कुरीतियों से बचाने के लिए निरंतर काम करती रहीं।

आधुनिक युग के लिए प्रकाश स्तंभ थीं

प्रधानमंत्री ने कहा कि सौराष्ट्र की इस सनातन संत परंपरा में श्री सोनल मां आधुनिक युग के लिए प्रकाश स्तंभ की तरह थीं। उनकी आध्यात्मिक ऊर्जा, उनकी मानवीय शिक्षाएं और उनकी तपस्या से उनके व्यक्तित्व में एक अद्भुत दैवीय आकर्षण पैदा होता था, जिसकी अनुभूति आज भी जूनागढ़ और मढ़रा के सोनलधाम में की जा सकती है।

भगवान राम का भव्य मंदिर बनाने के लिए नियति ने मोदी को पहले ही चुन लिया थाः आडवाणी

नई दिल्ली । भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने 22 जनवरी को अयोध्या में होने जा रहे राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा है कि नियति ने भगवान राम का भव्य मंदिर बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पहले ही चुन लिया था। सूत्रों के मुताबिक, आडवाणी ने राष्ट्र धर्म पत्रिका के अगले विशेष अंक के लेख में राम मंदिर के लिए निकाली गई अपनी रथ यात्रा को याद करते हुए कहा कि रथ यात्रा को 33 साल पूरे हो रहे हैं। वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उस पूरी रथ यात्रा के दौरान उनके साथ थे। आडवाणी ने आगे लिखा कि उस समय नरेंद्र मोदी ज्यादा प्रसिद्ध नहीं थे लेकिन उसी समय नियति ने उन्हें भगवान राम का भव्य मंदिर बनाने के लिए चुन लिया था। आडवाणी ने कहा कि उन्होंने जब रथ यात्रा शुरू की थी तब उन्हें यह नहीं पता था कि यह यात्रा देश में एक बड़े आंदोलन का रूप ले लेगी। लेकिन उसी दौरान भगवान राम ने

अपने भव्य मंदिर के निर्माण के लिए अपने भक्त (नरेंद्र मोदी) को चुन लिया था। उन्होंने कहा कि नियति ने तय किया था कि अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर बनेगा और इसके लिए उसने वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुन लिया था।

नीतीश कुमार ने इंडिया गठबंधन के संयोजक बनने से किया इनकार

नई दिल्ली। विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' में शामिल दलों की शनिवार को वर्चुअल बैठक हुई। इस बैठक में जदयू की ओर से अध्यक्ष नीतीश कुमार, पूर्व अध्यक्ष ललन सिंह और प्रदेश के मंत्री संजय झा शामिल हुए।

बैठक में नीतीश कुमार ने इंडिया गठबंधन के संयोजक बनाए जाने के प्रस्ताव को ठुकरा दिया। बैठक से निकलने के बाद पत्रकारों से चर्चा करते हुए बिहार के जल संसाधन मंत्री संजय कुमार झा ने बताया कि कांग्रेस ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को संयोजक बनाने का प्रस्ताव रखा, जिस पर बिहार के मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस को ही 'इंडिया' गठबंधन का चेयरमैन बनना चाहिए। संजय झा के मुताबिक नीतीश कुमार ने संयोजक बनने को लेकर अपनी सहमति नहीं दी। मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा

कि मेरी किसी पद में कोई दिलचस्पी नहीं है। उल्लेखनीय है कि नीतीश कुमार इंडिया गठबंधन बनने के बाद से ही किसी भी पद में दिलचस्पी से इनकार करते रहे हैं। हालांकि, उनके संयोजक बनाए जाने के कयास लगते रहे हैं।

मिलेट्स की खेती के लिए भारतीय किसानों को प्रोत्साहन देने का समयः अमिताभ कांत

नई दिल्ली। भारत के जी20 के शेरपा अमिताभ कांत ने कहा है कि अब मिलेट्स की खेती के लिए भारतीय किसानों को प्रोत्साहन देने का समय है। कांत ने यहां 'मिलेट मंत्रा' पुस्तक का विमोचन करते हुए यह बात कही। उन्होंने इस मौके पर कहा, 'अब मिलेट्स की खेती के लिए भारतीय किसानों को प्रोत्साहन देने का समय है। मिलेट्स एक सुपरफूड है। यह पौष्टिक हैं, कम पानी की जरूरत होती है, और कुपोषण का दुष्चक्र तोड़ सकते हैं। भारत, दुनिया का सबसे बड़ा मिलेट उत्पादक देश और ग्लोबल चैंपियन है, जिसका बाजार मूल्य 2025 तक 15 अरब अमेरिकी डॉलर पहुंचने का अनुमान है। उन्होंने कहा

कि मैं, गहन शोध से तैयार की गई जी-20 की संग्रहणीय पुस्तक के माध्यम से भारत के 'मिलेट मंत्रा' का समर्थन करने के लिए काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर (सीईईडब्ल्यू) और ताज होटल की सराहना करता हूं।' मिलेट मंत्रा और जी-20 अध्यक्षता का उत्सव मनाने के लिए आयोजित कार्यक्रम में कई प्रमुख अधिकारी, राजनयिक, उद्योगपति और सतत खाद्य प्रणालियों के प्रमुख हितधारक शामिल हुए। ज्वार, बाजरा, रागी और कोदो जैसे अनाज संयुक्त रूप से मिलेट्स कहे जाते हैं। उन्होंने भारत की जी20 की अध्यक्षता की चर्चा करते हुए कहा कि इसमें आम सहमति तक पहुंचने के रास्ते में तीन मुख्य चुनौतियां थीं, -ऊर्जा, जलवायु और भू-राजनीति, जिनका एक नई जीडीपी, ग्रीन डेवलपमेंट पैक्ट के माध्यम से समाधान निकाला गया। उन्होंने मिलेट्स के बारे में कहा, 'भारत अधिकांश देशों को मिलेट्स को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करने में सक्षम रहा, जिसे ब्राजील भी अपनी जी-20 अध्यक्षता के दौरान आगे बढ़ाएगा।' सीईईडब्ल्यू और ताज होटल द्वारा तैयार की गई पुस्तक मिलेट मंत्रा- द कलिनरी सेंटरपीस ऑफ इंडियाज जी-20 प्रेसीडेंसी एक गौरवपूर्ण साझेदारी का उदाहरण है, जो मिलेट्स के भविष्य को गढ़ने वाले छोटे किसानों, शेफ और उद्यमियों की कहानियां को सामने लाती है।

राहुल गांधी रविवार से शुरू करेंगे 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा'

नई दिल्ली। कांग्रेस रविवार से राहुल गांधी के नेतृत्व में मणिपुर से 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' शुरू करेगी जिसके जरिये उसका प्रयास होगा कि लोकसभा चुनाव में बेरोजगारी, महंगाई और सामाजिक न्याय से जुड़े मुद्दों को विमर्श के केंद्रबिंदु में लाए जाए। यह यात्रा 14 जनवरी को मणिपुर की राजधानी इंफाल के निकट थोबल से शुरू होगी और मार्च के तीसरे सप्ताह में मुंबई में इसका समापन होगा। कांग्रेस का कहना है कि लोकसभा चुनाव से पहले निकाली जा रही यह यात्रा 67 दिन में 15 राज्यों और 110 जिलों से होकर गुजरेगी। 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दौरान लगभग 6,700 किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी। यात्रा ज्यादातर बस से होगी, लेकिन कहीं- कहीं पदयात्रा भी होगी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सात सितंबर 2022 से 30 जनवरी 2023 तक कन्याकुमारी से कश्मीर तक 'भारत जोड़ो यात्रा' निकाली थी।

आधी आबादी का सम्मान सरकार की शीर्ष प्राथमिकता, 1150 महिलाओं को सिलाई मशीन देकर बोले सीएम योगी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में आधी आबादी की सुरक्षा, स्वावलंबन और सम्मान सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। महिलाओं को सुरक्षा का वातावरण देकर उनके स्वावलंबन और सम्मान के लिए केंद्र व प्रदेश सरकार की तरफ से अनेक योजनाओं का क्रियान्वयन किया गया है और उसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आ रहे हैं। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए ही पीएम मोदी ने नारी वंदन अधिनियम पारित कराकर संसद और विधानसभा में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण सुनिश्चित कराया है। सीएम योगी शनिवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के बैनर तले आयोजित मुफ्त सिलाई मशीन वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज के मैदान में हुए समारोह में 1150

महिलाओं और बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सिलाई मशीनों का वितरण किया गया। सभी को कंबल भी वितरित किया गया। 12 बालिकाओं को सिलाई मशीन व कंबल सीएम योगी ने खुद अपने हाथों से प्रदान किए। उन्नत भारत ग्राम अभियान के मिशन शक्ति के अंतर्गत महिलाओं और बालिकाओं को जेके ग्रुप कानपुर के सहयोग से मुफ्त सिलाई मशीन उपलब्ध कराने की यह अनूठी पहल महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद ने की है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आधी आबादी के सशक्तिकरण के बिना भारत को सशक्त और समर्थ नहीं बनाया जा सकता है। इसके लिए सुरक्षा का वातावरण देकर महिलाओं के स्वावलंबन का मार्ग प्रशस्त करना होगा। सुरक्षा और स्वावलंबन से ही सम्मान का भाव प्रकट होगा। केंद्र व प्रदेश की सरकार इन तीनों पहलुओं पर पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है।

बसपा चीफ़ मायावती को मिला राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का न्योता, समारोह में शामिल होने पर बोली यह बात

लखनऊ। अयोध्या राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण बसपा चीफ़ मायावती को भी दिया गया है। विहिप के अनुसार, मायावती ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है परंतु वह समारोह में शामिल नहीं हो सकेंगी। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के अनुसार, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, अखिलेश यादव को भी निमंत्रण भेजा गया है परन्तु इस पर उनका कहना था कि उन्हें अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण नहीं मिला है। विश्व हिन्दू परिषद के अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने बताया कि, 'अखिलेश यादव को कूरियर द्वारा निमंत्रण भेजा गया था। अगर उनका दावा है कि उन्हें निमंत्रण नहीं मिला है तो हम उन्हें दोबारा निमंत्रण भेज सकते हैं। मायावती को हमारा निमंत्रण मिला है। उन्होंने इसे स्वीकार भी किया, लेकिन किसी कारणवश

समारोह में शामिल नहीं होंगी वह अलग बात है। सभी राजनीतिक दलों के अध्यक्षों को प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आमंत्रित किया गया है।

विहिप के अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को भी 22 जनवरी के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आमंत्रित किया गया है, लेकिन वे आ नहीं आएंगे। राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति की सुरक्षा के लिए कई तरीके के प्रोटोकॉल होते है जिस कारण उनका आना संभव नहीं है परन्तु वे दोनों राम मंदिर ट्रस्ट के साथ चर्चा के बाद सुविधाजनक तारीख पर अयोध्या अवश्य आएंगे। विहिप केवल निमंत्रण वितरण में राम मंदिर ट्रस्ट की सहायता कर रहा है। राम मंदिर ट्रस्ट ने अथितियों की जो सूची तैयार की है उनमें उद्योगपतियों, वैज्ञानिकों, अभिनेताओं और सेना के कई अधिकारियों के नाम शामिल हैं। अन्य आमंत्रितों में में दलाई लामा, बाबा रामदेव, उद्योगपति गौतम अडानी और मुकेश अंबानी के साथ-साथ अमिताभ बच्चन, रजनीकांत और माधुरी दीक्षित नेने जैसे प्रतिष्ठित कलाकार शामिल हैं।

अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा में आने वाले विशिष्ट मेहमानों को उपहार में मिलेगी रामरज

अयोध्या। अयोध्या में नव निर्मित राम मंदिर में श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। 22 जनवरी को होने वाले कार्यक्रम के लिए राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से हजारों वीआईपी गेस्ट्स को इनवाइट किया गया है। इस ऐतिहासिक अवसर पर सभी आमंत्रित अतिथियों के स्वागत की भी तैयारी की गई है और समारोह में सम्मिलित होने वाले सभी मेहमानों को ट्रस्ट की ओर से उपहार भी दिए जाएंगे। तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से सभी मेहमानों को 'रामरज' उपहार स्वरूप दी जाएगी। साथ ही उन्हें प्रसाद के रूप में देसी घी से बने विशेष मोतीचूर के लड्डू भी दिए जाएंगे। ट्रस्ट की तरफ से दी गई जानकारी के अनुसार 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग लेने वाले मेहमानों को मंदिर की बुनियाद की खुदाई में निकाली गई।

सीमा सड़क संगठन के श्रमिकों का दस लाख रूपये का बीमा-राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सीमा सड़क संगठन और जनरल रिजर्व इंजीनियर फोर्स की ओर से विभिन्न परियोजना कार्यों के लिए नियोजित आकस्मिक भुगतान वाले श्रमिकों (सीपीएल)को 10 लाख रूपये की बीमा सुविधा के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

समूह (टर्म) बीमा योजना के तहत आकस्मिक भुगतान वाले श्रमिकों (सीपीएल) की किसी भी प्रकार की मृत्यु पर उनके परिवार या निकट संबंधियों को बीमा के रूप में 10 लाख रुपये मूल्य की बीमा राशि प्रदान की जायेगी।

रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को एक वक्तव्य जारी कर कहा कि खतरनाक कार्य स्थलों, खराब मौसम , दुर्गम इलाकों और पेशे की वजह से उत्पन्न होने वाले स्वास्थ्य संबंधी खतरे वाली स्थितियों में तैनात सीपीएल के जीवन के गंभीर जोखिम को ध्यान

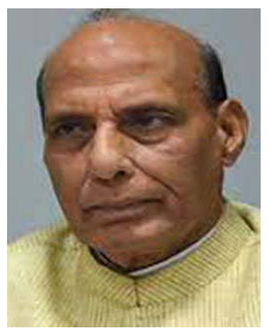

में रखते हुए और उनके नियोजन काल के दौरान हुई मौतों पर विचार करते हुए मानवीय आधार पर बीमा कवरेज का प्रावधान सीपीएल के लिए मनोबल बढ़ाने वाला एक ठोस कदम साबित होगा। यह योजना देश के भीतरी और दूर-दराज के इलाकों में काम करने वाले सीपीएल के लिए सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण से जुड़े एक उपाय के रूप में काम करेगी। इससे उनके परिवारों की आजीविका सुरक्षित करने में काफी मदद मिलेगी।उल्लेखनीय है कि रक्षा मंत्री ने हाल ही में सीपीएल की बेहतरी के लिए कई कल्याणकारी उपायों को मंजूरी दी थी। इनमें पार्थिव शरीर के संरक्षण एवं परिवहन तथा सहायक (अटेंडेंट) के परिवहन भत्ते की सुविधा, अंत्येष्टि संबंधी सहायता 1,000 रुपये से बढ़ाकर 10,000 रुपये किया जाना और मृत्यु आदि की स्थिति में तत्काल सहायता के रूप में 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि का अग्रिम भुगतान शामिल है।

पश्चिम बंगाल सरकार भ्रष्टाचारियों की पनाहगाहः अनुराग ठाकुर

नयी दिल्ली/ कोलकता। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार पर निशाना साधते हुए शनिवार को कहा कि पश्चिम बंगाल की कानून-व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। श्री ठाकुर ने यहां पत्रकारों से कहा,' पश्चिम बंगाल में जो पैसा जनता की भलाई के लिए आता है उसे लूटने का पूरा प्रबंध यहां है। भ्रष्टाचार के मामलों में कार्रवाई करने आई प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम पर भी यहां पथराव और मारपीट कर उनका सर फोड़ने का काम किया जाता है। पश्चिम बंगाल की सरकार भ्रष्टाचारियों की पनाहगार है। क्या ममता बनर्जी ने अपने मंत्रियों, सांसदों और विधायकों को लूट की खुली छूट दे रखी है या यह लोग इनकी सुनते नहीं हैं?।

वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना के साथ भारत आज विश्व मित्र के रूप में उभरा : अमित शाह

गांधीनगर। वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट के 10वें संस्करण का समापन समारोह गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में आयोजित हुआ। देश-विदेश के अनेक प्रमुखों, राजदूतों, उद्योगपतियों की उपस्थिति में आयोजित हुई इस तीन दिवसीय समिट के समापन समारोह को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि इस समिट में 'संकल्प से सिद्धि के मार्ग' का अद्भुत सशक्तिकरण हुआ है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2003 में प्रथम समिट आयोजित हुई थी जिसमें आज गुणात्मक परिवर्तन आया है। एक अर्थ में देखें, तो यह एक युग परिवर्तन की शुरुआत है। आज मैन्युफैक्चरिंग और इन्वेस्टमेन्ट के लिए विश्व में भारत तथा भारत में गुजरात पहली पसंद बना है। शाह ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब देश की शासन धुरा संभाली, तब भारत अर्थव्यवस्था में 11वें क्रम पर था और आज विश्व में पांचवें क्रम पर है। यह निश्चित है कि आगामी समय में भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। भारत की अध्यक्षता में जी-20 सम्मेलन आयोजित हुआ, जिसमें 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' का मंत्र था। वसुधैव कुटुम्बकम की भावना के साथ भारत विश्व मित्र के रूप में उभर रहा है। यह हम सभी के लिए गौरव की बात है। स्वामी विवेकानंद की जयंती का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद के सामर्थ्य एवं संकल्प को साकार कर भारत आज विश्व में अनेक नए आयामों के साथ आत्मविश्वास पूर्वक उभर रहा है। उन्होंने कहा कि वाइब्रेंट समिट ने आइडिया और इनोवेशन के प्लेटफॉर्म के रूप में अपनी पहचान बनाई है। इतना ही नहीं; गुजरात ने वैश्विक निवेशों को परिणाम उन्मुख तरीके से कार्यान्वित किया है। गुजरात की इस सफल समिट का अनुकरण देश के दूसरे राज्य भी कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस पथ पर चल रहे विभिन्न राज्य तथा इसके चलते हमारा देश नए कीर्तिमान हासिल करेगा। शाह ने कहा कि समिट में 4 देशों के प्रमुखों, 100 देशों के प्रतिनिधियों तथा 16 कंट्री पार्टनर्स की सहभागिता स्वयं में एक सफल गाथा है। इसी तरह धोलेरा एसआईआर की जब शुरुआत हुई, तब आलोचक इसकी आलोचना कर रहे थे; परंतु इसके परिणाम आज आप सभी के सामने है। मांडल-बेचराजी आज ऑटो हब के रूप में उभरा है, तो दहेज में पेट्रोकेमिकल, भरूच में बल्क ड्रग पार्क, वडोदरा में बायोटेक्नोलॉजी पार्क के निर्माण के कारण गुजरात में निवेश की संभावनाएँ बढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि फ्यूचरिस्टिक इकोनॉमी में देश आज अग्रसर है। सेमीकंडक्टर, ग्रीन टेक्नोलॉजी, बायोफ्यूल जैसे नए उभरते क्षेत्रों में भारत आज अग्रणी बना है।

जब बच्चों की मस्ती हर पल आसमान में उड़ती दिखे तो समझो पतंग उड़ाने के दिन आ गए हैं। दुकानें और बाजार भी तो पतंगों से सजने लगे हैं। अब हर शाम पतंगें पेंच लड़ाएंगी और खुशियां चरखी, सद्दी, मांजा, ढील दे और आई बो काटा की आवाज में पूरे आसमान में गूंजेंगी, और क्या होगा, जानते हैं...

मेरी पतंग बड़ी मतवाली

बड़े-बड़े पतंगबाज

यदि तुम्हें यह लगता है कि पतंग के इस खेल पर तुम बच्चों का ही अधिकार है तो तुम गलत हो। दुनियाभर में जितने अधिक बच्चे इसके दीवाने हैं, उससे कहीं अधिक संख्या बड़े पतंगबाजों की है। राजा-नवाब भी इसके शौक से दूर नहीं थे। उनके लिए महलों की छतों पर पतंग उड़ाने के लिए खास इंतजाम किए जाते थे। मुगल राजाओं के समय पतंगबाजी को खूब पसंद किया जाता था। उसके बाद लखनऊ, रामपुर और हैदराबाद के नवाबों में भी इसका खुमार चढ़ा। ये लोग अपनी पतंगों के साथ अशर्फियां बांधकर उड़ाते थे। जिन घरों पर ये पतंगें टूट कर गिरती थीं, उन घरों में खुशियां मनायी जाती थीं। पतंग की खोज कब और किसने की, इस बात की निश्चित तिथि तो किसी को पता नहीं, पर इसकी शुरुआत लगभग दो हजार वर्ष पहले चीन में मानी जाती है। कहा जाता है कि पहली पतंग एक चीनी दार्शनिक मो जी ने बनाई थी। उसके बाद पतंगबाजी का यह खेल विभिन्न देशों में फैलता चला गया।

भारत में कहां-कहां

यदि तुम्हें लगता है कि पतंग केवल 15 अगस्त के दिन ही उड़ायी जाती है तो तुम गलत हो। 15 अगस्त पर पतंगें दिल्ली में उड़ायी जाती हैं। यहां तक कि लाल किला मैदान में भी लोग इकट्ठे होकर पतंगें उड़ाते हैं और आजादी का जश्न मनाते हैं। हरियाणा में पतंगें तीज पर, पंजाब में बैसाखी पर, गुजरात, बिहार में मकर संक्रांति पर, उत्तर प्रदेश में वसंत पंचमी व मकर संक्रांति के अगले दिन भी खूब उड़ायी जाती हैं।

यहां लगते हैं पतंगों के मेले

पतंग उड़ाना दुनिया के कई देशों में लोकप्रिय खेल माना जाता है। खासतौर पर चीन, जापान, भारत, इंडोनेशिया और अमेरिका में हर साल इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल्स का आयोजन किया जाता है, जहां दुनियाभर के पतंगबाज तरह-तरह की पतंगों से अपनी पतंगबाजी का हुनर दिखाते हैं। हर साल कई रिकॉर्ड बनते हैं।

जापान काइट फेस्टिवल

जापान में यह फेस्टिवल हर साल मई माह के पहले वीक में हमामात्सु शहर में आयोजित किया जाता है। इस समय यहां का साफ चमकता नीला आसमान एक दूसरे की पतंगों से पेंच लड़ाते पतंगबाजों का युद्ध का मैदान बन जाता है। हजारों की संख्या में बच्चे, महिलाएं और पुरुष अपने रंग-बिरंगे हैप्पी कोट्स में पतंग उड़ाने का मजा लेते हैं। इस महोत्सव के दौरान फेस्टिवल म्यूजियम तक पहुंचने के लिए हमामात्सु रेलवे स्टेशन से पब्लिक ट्रांसपोर्ट की खास व्यवस्था की जाती है।

चीन काइट फेस्टिवल

चीन में हर साल अप्रैल माह में वाइफैंग शहर में काइट फेस्टिवल लगाया जाता है। यहां चीन के साथ-साथ दुनियाभर से पतंग के शौकीन इकट्ठे होते हैं। यहां खास तरह की हैंडीक्राफ्ट पतंगें देखने को मिलती हैं। सप्ताहभर चलने वाले इस पतंगों के त्योहार में पूरे शहर को रंग-बिरंगी लालटेन और स्टीमर्स से सजाया जाता है। वाइफैंग काइट म्यूजियम दुनियाभर में सबसे बड़े म्यूजियमों में से एक है।

जकार्ता काइट फेस्टिवल

यह इंडोनेशिया का सबसे प्रसिद्ध और पुराना फेस्टिवल है। यह हर साल जुलाई के महीने में दो दिन तक आयोजित किया जाता है। चीन, जापान, मलेशिया और नीदरलैंड से पतंगबाज इसमें शामिल होने के लिए आते हैं। यहां की बड़ी-बड़ी ड्रेगन काइट खास आकर्षण का केंद्र होती हैं।

वॉशिंगटन स्टेट इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल

नॉर्थ अमेरिका के वॉशिंगटन शहर का यह सबसे लोकप्रिय आयोजन है। अगस्त के तीसरे वीक में सात दिन तक चलने वाला यह कार्यक्रम हर साल लॉन्गबीच पेनिन्सुला में आयोजित किया जाता है। इसे देखने के लिए जितनी बड़ी संख्या में दर्शक जुटते हैं, उतने ही उत्साह से देश और विदेश के पतंगबाज भी अपने कौशल को दिखाने के लिए यहां आते हैं। काइट ट्रेड एसोसिएशन इंटरनेशनल द्वारा इसे दुनियाभर में सबसे अच्छे काइट फेस्टिवलों में से एक माना गया है।

अहमदाबाद इंटरनेशनल फेस्टिवल

यूं तो भारत में पतंगें किसी एक खास चौक या नदी के किनारों पर ही नहीं, हर गली-मोहल्ले में उड़ती देखी जा सकती हैं, पर जिस काइट फेस्टिवल की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान है, वह है गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित होने वाला इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल। यह मकर संक्रांति के अवसर पर यानी 13 जनवरी से शुरू होता है। यह आयोजन तीन दिन तक चलता है। इन दिनों पूरे गुजरात की चहल-पहल सिमट कर अहमदाबाद में अपने रंग दिखाने लगती है। विदेशों के पतंगबाज भी इसमें शामिल होते हैं।

पतंगें ऐसी भी..

कागज का अविष्कार होने से पहले से पतंग उड़ायी जाती रही हैं। कहते हैं कि लगभग 3000 साल पहले उड़ायी गयी पहली पतंग पत्तियों से बनी थी। सन् 1883 में इंग्लैंड के डगसल आकिवेल्ड ने पतंगों के जरिए 1200 फीट की ऊंचाई पर बहती हवा की गति मालूम की थी। कहते हैं कि 1901 में मार्कोनी ने एक हैक्सागन यानी छह भुजाओं वाली पतंग का प्रयोग अटलांटिक महासागर के पार सिग्नल भेजने के लिए किया था। यदि तुम यह मानते हो कि पतंग उड़ाना बच्चों का खेल है, तो यह जानकर हैरानी होगी कि पतंग उड़ाने वालों में बच्चों से कहीं अधिक संख्या बड़ की है। हर साल उत्तरी अमेरिका में लगभग 5 करोड़ पतंगों की बिक्री होती है। ऐसा कहा जाता है कि दुनिया के किसी न किसी हिस्से में हर सप्ताह कम से कम एक पतंगों का त्योहार मनाया जाता है। थाईलैंड में होने वाली पतंगबाजी में 78 नियमों का पालन करना पड़ता है। ओरिएंट में लोग खुशियां, सौभाग्य और अच्छे स्वास्थ्य की शुभकामना के प्रतीक के रूप में एक-दूसरे को पतंग भेंट करते हैं। जापान में 1760 में पतंग उड़ाने पर बैन लगा दिया गया था। इसका कारण था कि लोग काम करने से ज्यादा समय पतंग उड़ाने में बिताते थे।

अलबेली पतंगें

दुनिया भर में कई तरह की अजीबोगरीब पतंगें बनाई जाती हैं और लोग इन्हें बड़े शौक से उड़ाते भी हैं। चलो ऐसी ही कुछ पतंगों के बारे में और जानते हैं-

हवा भरी पतंग (इनफ्लैटेबल्स) - काइट फेस्टिवल्स में सबसे ज्यादा हवा भरी फूली हुई पतंगें दिखायी पड़ती हैं। ये पतंगें अपने बड़े आकार और रंगों के कारण सबका ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। आमतौर पर ये पतंगें नायलॉन या पॉलिस्टर की बनी होती हैं और इन्हें समुद्री जीवों के आकार का बनाया जाता है, जिसके कारण ये बच्चों को बहुत पसंद आती हैं। इन्हें बनाने में मेहनत अधिक लगती है। हालांकि ये आगे की ओर से ज्यादा फूली हुई होती हैं, पर इन्हें इस तरह बनाया जाता है, जिससे पतंग के हर हिस्से पर हवा का दबाव संतुलित रहे।

पैराफॉएल्स - पैराफॉएल्स पतंगें दिखने में पैराशूट की तरह लगती हैं। ये कई तरह की होती हैं, पर पतंगों के जमघट में सबसे ऊंची दिखायी पड़ने वाली पतंग है सिंगल लाइन पैराफॉएल। ये पतंग दिखने में ऐसी लगती है मानो कोई फूली हुई चटाई हवा में उड़ रही हो। ये पतंगें लंबी धारियों वाले सेल्स में विभाजित होती हैं, जैसा कि पैराग्लाइडर्स में होता है। डबल लाइन और क्वैड लाइन पतंगें औरों से ज्यादा हार्ड होती हैं। आमतौर पर इनके साथ दूसरी चीजों को जोड़कर उड़ाया जाता है।

डेल्टास - मंद हवा में बड़ी शान से खूब ऊंचाई पर उड़ने वाली हैं ये पतंगें। नीचे से देखने पर पक्षी की तरह दिखने वाले ये बड़े डेल्टा फाइबरग्लास रॉड्स या ट्यूब्स के साथ हल्के पर मजबूत नायलॉन के कपड़े से बने होते हैं। आमतौर पर ये डेल्टास त्रिभुजाकार होते हैं। हालांकि इनमें टेल नहीं होती, पर बहुत बड़े आकार वाले डेल्टा के लिए पतंग के पीछे बच्चों की पसंद को ध्यान में रखते हुए इन्हें अलग-अलग शेप दी जाती हैं।

रोक्काकूस - हवा में मजबूती से टिकने के मामले में ये पतंगें डेल्टा पतंगों को मात देती हैं। इन पतंगों की शुरुआत जापान से हुई थी, पर अब इन्हें हर जगह पसंद किया जाता है। डेल्टा की तुलना में ये सस्ती भी होती हैं और देर तक साथ भी देती हैं। अच्छी डेल्टा पतंगों की तरह इन्हें भी टेल की जरूरत नहीं होती। इन्हें आकर्षक बनाने के लिए 3डी डिजाइन का लुक भी दिया जाता है।

सेल्युलर या बॉक्स काइट्स - इन पतंगों में एक या दो से अधिक सेल आगे की ओर होते हैं और इसी के संतुलन में पीछे भी वैसा डिजाइन बनाया जाता है। कुछ लोग इसे डायमंड कट्स वाली पतंग भी कहते हैं।

डायमंड्स - पश्चिमी देशों में इस पतंग को सबसे अधिक पसंद किया जाता है। यह पतंग चटक रंगों से बनी होती है और इस पर मनोरंजक और हंसाने वाले डिजाइन बनाए होते हैं। अच्छी तरह उड़ान भरने के लिए इसके पीछे टेल लगायी जाती है। डेल्टा की महंगी पतंगों की तरह देखने में यह भले ही उतनी सुंदर न हो, पर बच्चों से लेकर बड़े तक इस पतंग को आसानी से उड़ा सकते हैं। यह छोटे-बड़े सभी आकारों की होती है।

ट्रेडिशनल पतंगें - पतंग महोत्सव में कुछ पतंगें ऐसी भी होती हैं, जो किसी खास पहचान से जुड़ी होती हैं। आमतौर पर इन्हें नेचुरल मैटीरियल से बनाया जाता है। उदाहरण के लिए इंडोनेशिया की बुलान पतंगें अपनी शेप और उन पर बने ट्रेडिशनल डिजाइन के कारण बहुत ऊंचाई पर उड़ने के बावजूद सबसे अलग दिखती हैं। बाली, थाईलैंड, ताइवान, कोरिया, जापान और न्यूजीलैंड की ट्रेडिशनल पतंगों को खासतौर पर पसंद किया जाता है।

कैसे उड़ती रहती हैं पतंग

हवा के संग ऊंची उड़ती पतंगों को देखकर तुम्हारे मन में भी जरूर आता होगा कि ये पतंगें बिना ईंधन यानी बिना फ्यूल के कैसे हवा में उड़ती चली जाती हैं? इसके दो कारण हैं, पहला ग्रेविटी (गुरुत्वाकर्षण बल) और दूसरा लिफ्ट (ऊंचा उठाना)। ग्रेविटी यानी वह बल जो ऊपर फेंकी किसी भी चीज को नीचे खींचता है। अब यदि ऊपर उड़ती हुई पतंग ग्रेविटी के बावजूद नीचे नहीं आती तो इसका कारण है हवा से उसे मिलने वाली लिफ्ट। हवा उसे अपने दबाव के साथ ऊंचे ऊपर उठाती रहती है।

पतंग उड़ाने के फायदे

यदि तुम पूरा दिन कंप्यूटर पर गेम खेलने और टीवी पर कार्टून देखने में बिताते हो तो पतंग उड़ाना एक अच्छे ब्रेक का काम करेगा। इससे आंखों पर पड़ने वाले तनाव को कम करने में मदद मिलेगी। इससे दोस्तों के साथ खेलते समय समूह में काम करना आता है। धागे पर नजर बनाकर रखते हुए पतंग की ओर लगातार देखना नजर को तेज करता है, साथ ही फोकस करने की क्षमता भी बढ़ती है। गर्दन का व्यायाम होता है। ताजी हवा सांस के जरिए शरीर में

हिमालय के ये अद्भुत पक्षी

हिमालय पर्वत पर छोटी और सुंदर सी धोबिन पक्षी चहकती मिलती है। यह अन्य समतुल्य पक्षियों के अंडों पर हाथ साफ करती है। पक्षियों का हिमालय पर्वत से बड़ा घनिष्ठ संबंध है। कुछ पक्षी स्थायी रूप से हिमालय पर ही रहते हैं। वे कभी नीचे मैदानों में नहीं आते और पर्वत श्रृंखला पर ही अपना घोंसला बनाते हैं। इन पक्षियों के नाम चीरडू, कोकलास, कालिज, मीनल आदि हैं। मैदानों के पक्षी तोता, मैना, कोयल, गौरैया आदि समय-समय पर पहाड़ों के ऊपर छोटे-छोटे पेड़ों पर अपना घोंसला बनाती हैं। वहीं प्रजनन क्रिया संपन्न करती हैं। जब बच्चे उड़ने लगते हैं तो उन्हें साथ लेकर उन्मुक्त उड़ने लगती हैं। वे महीनों यहां एक ही स्थान पर रहती हैं। इन पक्षियों के नाम चीरडू, कोकलास, कालिज, मीनल आदि हैं। मैदानों के पक्षी तोता, मैना, कोयल, गौरैया आदि समय-समय पर पहाड़ों के ऊपर छोटे-छोटे पेड़ों पर अपना घोंसला बनाती हैं। वहीं प्रजनन क्रिया संपन्न करती हैं। जब बच्चे उड़ने लगते हैं तो उन्हें साथ लेकर उन्मुक्त उड़ने लगती हैं। वे महीनों यहां एक ही स्थान पर रहती हैं। इन्हें देखकर ऐसा लगता है मानो ये यहां की बारहमासी चिड़िया हो। इनके पांव में छल्ले पहनाकर यह देखा गया कि ये हर साल निश्चित स्थान पर आती हैं। इनके पेट के नीचे का रंग सफेद और गला काला होता है। प्रकृति की विचित्र लीला है कि ये साल में अनेक बार अपना रंग बदलती हैं। झीलों, तालाबों और नदियों के किनारे ये झुंड बनाकर उछलती-कूदती रहती है। वहीं जल क्रीड़ा करती हैं। शायद इसीलिए इनका नाम धोबिन पड़ा है। ये पक्षी प्रवासी हैं, फिर भी इस देश में इनका महत्व और लोकप्रियता सर्वोपरि है। ऐसा लगता है, मानो यह हमारे देश का ही पक्षी है। जब सहेली चली जाती हैं, तो हमारा घर-आंगन, बाग-बगीचे सूने और उजाड़ से लगने लगते हैं।

जोकर की हंसी है बड़ी पुरानी

बात जोकर की हो और डैन राइस का जिक्र न हो, यह कैसे हो सकता है। जी हां! डैन राइस ही वो शख्स हैं, जिन्होंने अंकल सैम जैसे मशहूर किरदार का परिचय दुनिया से कराया। राइस का हास्य पैदा करने का तरीका एकदम जुदा था, वे समकालीन घटनाओं से हास्य निकाल लेते थे। लेकिन 19वीं शताब्दी के मध्य में रेडियो और फोटोग्राफ के बाजार में आने के बाद जोकर भी सुरीला हो चुका था। वह अब खुद संगीत तैयार कर दर्शकों के सामने मधुर हास्य परोसता था। इतना ही नहीं, अब तरह-तरह के जोकर मनोरंजन के लिए तैयार थे। चाहे वो चेहरे पर सफेद रंग लगाए हुए जोकर का परम्परागत रूप हो या फिर लाल चेहरे वाले ढीले-ढाले कपड़े पहने हुए ऑगस्ते जोकर। इसके अलावा, अपने रोचक संवादों से दर्शकों का दिल जीतने वाले चॉकलेट जोकर, जिन्हें मेकअप की खास जरूरत नहीं थी। चेहरे का गहरा रंग होने के कारण वे केवल सफेद रंग का इस्तेमाल करते थे। जेम्स मैकइन्टायर और टॉम हीथ ने सन् 1874 में 'ट्रैम्प क्लाउन' को ईजाद किया, जिसमें काले चेहरेवाले अफ्रीकी जोकर के चेहरे पर सफेद रंग लगाया जाता था। अब जोकर डांस भी कर सकता था, जिसे बाद में टैप डांसिंग के नाम से जाना गया। इस तरह धीरे-धीरे दिन बदला, समय बदला और जोकर भी। अब जोकर उत्सवों और कर्निवाल्स में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेने लगा था। सारी दुनिया में इस हास्य किरदार ने अपनी पहचान बना ली थी। आज यह संसार के किसी भी कोने में जाना-पहचाना चेहरा है। हमारे देश में इस दिलचस्प किरदार की कोई कमी नहीं।

सर्कस के परदे के पीछे से लेकर 70 एमएम की स्क्रीन तक जोकर को एक एलग पहचान मिली। ऐसे में सन् 1970 में राज कपूर द्वारा निर्मित एवं निर्देशित 'मेरा नाम जोकर' को कैसे भुलाया जा सकता है। यह भारत में जोकर समुदाय पर बनी बेहतरीन फिल्मों में से एक है, जिसमें राजकपूर ने बड़ी ही संजीदगी से 'राजू जोकर' की भूमिका को निभाया। इसके अलावा, समय-समय पर लगने वाले सर्कस जोकरी परम्परा को आज भी जीवित रखे हुए हैं। इतना ही नहीं, ताश के 52 पत्तों में भी जोकर की मौजूदगी काफी अहम रहती है। टैरो कार्ड में भी जोकर भविष्य की जानकारी देते हैं। अधिकतर संस्कृतियों में इस किरदार की दखलंदाजी है। आमतौर पर हर जश्न को खुशनुमा बनानेवाले इस शख्स को अलग-अलग नामों से पुकारा जाता है। तो आओ जानते हैं किस देश ने इसे क्या नाम दिया

जोकर भी होते हैं अंधविश्वास के शिकार...

जोकर कभी भी चेहरे पर नीला रंग इस्तेमाल नहीं करते हैं। उनके अनुसार, यह रंग अशुभता की निशानी है। इतना ही नहीं, प्रदर्शन से पहले जोकर अपने साथियों को शुभकामना नहीं देते, ऐसा करना उनके लिए श्राप देने जैसा है।

अवनी प्रशांत ऑस्ट्रेलियन मास्टर उप-विजेता ट्रॉफी हासिल करने वाली पहली भारतीय गोल्फर बनीं

मेलबर्न। भारतीय एमेच्योर गोल्फर अवनी प्रशांत ने साल की बेहतरीन शुरुआत करते हुए ऑस्ट्रेलियन मास्टर के अंतिम दौर में 3-अंडर 70 के शानदार स्कोर के साथ उप-विजेता की ट्रॉफी हासिल की। इसी के साथ वह यह उपलब्धि हासिल करने वाली भारत की पहली गोल्फर बनीं। अवनी से पहले किसी भारतीय गोल्फर ने ऑस्ट्रेलियन मास्टर में इतना शानदार प्रदर्शन नहीं किया था। अवनी पिछले साल इसी प्रतियोगिता में छठे स्थान पर रही थीं। हालांकि शुरुआत से ही अच्छा खेल रही अवनी, मेलबर्न के साउंदर्न गोल्फ क्लब में अंतिम राउन्ड में अपनी शानदार फॉर्म को बरकरार नहीं रख सकी और फिलीपींस की रियान मिखाएला मालिक्सी से एक शॉट पीछे हो गई। अवनी ने चौथे और अंतिम राउंड को कुल 6-अंडर के साथ समाप्त किया जबकि ट्रॉफी जीतने वाली 16 वर्षीय मालिक्सी ने 4-अंडर 69 के स्कोर के साथ अंतिम राउंड समाप्त किया। अवनी ने पार-73 में 6-अंडर 286 के लिए 71-68-77-70 का राउंड हासिल किया, जबकि मालिक्सी ने 70-72-74-69 के साथ कुल 7-अंडर 285 का स्कोर हासिल किया। जापान के नीका इतो, जो पहले दो राउंड के बाद आगे चल रही थी, 68-70-78-71 के साथ 5-अंडर 287 के साथ तीसरे स्थान पर रही। वहीं ऑस्ट्रेलिया के लायन हिगो 71-71-70-76 के कार्ड के साथ चौथे स्थान पर रहीं।

जैन यूनिवर्सिटी बना ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी-इंटर जोनल बास्केटबॉल चैंपियन

जयपुर। मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर में आयोजित ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी-इंटर जोनल बास्केटबॉल चैम्पियनशिप में नया राष्ट्रीय चैंपियन जैन यूनिवर्सिटी बेंगलुरु बना है। एक रोमांचक मैच में जैन यूनिवर्सिटी ने राजस्थान यूनिवर्सिटी जयपुर को 22 अंकों से हराया। सेमी-फाइनल में एक कड़ी टक्कर के बाद जैन यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु और राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर ने 14 और 6 अंकों से जीत हासिल की। तीसरे स्थान के लिये मैच पंजाब यूनिवर्सिटी और मद्रास विश्वविद्यालय, तमिलनाडु के बीच था जिसमें पंजाब विश्वविद्यालय ने केवल 4 अंकों से जीत हासिल की। अंतिम चरण में दर्शकों ने जैन विश्वविद्यालय, बेंगलुरु और राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के बीच एक कठिन प्रतियोगिता का आनन्द लिया। इस मैच में जैन विश्वविद्यालय, बेंगलुरु ने 22 अंकों से जीत हासिल की। मणिपाल विश्वविद्यालय जयपुर के कोर्ट्स में मैच देखने के लिए भारी संख्या में लोग नजर आये, जिसमें डॉ. दौलत सिंह चौहान, प्रो-चांसलर, आईटीएम ग्वालियर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। गेस्ट्स ऑफ आनर में शामिल थे राम कुमार गहलावत, अंतरराष्ट्रीय कोच, बास्केटबॉल और देवेश नायर, स्पोर्ट्स इंस्पेक्टर, नॉर्थ-वेस्टर्न रेलवे, जयपुर। ए.आई.यू. ऑब्जर्वर, डॉ सुमन शर्मा और एमयूजे के खेल निदेशक डा. रीना पुनियां भी फाइनल्स में मौजूद थे। उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम जोन से जोनल स्तर पर विजयी होकर कुल 16 टीम इस टूर्नामेंट में शामिल हुए थे। जनवरी 9 से 12 तक इस टूर्नामेंट का आयोजन किया गया।

वर्ल्ड ऑफ क्रीडा ने अपनी चौथी 3X3 बास्केटबॉल फ्रेंचाइजी, टोरंटो पैट्रियट्स की घोषणा की

जापान। वर्ल्ड ऑफ क्रीडा प्राइवेट लिमिटेड ने फीबा समर्थित 3×3.ईएक्सइ सुपर प्रीमियर बास्केटबॉल लीग के लिए अपनी चौथी टीम, 'टोरंटो पैट्रियट्स' की घोषणा की। 3×3.ईएक्सइ सुपर प्रीमियर बास्केटबॉल लीग का उद्घाटन संस्करण जापान के ज़ेबियो एरिना सेंडाई में शुरू होगा। लीग 13 और 14 जनवरी 2024 को जापान में, 10 और 11 फरवरी 2024 को थाईलैंड में, 24 और 25 फरवरी 2024 को ऑस्ट्रेलिया में आयोजित किया जाएगा। इसके बाद 17 मार्च 2024 को जापान में ही फाइनल आयोजित किया जाएगा।

लीग में टोरंटो पैट्रियट्स की टीम दो अन्य शीर्ष स्तर की अंतरराष्ट्रीय 3×3 टीमों, लॉज़ेन और सजमिस्ट सर्बिया के साथ अतिथि टीमों के रूप में टूर्नामेंट खेलेगी। 3×3.ईएक्सइ सुपर प्रीमियर 2024 फाइनल के विजेता और उपविजेता 2024 फीबा 3×3 वर्ल्ड टूर के लिए अर्हता प्राप्त करेंगे और प्रत्येक राउंड के विजेता क्रमशः 2024 FIBA 3×3 चैलेंजर्स में स्थान बुक करेंगे। टोरंटो पैट्रियट्स टीम में क्रमशः यूएसए और कनाडा के इंदरबीर सिंह गिल और बिक्रमजीत गिल जैसे भारतीय मूल के खिलाड़ी अपने साथियों ब्लेज़ क्रेब्बर और स्लोवेनिया के मार्क बर्लिक के साथ कोर्ट पर उतरेंगे। टोरंटो पैट्रियट्स की सह-मालिक और वर्ल्ड ऑफ क्रिडा की सीईओ परीना सुरेश पारेख ने कहा, '3×3 बास्केटबॉल हमें प्रिय है। ज़गरेब पैट्रियट्स, मुंबई पैट्रियट्स और उडोन थानी पैट्रियट्स के बाद, मेरा दिल गर्व से फूल रहा है क्योंकि हम टोरंटो पैट्रियट्स के साथ पैट्रियट्स यूनिवर्स को उत्तरी अमेरिका में विस्तारित कर रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद डीन एल्गर ने एसेक्स के साथ किया करार

लंदन। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज डीन एल्गर ने 2024 काउंटी सीजन से पहले एसेक्स के साथ तीन साल का करार किया है। एल्गर ने हाल ही में भारत के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था

36 वर्षीय एल्गर ने एसेक्स के हवाले से कहा, 'मैं एसेक्स के साथ अपनी क्रिकेट यात्रा के इस नए अध्याय को शुरू करने के लिए रोमांचित हूं। क्लब हाल के वर्षों में सम्मान के लिए प्रयास कर रहा है, और मैं आगे की सफलता में योगदान देने के लिए उत्सुक हूं। मैंने काउंटी क्रिकेट में अपने पिछले अनुभवों का भरपूर आनंद लिया है और मैं वास्तव में सीज़न से पहले टीम में शामिल होने के लिए उत्सुक हूं। एसेक्स के मुख्य कोच एंथनी मैकग्राथ ने एल्गर का स्वागत करते हुए कहा, डीन अपने

साथ ढेर सारी प्रतिभा और अनुभव लेकर आए हैं जो निस्संदेह 2024 सीज़न के लिए हमारी टीम को मजबूत करेगा।

उन्होंने कहा, 'टेस्ट क्रिकेट में उनका करियर शानदार रहा है और उन्होंने संन्यास लेने तक दुनिया को उच्चतम स्तर पर रन बनाने की अपनी इच्छा का प्रदर्शन किया है। अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में उनकी उपलब्धियाँ उनकी क्षमताओं के बारे में बहुत कुछ बताती हैं और हम एसेक्स में उनके प्रभाव को देखने के लिए उत्साहित हैं।'

भारतीय महिला हॉकी टीम एक बार फिर रांची में खेलने को लेकर उत्सुक: कप्तान सविता पुनिया

रांची। अपने कुछ अनुभवी खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में एक चुनौतीपूर्ण टूर्नामेंट के लिए तैयार भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता पुनिया को शहर के हॉकी प्रेमियों के मजबूत समर्थन और कड़ी मेहनत की उम्मीद है। उनकी टीम शनिवार से यहां शुरू होने वाले एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर में भाग लेगी और पेरिस 2024 का टिकट हासिल करने का प्रयास करेगी। आठ-टीम एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर की शुरुआत से दो दिन पहले गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन में सविता ने कहा कि टीम कुछ महीने पहले एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान स्थानीय हॉकी प्रेमियों से मिले समर्थन से उत्साहित है और कहा कि टीम एक बार फिर रांची में खेलने को लेकर उत्सुक है। भारत रूप बी में न्यूजीलैंड, संयुक्त राज्य अमेरिका और इटली के साथ है। क्योंकि, मैदान में आठ

टीमों को चार-चार के दो समूहों में विभाजित किया गया है। पूल ए में वर्ल्ड नंबर-5 जर्मनी, 2018 एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता जापान, चिली और चेक गणराज्य शामिल हैं। ये आठ टीमें इस साल के अंत में पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए रांची में उपलब्ध तीन स्थानों के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। सविता ने कहा कि हमने इस आयोजन के लिए बहुत अच्छी तैयारी की है और हमने इस आयोजन की तैयारी के लिए व्यक्तिगत रूप से और एक टीम के रूप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। कोचों ने हमें खेल के उन सभी पहलुओं पर काम करने में मदद की है जिन पर ध्यान देने की जरूरत है। भारत इस प्रतियोगिता में दीप ग्रेस एक्का, सुशीला चानू, वंदना कटारिया और गुरजीत कौर जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के बिना उतर रहा है। भारतीय कप्तान ने कहा कि वे पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि टीम अपने प्रदर्शन और मैदान पर ध्यान दे रही है और विरोधियों के बारे में ज्यादा नहीं सोच रही है।

भुवनेश्वर की छह साल बाद पांच विकेट के साथ प्रथम श्रेणी क्रिकेट में स्वप्निल वापसी

कानपुर। भारतीय तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने रणजी ट्रॉफी में स्वप्निल वापसी करते हुए बंगाल के पांच विकेट लेकर उत्तर प्रदेश को केवल 60 रन पर आउट होने के बाद बेहतरीन वापसी दिलाई।

कानपुर में घरेलू मैदान पर पहले बल्लेबाजी करने उतरी उत्तर प्रदेश की पहली पारी सिर्फ 20.5 ओवर तक चली। मोहम्मद शमी के छोटे भाई मोहम्मद कैफ बंगाल के लिए स्टार रहे, उन्होंने 5.5 ओवर में 14 रन देकर 4 विकेट लिए। लेकिन इसके बाद जो सामने आया वह भुवनेश्वर का मास्टरक्लास था क्योंकि उन्होंने 13 ओवरों में 25 रन देकर 5 विकेट लेकर अपनी प्रथम श्रेणी वापसी को चिह्नित किया, जिनमें से तीन मेडन थे। 33 वर्षीय भुवनेश्वर, जिन्होंने अपना आखिरी टेस्ट जनवरी 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला था, ने तीन गेंदों के अंतराल में सौरव पॉल (13) और सुदीप घरामी (0) को आउट किया।

इसके बाद उन्होंने उसी स्पैल में अनुस्तुप मजूमदार (12), कप्तान मनोज तिवारी (3) और अभिषेक पोरेल (12) के विकेट लिए। यह उनके प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 13वीं बार था, जब उन्होंने पांच विकेट लिये।

स्टंप्स के समय, बंगाल का स्कोर 5 विकेट पर 95 रन था। सलामी बल्लेबाज सायन घोष, 87 गेंदों में 37 रन बनाकर अकेले खेल रहे थे, वह बंगाल के बचे आखिरी बल्लेबाज थे। उनके साथ करण लाल हैं जो 8वें नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे हैं।

रहाणे आंध्र प्रदेश के खिलाफ शून्य पर आउट हुए

आंध्र के 20 वर्षीय तेज गेंदबाज नीतीश कुमार रेड्डी ने 20 रन देकर 3 विकेट लिए, जिसमें अजिंक्य रहाणे और श्रेयस अय्यर के बेशकीमती विकेट भी शामिल थे, जिससे स्टंप्स तक मुंबई को 6 विकेट पर 281 रन पर रोक दिया। रेड्डी ने मुंबई के कप्तान रहाणे को गोल्डन डक पर आउट किया, जो गर्दन में अकड़न के कारण रणजी ट्रॉफी का पहला मैच नहीं खेल पाए थे। इसके बाद उन्होंने अपने वापसी मैच में अय्यर को दो रनों से अर्धशतक से वंचित कर दिया। 2018-19 सीज़न के बाद रणजी ट्रॉफी में पहली बार मुंबई ड्रेस में वापसी करते हुए, अय्यर ने 48 रनों की पारी खेली, जिसमें सात चौके शामिल थे। दक्षिण अफ्रीका में दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला में फॉर्म के लिए संघर्ष करने वाले अय्यर अपनी शुरुआत को बेहतर नहीं बना सके।

बुंडेसलीगा: जमाल मुसियाला के दो गोलों की बदौलत बायर्न म्यूनिख ने हॉफेनहेम को 3-0 से हराया

बर्लिन। पिछले संस्करण की उपविजेता बायर्न म्यूनिख ने 2024 की शुरुआत जीत के साथ की। जमाल मुसियाला के दो गोल की मदद से टीम ने बुंडेसलीगा के 17वें दौर के मैचों में 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही हॉफेनहेम को 3-0 से हरा दिया।

बायर्न ने मैच के शुरुआत से ही गेंद पर ही कब्जा जमाये रखा, मैच के 18वें मिनट में लेरॉय साने के पास पर जमाल मुसियाला ने बेहतरीन गोल कर अपनी टीम को 1-0 से आगे कर दिया। हालांकि इस गोल के बाद मध्यांतर तक दोनों ही टीमें कोई गोल नहीं कर सकीं। मध्यांतर के बाद बॉयर्न ने वहीं से शुरुआत की जहां उन्होंने छोड़ा था और उन्हें लगा कि उन्होंने बढ़त दोगुनी कर ली है, जब 55वें मिनट

में हैरी केन ने गोल किया, हालांकि उनके गोल को ऑफसाइड करार दे दिया गया। मैच के 70वें मिनट में मुसियाला ने मैच का अपना दूसरा गोल करते हुए बायर्न को 2-0 से आगे कर दिया। चार मिनट बाद, हॉफेनहेम के लिए हालात बद से बदतर होते चले गए, जब ग्रिस्चा प्रोमेल को उनके दूसरे क्षमा न करने योग्य अपराध के लिए बाहर भेज दिया गया। इसके बाद बायर्न ने कोई दया नहीं दिखाई और हैरी केन ने सीजन का अपना 22वां गोल कर बायर्न को 3-0 से जीत दिला दी।

रणजी ट्रॉफी मैच के दौरान चोटिल हुए तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा

नई दिल्ली। अहमदाबाद में गुजरात के खिलाफ कर्नाटक के रणजी ट्रॉफी 2023-24 मैच के पहले दिन तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा के बाएं क्वाड्रिसेप्स में चोट लग गई, और बाद में उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की घरेलू श्रृंखला के पहले दो टेस्ट के लिए भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया। प्रसिद्ध 14.5 ओवर फेंकने के बाद लड़खड़ाते हुए मैदान से बाहर चले गए, इस दौरान उन्होंने मनन हिंगराजिया और सिद्धार्थ देसाई के विकेट लिए, जिससे कर्नाटक ने गुजरात को 88 ओवर में 264 रन पर रोक दिया। कर्नाटक टीम के फिजियो वर्तमान में प्रसिद्ध की देखभाल कर रहे हैं, लेकिन बीसीसीआई-अनुबंधित खिलाड़ी के रूप में, वह भारत ए के सहयोगी स्टाफ के साथ भी जुड़ सकते हैं, जो इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो दिवसीय मैच के लिए अहमदाबाद में ही हैं। लम्बर स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण लगभग एक साल तक एक्शन से बाहर रहने के बाद प्रसिद्ध ने भारत के हालिया दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया। लेकिन दक्षिण अफ्रीका में उनका समय अच्छा नहीं बीता, जहां टेस्ट सीरीज 1-1 से ड्रा रही। उन्होंने दो टेस्ट मैचों में दो विकेट लिए और उनका औसत 65 था, और 4.64 की इकॉनमी रेट के साथ टेस्ट श्रृंखला में भारत के सबसे महंगे गेंदबाज थे।

मोहम्मद शमी अभी भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए तैयार नहीं हैं, पहले दो टेस्ट के लिए भारतीय टीम में तेज गेंदबाज के रूप में मोहम्मद सिराज और अवेश खान हैं। पहले दो टेस्ट हैदराबाद (25-29 जनवरी) और विशाखापत्तनम (2-6 फरवरी) में खेले जाएंगे, इससे पहले टीमें राजकोट (15-19 फरवरी), रांची (23-27 फरवरी) और धर्मशाला (7 मार्च-11) में खेलेंगी।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के पहले दो मैचों के लिए भारतीय टीम घोषित, आवेश खान-ध्रुव जुरेल को मौका

नई दिल्ली। बीसीसीआई ने रात इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला के शुरुआती दो मैचों के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम में तेज गेंदबाज आवेश खान और विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को जगह मिली है जबकि ईशान किशन को बाहर कर दिया गया है, वहीं मोहम्मद शमी को जोटिल होने की वजह से टीम में शामिल नहीं किया गया।

पहले दो मैचों के लिए भारतीय टीम का स्क्वाड-

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जयसवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), केएस भरत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, जसप्रीत बुमराह (उप कप्तान), आवेश खान। उल्लेखनीय है कि भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला की

शुरुआत 25 जनवरी से हो रही है। पहला मुकाबला हैदराबाद, दूसरा विशाखापटनम, तीसरा राजकोट, चौथा रांची और पांचवा यानी आखिरी मैच धर्मशाला में खेला जाएगा।

पीकेएल में बतौर रेफरी मौका देने के लिए आयोजकों का आभार: दमयंती बोरो

जयपुर। दमयंती बोरो कई वर्षों से पूर्वोत्तर में एक कोच के रूप में कबड्डी का नेतृत्व कर रही हैं। हालांकि, उन्हें हमेशा अंपायरिंग में भी रुचि रही है और उन्होंने इस सीज़न में पहली बार प्रो कबड्डी लीग में तकनीकी अधिकारी बनने का अपना सपना पूरा किया।

प्रो कबड्डी लीग द्वारा लिये गए साक्षात्कार में जब बोरो से पूछा गया कि उनका इस खेल से परिचय कैसे हुआ, तो उन्होंने कहा, मेरा बड़ा भाई भाला फेंक खिलाड़ी था और मैं उसके साथ मैदान में जाती थी। मैं उस समय छठी कक्षा में थी। तब मैंने कुछ लड़कियों को मैदान पर कबड्डी का अभ्यास करते देखा था। फिर मैं भी साई प्रशिक्षु के रूप में उनके साथ शामिल हो गई। इसके बाद मैंने राज्य और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया, लेकिन मैं अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में नहीं खेल सकी। अपने खेल करियर के बाद, 2015 में एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया (एकेएफआई) द्वारा आयोजित एक परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद बोरो एक पेशेवर कबड्डी कोच बन गई। उन्होंने अंपायरिंग में अपनी जगह कैसे बनाई, इस पर उन्होंने कहा, मैं मुख्य रूप से एक कबड्डी कोच हूं। मैं मैं वर्तमान में गुवाहाटी में असम सरकार के साथ काम कर रही हूं। लेकिन, मेरी हमेशा से अंपायरिंग में रुचि रही है। इसलिए जब भी मुझे मौका मिलता है तो मैं कुछ घरेलू टूर्नामेंटों में अंपायरिंग करती रही हूं। जब बोरो

से पूछा गया कि उन्होंने प्रो कबड्डी लीग में रेफरी की भूमिका कैसे हासिल की, तो उन्होंने कहा, प्रो कबड्डी लीग ने 2019 में असम में एक रेफरी चयन शिविर आयोजित किया था और मुझे शिविर के दौरान पीकेएल के लिए चुना गया था। मैं मुंबई में एक कार्यशाला के लिए गई थी।, लेकिन मैं सीज़न 7 में अंपायरिंग नहीं कर सकी क्योंकि उस समय मेरे नियोक्ता ने मुझे पीकेएल में अंपायरिंग करने की अनुमति नहीं दी थी। हालांकि, बोरो को एक बार फिर पीकेएल में अंपायरिंग करने का मौका मिला,उन्होंने कहा, मुझे जुलाई 2023 में असम सरकार में एक कबड्डी कोच के रूप में नौकरी मिली और फिर मुझे एक बार फिर प्रो कबड्डी लीग में अंपायरिंग करने का मौका मिला। इस बार मेरे नियोक्ता ने अनुमति दे दी। मुझे पीकेएल में अंपायरिंग करनी है और इसलिए मैं यहां हूं। मैं इस अवसर के लिए मशाल स्पोर्ट्स को धन्यवाद देना चाहती हूं। रेफरी ने यह भी कहा कि वह इस समय दो कामों के बीच झूल रही है। बोरो ने कहा, इसलिए वर्तमान में, मैं पीकेएल सीजन 10 में वैकल्पिक स्थानों पर अंपायरिंग कर रही हूं। जब मैं पीकेएल सीजन 10 में अंपायरिंग नहीं कर रही होती हूं तो, तो मैं गुवाहाटी में अपनी कोचिंग की नौकरी पर वापस चली जाती हूं।

भारत-अफगानिस्तान के बीच टी-20 श्रृंखला का दूसरा मैच रविवार को इंदौर में

इंदौर। भारत और अफगानिस्तान के बीच खेली जा रही तीन टी-20 मैचों की श्रृंखला का दूसरा मैच रविवार, 14 जनवरी को इंदौर के होलकर स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके लिए दोनों टीमें शाम इंदौर पहुंच गई है। यहां एयरपोर्ट पर खिलाड़ियों का जोरदार स्वागत किया गया। इसके बाद खिलाड़ी सीधे होटल के लिए रवाना हो गए। हालांकि, विराट कोहली भारतीय टीम के साथ इंदौर नहीं आए हैं। शनिवार को सुबह 9 बजे बाद उनके आने की उम्मीद है। दरअसल, भारत-अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी-20 श्रृंखला खेली जा रही है, जिसका पहला मैच गुरुवार को मोहाली में खेला गया था। भारत ने इसमें छह विकेट से अफगानिस्तान को

हराया था। दूसरा मैच इंदौर में रविवार को खेला जाएगा। इसके लिए दोनों टीमें इंदौर पहुंच चुकी हैं। वहीं, 17 जनवरी को बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में सीरीज का तीसरा और अंतिम मैच खेला जाएगा।

दोनों ही टीमें मोहाली से चार्टर्ड प्लेन से शुक्रवार देर शाम इंदौर पहुंची और यहां एयरपोर्ट से सभी खिलाड़ी सीधे होटल के लिए रवाना हो गए। शनिवार को दोनों टीमों का अभ्यास सत्र होगा। अफगानिस्तान के साथ टी-21 श्रृंखला के लिए इंदौर के आवेश खान को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। आवेश इंदौर के ही रहने वाले हैं और उनको खेलते देखने के लिए इंदौर के लोग बेसब्री से इंतजार करते हैं। भारतीय टीम के साथ सितारा बल्लेबाज विराट कोहली नहीं आए हैं। वे शनिवार को सुबह 9 बजे बाद इंदौर पहुंचेंगे। वहीं, शनिवार को भारत और अफगानिस्तान की टीमें अभ्यास के लिए स्टेडियम पहुंचेंगी।

भारत ने अफगानिस्तान को छह विकेट से हराया, शिवम दुबे बने हीरो

मोहाली। भारतीय टीम ने मोहाली में खेले गए पहले टी20 मुकाबले में अफगानिस्तान को छह विकेट से हरा दिया है। इस जीत के साथ टीम इंडिया ने तीन टी20 मैच की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली है। भारत की इस जीत के हीरो शिवम दुबे रहे जिन्होंने नाबाद 60 रन की पारी खेली और एक विकेट भी प्राप्त किया। अफगानिस्तान की ओर से मिले 159 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत खराब रही। पारी की दूसरी गेंद पर ही कप्तान रोहित शर्मा शून्य पर रन आउट हो गए। हालांकि शुभमन गिल (23 रन) ने तेज रन बनाकर दबाव नहीं आने दिया लेकिन वो ज्यादा देर क्रिज पर नहीं टिके। इसके बाद तिलक वर्मा भी 26 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

वहीं दूसरे छोर पर शिवम दुबे टिके रहे और लगातार रन बनाते रहे। उन्होंने नाबाद 60 रन की पारी खेली, जिन्हें जितेश शर्मा (31 रन) का शानदार साथ मिला। आखिर में रिंकू सिंह ने नाबाद 16 रन बनाकर टीम को जीत दिलाने में शिवम की मदद की। इस तरह भारत ने 17.3 ओवरों में 4 विकेट खोकर जीत दर्ज कर ली। इससे पहले, भारत से अफगानिस्तान को बल्लेबाजी का न्यौता दिया। तब सलामी बल्लेबाज विकेटकीपर रहमानुल्लाह गुरबाज (23) और इब्राहिम जादरान (23) ने अच्छी शुरुआत दी। इसके बाद अजमतुल्लाह ने भी 29 रन का योगदान दिया। हालांकि रहमत शाह ज्यादा योगदान नहीं दे सके और सिर्फ तीन रन बनाकर आउट हो गए। तब क्रीज पर आए मोहम्मद नबी ने अच्छे हाथ दिखाए और तेजतर्रार 42 रन बनाए। नबी ने नजीबुल्लाह (नाबाद 19 रन) के साथ मिलकर अफगानिस्तान का स्कोर 158 रन तक पहुंच सका। भारत की ओर से अक्षर पटेल और मुकेश कुमार ने दो-दो विकेट लिए, जबकि शिवम दुबे ने एक विकेट झटका।

रश्मि देसाई

के बाद रिद्धि डोगरा ने दिया अंकिता लोखंडे का साथ, कहा- मेरा पूरा सपोर्ट उनके साथ है

बिग बॉस 17 सुर्खियों का हिस्सा बना हुआ है. शो में एक तरफ अंकिता लोखंडे और विक्की जैन के रिश्ते को लेकर अनबन दिखाई जा रही है तो वहीं दूसरी तरफ आयशा ने मुनव्वर पर कई इल्जाम लगाए हैं. हाल ही में फैमिली वीक में अंकिता और विक्की की मां उनसे मिलने के लिए घर में गई थीं. जहां विक्की की मां ने जिस तरह से अंकिता को ताने मारे हैं वह लोगों को पसंद नहीं आ रहे हैं. इतना ही नहीं रंजना जैन ने शो से बाहर आने के बाद भी कई इंटरव्यू दिए हैं जिसमें उन्होंने अपनी बहू अंकिता के बारे में कई बातें बोली हैं. जिसके बाद कई लोग अंकिता के सपोर्ट में कई लोग आए हैं. रश्मि देसाई ने अंकिता का सपोर्ट किया था. अब रिद्धि डोगरा भी उनके सपोर्ट में आईं हैं.शो में अंकिता की मां ने विक्की और उनसे अपने रिश्ते को सुधारने के बारे में बात की. वहीं विक्की की मां दोनों को समझाने की बजाय बेटे का सपोर्ट करते हुए बहू पर कई इल्जाम लगा दिए. जो लोगों को रास नहीं आ रहे हैं. अंकिता के जीतने की बात पर भी उन्होंने बात की थी. अब रिद्धि ने कहा है कि उम्मीद करती हैं कि अंकिता ही ये शो जीतें.

रिद्धि ने किया सपोर्ट

रिद्धि ने सोशल मीडिया पर लिखा- उम्मीद करती हूं अंकिता लोखंडे जीतें. वह इस एकतरफा फैसले के लायक नहीं है. किसी भी सेल्फ मेड और इंडिपेंडेंट इंसान के लिए ये कभी बाहरी नहीं होता है. ये आपका अपना सपोर्ट होता है जो आपको एनर्जी देता है. पुरुषों के संबंध में समाज को यही मिलता है लेकिन महिलाओं के लिए ऐसा नहीं है.

रिद्धि ने आग लिखा-वो ये समझने की कोशिश कर रही होंगी कि क्यों उन्हें ही ये आलोचना मिल रही है. सिर्फ उन पर अंगुली उठाना गलत है. मैं इस पर बात नहीं कर सकती हूं. निश्चित तौर पर बतौर एक महिला मेरा सपोर्ट उनके साथ है.बता दें रिद्धि से पहले रश्मि देसाई, काम्या पंजाबी और सनी आर्या की पत्नी भी अंकिता का सपोर्ट कर चुकी हैं. विक्की को लात मारने के बाद अंकिता के ससुर का उनकी मां को फोन करके बोलना किसी को भी पसंद नहीं आ रहा है. जिसकी वजह से हर कोई अंकिता की सास को ट्रोल कर रहा है.

अनुष्का सेन

डीपफेक तस्वीरों के लेकर Sunny Leone ने तोड़ी चुप्पी, बोलीं- सेलेब्स सावधानी नहीं बरत रहे

डीपफेक की समस्या का सामना सिनेमाजगत की तमाम हस्तियों को आए दिन करना पड़ा रहा है। बीते समय में एनिमल एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना और आलिया भट्ट इसका शिकार हुई हैं।अब ताजा मामला टीवी एक्ट्रेस अनुष्का सेन से जुड़ा है,जिनकी मॉर्फ्ड तस्वीरें इस समय लगातार सुर्खियां बटोर रही हैं। इंडस्ट्री में बढ़ते डीपफेक मामले को लेकर एक्ट्रेस सनी लियोनी ने अपनी चुप्पी तोड़ी है और बड़ी बात कही है।

डीपफेक को लेकर सनी लियोनी ने खुलकर की बात

अपने बेबाक अंदाज के लिए सनी लियोनी का नाम काफी जाना जाता है। हाल ही में एक मीडिया इंटरव्यू के दौरान सनी से टीवी अदाकारा अनुष्का सेन की डीपफेक तस्वीरों को लेकर सवाल पूछा गया, इंडिया टुडे को दिए इंटरव्यू में सनी लियोनी ने इस मामले पर अपनी राय रखते हुए कहा है-सही मायनों में कहूं तो मैं भी इसका शिकार बनी हूं, लेकिन मैं इससे प्रभावित नहीं होती हूं और न ही ज्यादा गंभीर तरीके से लेती हूं।एक लड़की के तौर पर इसमें उनकी कोई गलती नहीं होती है और कोई लड़की इसे सीरियस लेती है तो उसे साइबर सेल जैसी जगह पर इसके लिए रिपोर्ट दर्ज करानी चाहिए। डीपफेक कोई नहीं समस्या नहीं है। काफी समय से लोग तकनीकि का गलत इस्तेमाल करते आ रहे हैं।

सेलेब्स नहीं बरत रहे सावधानी

डीपफेक पर अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए जिस्म 2 अदाकारा ने कहा है-खुलकर कहूं तो इस मामले पर सेलेब्स सावधानी नहीं बरत रहे हैं। इन मामले पर तुरंत आवाज उठानी चाहिए, जिस तरह से हमने बीते साल कुछ मामलों में देखा।ये सब उन गलत सोच वाले व्यक्तियों की सोच पर निर्भर करता है, जो इस तरह के फोटो और वीडियो को बना रहे हैं। एआई को लेकर हर कोई अलग-अलग तरीके के प्रयोग करने की सोच रहा है।

बेटा ही नहीं उसके पिता के साथ पूरे परिवार को है ये बीमारी', अभिषेक की मां का बड़ा खुलासा

क्लॉस्ट्रोफोबिया एक मानसिक बीमारी है, जिसे एंग्जाइटी डिसऑर्डर भी कहा जाता है. बिग बॉस 17 के घर में कई बार अभिषेक कुमार ने उनके क्लॉस्ट्रोफोबिक होने की शिकायत की है. मगर हर बार उनकी एक्स-गर्लफ्रेंड ईशा मालवीय और समर्थ के साथ कई घरवालों ने इस बात को लेकर उनका मजाक उड़ाया है. अंकिता लोखंडे ने भी अभिषेक पर ये इल्जाम लगाया था कि वो क्लॉस्ट्रोफोबिक होने का नाटक कर रहे हैं और इस नाटक से उन्हें लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचना है. टीवी9 हिंदी डिजिटल के साथ की खास बातचीत में अभिषेक की मां ने कहा कि अभिषेक ही नहीं उनके पिता के साथ पूरे परिवार को क्लॉस्ट्रोफोबिया है.अभिषेक की मां ने कहा, अभिषेक को गले लगाने के लिए मैं तरस गई थी. इस पल का मैं बहुत समय से इंतजार कर रही थी. मुझे अभिषेक को मिलना था, उसे गले लगाकर उसकी सारी तकलीफों को मिटाना था. आमतौर पर बच्चे को मिलने के लिए मां-पापा में बहस छिड़ जाती है कि कौन उसे मिलने जाएगा. लेकिन हमने पहले से ही तय कर लिया था कि मैं अभिषेक से मिलने जाऊंगी. अभिषेक के पापा फ्लाइट में नहीं बैठ सकते, क्योंकि उन्हें फोबिया है.

फ्लाइट की जगह ट्रेन से घूमना पसंद करता है अभिषेक का परिवार

आगे अभिषेक की मां बोलीं- 'सिर्फ अभिषेक और उनके पापा को ही नहीं बल्कि उनकी दादी, बुआ और बहन सभी क्लॉस्ट्रोफोबिक हैं. दरअसल उनकी पूरी फैमिली को ये प्रॉब्लम है. हालांकि मुझे उनकी इस बीमारी से कोई परेशानी नहीं है. बस मैं उनके साथ बैठकर फ्लाइट में नहीं जा सकती. हम सब ज्यादातर ट्रेन से ही घूमना पसंद करते हैं. जब अभिषेक मुंबई आ रहे थे तब उनकी काउंसलिंग हुई थी. तब जाकर फ्लाइट में बैठकर मुंबई आने की उन्हें हिम्मत मिली थी.' अपने बेटे को फैंस से मिल रहे प्यार को देख अभिषेक की मां बहुत खुश हैं. वो चाहतीं हैं कि उनका बेटा बिग बॉस की ट्रॉफी जीते.

'सुशांत के बारे में बातें करना बंद कर, ससुराल वाले...', अंकिता की मां ने बेटी को दी चेतावनी

अंकिता लोखंडे 'बिग बॉस 17' के घर में अक्सर अपने एक्स-बॉयफ्रेंड सुशांत सिंह राजपूत के बारे में बातें करती हुईं नजर आतीं हैं. लेकिन अंकिता का इस तरह से सुशांत के बारे में बातें करना उनके पति विक्की जैन के परिवार को पसंद नहीं है. यही वजह है कि अंकिता लोखंडे की मां ने अपनी बेटी को चेतावनी देते हुए कहा है कि वो उनके एक्स-बॉयफ्रेंड के बारे में शो पर बात न करे. दरअसल बिग बॉस में शुरू हुए 'फैमिली स्पेशल वीक' में सबसे पहले अंकिता लोखंडे की मां वंदना लोखंडे ने घर में एंट्री की है.अपनी बेटी के साथ समय बिताते हुए अंकिता की मां ने उन्हें सलाह दी कि वो विक्की से तमीज से पेश आए. नेशनल टीवी पर दोनों का एक दूसरे के साथ इस तरह से झगड़ा करना बाहर पूरी तरह से गलत मैसेज दे रहा है. इस दौरान वंदना लोखंडे ने अपनी बेटी को समझाते हुए ये भी कहा कि वो अपने एक्स-बॉयफ्रेंड सुशांत सिंह राजपूत के बारे में बातें करना बंद कर दें, क्योंकि अब विक्की जैन उनके पति हैं और उनका सुशांत के बारे में इस तरह से बात करना विक्की के परिवार को पसंद

नहीं आ रहा है.

अंकिता ने दी सफाई

अपनी मां की बातें सुनने के बाद अंकिता लोखंडे ने इस पूरे मामले पर अपनी सफाई देने की कोशिश की. उन्होंने कहा कि मैंने कभी सुशांत के बारे में इतनी बातें नहीं की हैं, वो तो मुनव्वर और अभिषेक मुझे उसके बारे में पूछते रहते हैं और अभिषेक तो सुशांत का बहुत बड़ा फैन है. मैं सिर्फ उन्हें ये बताती हूं कि वो कितना टैलेंटेड था. लेकिन अंकिता की मां ने अपनी बेटी को वही रोकते हुए कहा कि वो इस बारे में आगे बात नहीं करना चाहतीं और आगे से अंकिता को भी खास ध्यान रखना चाहिए. अपनी मां की बातें सुनने के बाद अंकिता ने भी उन्हें कहा कि वो आगे से इस तरह की बातें नहीं करेंगी. और वो पूरी कोशिश करेंगी कि उनकी हरकतों से विक्की की फैमिली को किसी भी प्रकार की शर्म न महसूस हो.